हर हर महादेव
पहली सोमवारी आज...

कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक
रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, सोमवार, 14 जुलाई, 2025 वर्ष : 13 अंक : 55 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

संक्षिप्त खबरें

ताइवान-वियतनाम की कंपनियां भारत में 'फुटवियर' क्षेत्र में करेंगी निवेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का गैर-चमड़ा फुटवियर उद्योग विदेशी निवेश के एक नए अवसर की ओर बढ़ रहा है। ताइवान

और वियतनाम की प्रमुख कंपनियां इस क्षेत्र में निवेश को इच्छुक हैं। चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) के एक अधिकारी ने बताया कि इन देशों की कंपनियां भारत में उत्पादन इकाइयां स्थापित करना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए सरकार से नीति और लॉजिस्टिक सहयोग जरूरी होगा। इन कंपनियों को चीन से सोल, सांचे, मशीनरी और कपड़े जैसे उत्पाद आयात करने पड़ते हैं। ऐसे में भारत सरकार को इनके आयात को सुगम बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। अधिकारी ने बताया कि भारत का फुटवियर निर्यात 2024-25 में 5.75 अरब डॉलर रहा और 2025-26 तक इसे 7 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। अमेरिका इस क्षेत्र का सबसे बड़ा बाजार है, जहां 20 फीसदी भारतीय निर्यात जाता है, इसके बाद ब्रिटेन (11 फीसदी) और जर्मनी आते हैं। उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की वकालत करते हुए कहा कि वर्तमान 18.5 फीसदी शुल्क को कम कर बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने सरकार से फुटवियर क्षेत्र के लिए केंद्रित उत्पाद योजना शुरू करने की मांग भी की। ग्रोमोर इंटरनेशनल लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु में पहले ही कुछ ताइवानी कंपनियां निवेश कर चुकी हैं और उत्तर प्रदेश-बिहार जैसे राज्यों में किफायती श्रम बल को देखते हुए यहां भी निवेश की भारी संभावना है। विदेशी तकनीक के सहयोग से घरेलू उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ेगी और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

अमरनाथ यात्रा-कुलगाम में काफिले की 3 बसें टकराईं, 10 घायल:9 दिन पहले चंदरकोट में एक्सीडेंट हुआ था

पहलगाम: अमरनाथ यात्रियों के काफिले की 3 बसों की रविवार को कुलगाम में आपस में टक्कर हो गई। हादसे

में 10 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। अधिकार ने बताया कि बालटाल की ओर जा रहे काफिले की तीन बसों की ताचलू क्रॉसिंग के पास एक्सीडेंट हुआ है। इधर, अमरनाथ यात्रा के 10वें दिन 19,020 श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए। अब तक 1.83 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। पवित्र अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई थी। यह 9 अगस्त तक चलेगी।

साउथ के पॉपुलर विलेन कोटा श्रीनिवास का निधन: आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के सीएम समेत कई सेलेब्स ने दी श्रद्धांजलि

सन ऑफ सत्यमूर्ति, टेंपर, येवडू जैसी मशहूर फिल्मों में विलेन की भूमिका निभाने वाले साउथ के पॉपुलर विलेन

कोटा श्रीनिवास का 13 जुलाई को निधन हो गया है। एक्टर की उम्र 83 साल थी। एक्टर लंबे समय से बीमार चल रहे थे। कोटा श्रीनिवास ने हैदराबाद के जुबली हिल स्थित बंगले में आज तड़के सुबह आखिरी सांसें लीं। कोटा श्रीनिवास ने तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और हिंदी भाषा में करीब 750 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया है। 2015 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

तेलंगाना और आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भावुक होकर लिखा, 'प्रख्यात अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव गरु के निधन से गहरा सदमा पहुंचा है। फिल्म उद्योग के लिए उनका न होना एक अपूरणीय क्षति है। हालांकि कोटा गरु अब शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उन्होंने जो भूमिकाएं निभाईं, उनके माध्यम से वे तेलुगु लोगों के दिलों में हमेशा के लिए बसे रहेंगे। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति मिले, मैं उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हू।'

राष्ट्रपति ने राज्यसभा के लिए उज्ज्वल समेत चार सदस्यों को नॉमिनेट किया

चार नामित सदस्यों में न्याय, कूटनीति और शिक्षा से जुड़े चेहरे शामिल

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यसभा के लिए 4 सदस्यों को नॉमिनेट किया है। इनमें पूर्व सरकारी वकील और लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार रहे उज्ज्वल निकम शामिल हैं। निकम, 26/11 के मुंबई हमला समेत कई हाई-प्रोफाइल मामलों में पब्लिक प्रॉसिक्यूटर रहे हैं। इनके अलावा, केरल के वरिष्ठ समाजसेवी और शिक्षाविद सी. सदानंदन मास्टर, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और इतिहासकार एवं शिक्षाविद मीनाक्षी जैन भी राज्यसभा जाएंगी। ये नियुक्तियां उन सीटों के लिए की गई हैं, जो पहले के नामित सदस्यों के सेवानिवृत्त होने से खाली हुई थीं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 80(3) के तहत, राष्ट्रपति को राज्यसभा में 12 सदस्यों को नॉमिनेट करने का अधिकार है। ये सदस्य कला, साहित्य, विज्ञान, सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में विशेष योगदान के लिए चुने जाते हैं। वर्तमान में राज्यसभा की कुल सदस्य संख्या 245 है, जिसमें 233 निर्वाचित और 12 नामांकित सदस्य शामिल हैं।

राष्ट्रपति की तरफ से यह नॉमिनेशन आया..

असल में सरकारी नोटिफिकेशन के मुताबिक शनिवार 12 जुलाई 2025

को राष्ट्रपति की तरफ से यह नॉमिनेशन आया है. उज्ज्वल निकम देश के सबसे चर्चित सरकारी वकीलों में गिने जाते हैं. उन्होंने 26/11 मुंबई आतंकी हमले, अजमल कसाब मामले सहित कई हाई-प्रोफाइल मामलों में सरकार का पक्ष रखा है. हाल ही में 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने उन्हें मुंबई नॉर्थ सेंट्रल सीट से उम्मीदवार भी बनाया था. हालांकि वे चुनाव हार गए थे.

बड़ी जिम्मेदारी पर उज्ज्वल निकम बोले- पीएम मोदी का आया था फोन, 'लोकतंत्र और संविधान मजबूत करने प्रयास करूंगा'

मशहूर अधिवक्ता उज्जवल निकम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यसभा के लिए नामित किया है. इस नियुक्ति को निकम ने अपने लिए गर्व और जिम्मेदारी का क्षण बताया. वह आज राज्यसभा सांसद नियुक्त होने के बाद मीडिया से बात कर रहे थे. उज्ज्वल निकम ने अपनी नियुक्ति की जानकारी मिलने के बारे में बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन किया. पीएम ने मजाकिया अंदाज में पूछा, "मैं मराठी में बोलूं या हिंदी में?" इस पर निकम हंस पड़े. पीएम ने मराठी में बताया कि राष्ट्रपति उन्हें एक बड़ी जिम्मेदारी देना चाहती हैं. आप देश की दृष्टि से इस ज़िम्मेदारी को अच्छे ढंग से निभा पाएंगे. अधिवक्ता उज्ज्वल निकम ने कहा, "इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और महाराष्ट्र की जनता को धन्यवाद देता हूं.' निकम ने कहा, "लोकसभा के दौरान भाजपा ने मुझ पर जो भरोसा दिखाया था, अब मैं राज्यसभा के सांसद के रूप में उस पर खरा उतरने का ईमानदारी से प्रयास करूंगा. बेशक, राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त सांसद होने के नाते, मुझ पर बड़ी जिम्मेदारी है. मैं महाराष्ट्र की जनता को विश्वास दिलाता हूं कि मैं कानून का अध्ययन करने, कानून का विश्लेषण करने और देश की एकता के लिए देश के लोकतंत्र और संविधान को मजबूत करने का हरसंभव प्रयास करूंगा.

- ***उज्ज्वल निकम:*** उज्ज्वल निकम एक प्रसिद्ध वकील हैं और मुंबई आतंकवादी हमलों के मामले में सरकारी वकील के रूप में काम कर चुके हैं. भाजपा ने उन्हें 2024 के लोकसभा चुनाव में मुंबई उत्तर मध्य सीट से पार्टी उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा था.
- ***हर्षवर्धन श्रृंगला:*** हर्षवर्धन श्रृंगला ने अमेरिका-थाईलैंड में भारत के राजदूत और बांग्लादेश में उच्चायुक्त के रूप में कार्य किया है. भारतीय विदेश सेवा के 1984 बैच के अधिकारी श्रृंगला ने 2023 में भारत की जी20 अध्यक्षता के लिए मुख्य समन्वयक के रूप में भी कार्य किया था.
- ***मीनाक्षी जैन:*** दिल्ली विवि के गार्गी कॉलेज में व्याख्याता रहीं मीनाक्षी पद्मश्री से सम्मानित हैं. उन्होंने भारतीय इतिहास, देश की सभ्यता और ब्रिटिश शासन के दौरान स्वदेशी शिक्षा और भाषाओं पर कई किताबें लिखीं.
- ***सदानंदन मास्टर:*** सदानंदन मास्टर केरल के कन्नूर जिले में 2016 और 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार थे। वह पूर्व शिक्षक हैं. वर्ष 1994 में कथित तौर पर उनके प्रतिद्वंद्वियों ने उनके दोनों पैर काट दिए थे.

झारखंड कांग्रेस के विधायकों और सांसदों के साथ राहुल गांधी करेंगे बैठक, बीजेपी ने कसा तंज

रांची: सोमवार 14 जुलाई को दिल्ली में लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी झारखंड कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक करेंगे. हेमंत सोरेन सरकार में कांग्रेस कोटे से सभी मंत्री और विधायकों को विशेष रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं. झारखंड में संगठन विस्तार के साथ-साथ गठबंधन की सरकार की परफॉर्मेंस और जनता में वर्तमान सरकार के प्रति सोच को जानने की कोशिश राहुल गांधी करेंगे.

बैठक का लाभ झारखंड कांग्रेस को नहीं मिलेगा: प्रदेश बीजेपी

दिल्ली में झारखंड के कांग्रेसी विधायक मंत्रियों की लगने वाली 14 जुलाई की पाठशाला पर प्रदेश बीजेपी ने तंज कसा है. झारखंड भाजपा के प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह ने कहा है कि राहुल गांधी चाहे लाख पाठशाला लगा लें, लेकिन उसका कोई असर झारखंड कांग्रेस पर नहीं पड़ने वाला है. उन्होंने कहा कि झारखंड में कांग्रेस झामुमो की पिछलग्गू पार्टी ही रहेगी. भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि उनके नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने झारखंड राज्य का निर्माण किया, लेकिन कांग्रेस ने क्या किया. झारखंड के विकास के लिए कांग्रेस के नेताओं के पास न कोई नीति है और न नियत. राज्य के विकास के लिए कोई ब्लू प्रिंट भी कांग्रेस के नेता या राहुल गांधी के पास नहीं है. ऐसे में कोई भी पाठशाला लगा लें, उसका कोई फायदा कांग्रेस को मिलने वाला नहीं है.

मजबूती से राज्य के विकास के लिए राहुल गांधी से लेंगे दिशानिर्देश- केशव महतो कमलेश

राहुल गांधी द्वारा ली जाने वाली बैठक की जानकारी देते हुए झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो ने कहा कि हम लोगों ने ही राहुल गांधी से समय मांगा था. हर दो-तीन महीने पर इस तरह की बैठक होती रहती है. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि 14 जुलाई की बैठक में संगठन सृजन कार्यक्रम के साथ-साथ वर्तमान महागठबंधन सरकार की अभी तक की उपलब्धियों की जानकारी भी कांग्रेस नेतृत्व को दी जाएगी. बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल शामिल रहेंगे.

सीएम हेमंत सोरेन की पहल पर सऊदी अरब में मृत धनंजय महतो का पार्थिव शरीर स्वदेश आया

रांची: सऊदी अरब में हुए एक हादसे में झारखंड के मजदूर धनंजय महतो की मौत हो गई थी. आज उनके पार्थिव शरीर को झारखंड लाया गया. धनंज महतो हजारीबाग के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के बंडखड़ी गांव के रहने वाले थे. उनके पार्थिव शरीर को गांव तक पहुंचा दिया गया है.

जानकारी के मुताबिक झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धनंजय महतो के पार्थिव शरीर को सऊदी अरब से स्वदेश लाकर गांव तक पहुंचाने का निर्देश अधिकारियों को दिया था. जिसके बाद राज्य सरकार के अधिकारियों ने विदेश मंत्रालय के जरिये इसकी कोशिशें तेज कर दी थी. उल्लेखनीय है

कि 29 वर्षीय धनंजय महतो लार्सन एंड टुब्रो में काम करते थे. 24 मई को वहां हुई एक दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी. जिसके बाद परिजनों ने उनके पार्थिव शरीर को स्वदेश वापस लाने का आग्रह झारखंड सरकार से की थी.

अधिकारियों ने बताया कि राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा कंपनी एवं परिजनों के साथ समन्वय स्थापित कर मृतक के परिवार को मुआवजा दिया जाएगा.

झारखंड मुक्ति मोर्चा का आधिकारिक 'एक्स' हैंडल हैक, सीएम ने दिए जांच के आदेश

रांची: झारखंड में सत्ताधारी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा का आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' (पहले ट्विटर) हैक हो गया है.इस घटना की जानकारी स्वयं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने 'एक्स' हैंडल से एक पोस्ट के माध्यम से दी. उन्होंने झारखंड पुलिस को इस मामले की तुरंत जांच करने और आवश्यक कार्रवाई करने का आदेश दिया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने पोस्ट में स्पष्ट रूप से लिखा, "झामुमो का आधिकारिक X हैंडल असामाजिक तत्वों द्वारा हैक किया गया है. झारखंड पुलिस संज्ञान लेकर इस मामले की जांच करे और शीघ्र कार्रवाई करे. इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने XCorpIndia (एक्स की मूल कंपनी) से भी इस मामले में संज्ञान लेने का आग्रह किया है .

बताया जा रहा है कि झामुमो के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से शनिवार की आधी रात के करीब एक अजीब सी गिलहरी की तस्वीर साझा की गई थी, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह तस्वीर असामाजिक तत्वों द्वारा ही पोस्ट की गई होगी. इस घटना के सामने आते ही, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मामले में जांच के आदेश दिए हैं, ताकि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जा सकें.

बिहार की तरह पूरे देश में वोटर लिस्ट जांची जाएंगी: चुनाव आयोग की तैयारी पूरी

सुप्रीम कोर्ट में 28 जुलाई की सुनवाई के बाद फैसला होगा

नई दिल्ली: चुनाव आयोग बिहार के बाद अब पूरे देश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कराने जा रहा है। इसके तहत वोटर लिस्ट की गहनता से जांच की जाती है और अपडेट किया जाता है। अगस्त से इसकी शुरुआत हो सकती है। ईसी ने सभी राज्यों में अपनी चुनाव मशीनरी एक्टिव कर दी है। आयोग का ये फैसला सुप्रीम कोर्ट के 10 जुलाई को बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को जारी रखने की परमिशन पर आया। कोर्ट ने इसे संवैधानिक बताया था। हालांकि कई विपक्षी दल और लोग इस रिवीजन के खिलाफ हैं। सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी है। दावा है कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के चलते योग्य नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। चुनाव आयोग के अधिकारी के मुताबिक, इलेक्शन अथॉरिटी 28 जुलाई के बाद SIR पर अंतिम फैसला लेगी क्योंकि बिहार स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के मामले में सुप्रीम कोर्ट में दोबारा सुनवाई होनी है।

वहीं, कुछ राज्यों के चीफ इलेक्शन ऑफिसर ने अपने राज्यों में पिछली एसआईआर के बाद की पब्लिश वोटर लिस्ट जारी करना शुरू भी कर दिया है।

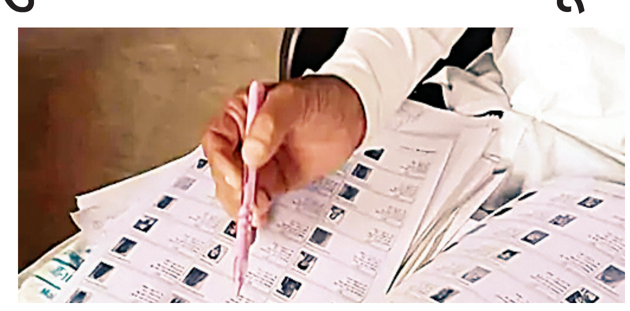

दिल्ली सीईओ वेबसाइट की 2008 की वोटर लिस्ट उपलब्ध

- दिल्ली सीईओ की वेबसाइट पर 2008 की वोटर लिस्ट उपलब्ध है, जब दिल्ली में आखिरी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन हुआ था। उत्तराखंड में आखिरी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन 2006 में हुआ था। तब की वोटर लिस्ट राज्य की सीईओ वेबसाइट पर उपलब्ध है।
- राज्यों में आखिरी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कट ऑफ तारीख के तौर पर काम करेगा, क्योंकि बिहार की 2003 की वोटर लिस्ट को चुनाव आयोग स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के लिए यूज कर रहा है। अधिकांश राज्यों में 2002 और 2004 के बीच वोटर लिस्ट में संशोधन किया गया था।

बिहार की वोटर लिस्ट में नेपाल-बांग्लादेश के लोग

बिहार में वोटर लिस्ट वैरिफिकेशन का काम जारी है। इस दौरान चुनाव आयोग के अधिकारियों का दावा है कि बिहार में बड़ी तादाद में विदेशी हैं। ईसी अफसरों ने न्यूज एजेंसी को बताया, 'हमने मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए घर-घर जाकर दौरे किए। इस दौरान हमें नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार से आए लोग बड़ी संख्या में मिले हैं।' ईसी अफसरों के मुताबिक '1 अगस्त के बाद ऐसे लोगों की जांच होगी। 30 सितंबर को पब्लिश होने वाली आखिरी मतदाता सूची में अवैध प्रवासियों के नाम शामिल नहीं किए जाएंगे।' वोटर लिस्ट वैरिफिकेशन का काम 24 जून को शुरू हुआ था और 25 जुलाई, 2025 तक गणना फॉर्म जमा करने की आखिरी तारीख है। मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का काम अंतिम चरण में पहुंच चुका है।

श्रावण मास की पहली सोमवारी पर बोल बम से गूंजा पथ, कांवरियों ने शुरू की आस्था की डगर, देवघर के लिए रवाना हुए हजारों कांवरिया

श्रावण के महीने को भगवान शिव का प्रिय मास माना जाता है। यही कारण है, कि इस महीने में महादेव की पूजा,आराधना का विशेष महत्व होता है। किंतु श्रावण के महीने में बिहार और झारखंड राज्यों में भगवान शिव की पूजा कुछ अलग ही अंदाज में की जाती है। श्रावण मास के प्रारंभ होते ही प्रत्येक वर्ष बिहार और झारखंड का पूरा क्षेत्र केसरिया वस्त्रधारी कांवरियां शिव-भक्तों की आवाजाही व बोल बम के नारों से गूंजायमान हो उठता है।

कांवरिया बिहार के सुल्तानगंज से जल लेकर 110 किलोमीटर की लंबी पैदल यात्रा तय करते हैं। सुल्तानगंज से जल लेकर नाचते-गाते बाबा बैद्यनाथ के धाम की ओर प्रस्थान करते हैं। पूरे श्रावण मास में बिहार-झारखंड सहित बंगाल, असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित

देश के अन्य भागों के अलावे पड़ोसी देश नेपाल आदि से भी प्रतिदिन हजारों की संख्या में कांवरियां शिव-भक्त बिहार के सुल्तानगंज (भागलपुर जिला) नामक स्थान में आते हैं और यहां से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल अपने कांवरों में लेकर नियम-निष्ठापूर्वक खुले पांव पैदल चलकर इसे झारखंड के देवघर स्थित वैद्यनाथ द्वादश ज्योतिर्लिंग पर अर्पित कर अपने कष्ट-व्याधियों को दूर करने तथा मनोवांछित फलों की प्राप्ति की कामना करते हैं।

वैद्यनाथधाम स्थित देवघर के ऐतिहासिक विवरण का उल्लेख शिवपुराण में है।यहां के संपूर्ण जीवन के केन्द्र विन्दु बाबा वैद्यनाथ के द्वादश ज्योतिर्लिगों में एक है।शिवपुराण में वर्णित द्वादश ज्योर्तिलिंगों में इसका वैद्यनाथ चिताभूमि के रूप में वर्णन है। यह मात्र संयोग नहीं है कि देवघर भी शिव की चिताभूमि के रूप में जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यहां माता सती का हृदय गिरा था। शिव पुराण के अनुसार यहीं पर माता के हृदय का दाह-संस्कार किया गया था। और तब बाबा बैद्यनाथ माता सती के वियोग में उसी राख में लोट-लोटकर पूरे अंग को भस्म विभूषित कर लिए थे। इसलिए भस्म का यहां विशेष महत्व है। और आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में भस्म भी दिया जाता है। मान्यता यह भी है कि इस भस्म को अपने ललाट पर लगाकर किसी भी कार्य के लिए निकले वह कार्य पूर्ण होता है। मनोवांछित फलों की प्राप्ति भस्म को अपने ललाट पर लगाने से होती है।

देवघर के तीर्थ पुरोहित के श्रीनाथ महाराज के मुताबिक सावन और भादो में तीर्थ पुरोहित अपने यजमान को हवन से प्राप्त भस्म देते हैं। भगवान शिव का यह पीठ उर्जा का उदगमस्थल है, शक्ति् का केन्द्र है। देवर्षि नारद ने हनुमान से बैद्यनाथधाम की महिमा का वर्णन करते हुए कहा है कि यही एक मात्र स्थान है जहां शिव बिना पात्र-कुपात्र, पापी पुण्यात्मा का विचार किए सबकी कामना पूर्ण करते हैं। बाबा वैद्यनाथ के प्रादुर्भाव की कथा भी कुछ कौतुहलपूर्ण और अनोखी नहीं है।

झारखंड में जिलास्तर पर तय होगी शराब दुकानों की संख्या

जेएसबीसीएल करेगा राजस्व निर्धारण

झारखंड में नयी उत्पाद नीति के तहत शराब दुकानों की संख्या जिलास्तर पर तय की जायेगी. फिलहाल, पूरे राज्य में कुल 1453 शराब दुकानें हैं. जानकारी के अनुसार, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग ने नयी उत्पाद नीति लागू करने को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है. इसके बाद जिलास्तर पर इसकी तैयारी शुरू कर दी गयी है.

कौन करेगा राजस्व निर्धारण

वहीं, दुकानों के राजस्व का निर्धारण जेएसबीसीएल द्वारा किया जायेगा. जेएसबीसीएल ने इसकी भी प्रक्रिया शुरू कर दी है. एक दुकान से मिलने वाले राजस्व के निर्धारण के बाद दुकानों के बंदोबस्ती की प्रक्रिया शुरू की जायेगी. दुकानों की बंदोबस्ती को लेकर सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है. इसकी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी. इधर, राज्य की शराब दुकानों का ऑडिट कार्य लगभग पूरा हो गया है. ऑडिट के बाद 560 दुकानों का संचालन भी शुरू हो गया है.

1 सितंबर से लागू होगी नयी उत्पाद नीति

मालूम हो कि झारखंड में 1 सितंबर से नयी उत्पाद नीति लागू की जायेगी. इस संबंध में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है. नयी उत्पाद नीति लागू होने के बाद खुदरा शराब दुकानों का संचालन निजी संचालकों द्वारा किया जायेगा. जल्द ही जिलास्तर पर दुकानों की लिस्ट जारी की जायेगी. इसके साथ ही जिलों द्वारा राजस्व को लेकर भी आंकड़ा जारी किया जायेगा.

संक्षिप्त खबरें...

शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी लेने दिल्ली पहुंचे सांसद मनीष जायसवाल

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने दिल्ली में सर गंगा राम हॉस्पिटल पहुंचकर दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य का हालचाल जाना। विगत कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे गुरुजी का कुशलक्षेम जानने के लिए सांसद जायसवाल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की।सांसद मनीष जायसवाल ईश्वर से प्रार्थना भी किया कि गुरुजी शीघ्र ही पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर हम सबके बीच लौटें ।

बरकट्ठा थाना पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफतार

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)।समकालीन अभियान चलाकर बरकट्ठा थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफतार किया है।पुलिस ने शनिवार 12 जुलाई की रात अभियान चलाकर डुमरी थाना कांड संख्या 32/11, एसटी नंबर 330/19 के वारंटी ग्राम कपका निवासी रामेश्वर महतो पिता छटु महतो तथा सी 3344/22 के वारंटी ग्राम किमानिया निवासी नारायण रविदास पिता भुनेश्वर रविदास को गिरफ्तार किया।पुलिस ने गिरफ्तार दोनों आरोपियों को संबंधित न्यायालय में उपस्थान हेतु भेजा गया है।

अंबा टोला में नए ट्रांसफार्मर का हुआ उद्घाटन

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।आंगो पंचायत स्थित सुदूर ग्रामीण क्षेत्र अंबा टोला में पिछले एक माह से बिजली ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण गांव में अंधेरा था। जिसे देखते हुए उरेज गांव निवासी आजसू नेता कोलेश्वर गंझु के पहल एवं विधायक रोशन लाल चौधरी के प्रयास से बिजली विभाग के द्वारा 100 केवीए का नया बिजली ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया। जिसका उद्घाटन रविवार को आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य कोलेश्वर गंझु ने फीता काटकर । तथा गांव में बिजली बहाल कराई गई । उद्घाटन मौके पर मुखिया प्रतिनिधि महेंद्र मांझी, हेमंत , अबरार हुसैन, अबरार हुसैन, राज मुंडा, शिबू महतो, जगदेव मुंडा, हसदा दर्जनों लोग उपस्थित थे।

उपायुक्त ने की कस्तूरबा विद्यालय, समग्र शिक्षा अभियान एवं मध्याह्न भोजन योजना की समीक्षा

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग जिले में संचालित शैक्षणिक योजनाओं की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, समग्र शिक्षा अभियान एवं पीएम पोषण योजना की गहन समीक्षा की गई।बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि छात्राओं की शैक्षणिक गुणवत्ता, नामांकन, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं में सुधार को प्राथमिकता दी जाए एवं सभी योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने की बात कही।

कुआं में डूबने से विवाहिता की हुई मौत

हज़ारीबाग। हजारीबाग जिला अंतर्गत चौपारण प्रखंड के ग्राम मानगढ़ में कुएं में डूबने से रूबी देवी 22 वर्ष पति मोहन यादव की मौत हो गयी।रविवार को प्रत्येक दिन की तरह घरेलू कार्य के लिए रूबी देवी कुआं पर पानी लाने गयी थी।इसी बीच उसका पैर फिसल गया और वह नीचे डूब गई।जब तक लोगों को इसकी जानकारी होने पर पहुंचते तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।बड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने मृतक के शव को कुआं से बाहर निकला। मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस मानगढ़ गांव पहुंची।रूबी देवी दो बच्चे की मां है।मृतका का मायके परोरिया चतरा बताया जा रहा है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पांकी के डंडार कला गांव में हाई वोल्टेज तार पर चढ़ने से दो बंदरों की मौत

पलामू: पलामू के पांकी प्रखंड के डंडार कला गांव में शनिवार को बंदरों का एक झुंड बिजली तार की चपेट में आ गया. इस दुर्घटना में दो बंदरों की मौत हो गई. बंदर 11 हजार वोल्ट की हाई टेंशन विद्युत तार पर चढ़ गए थे, जिस वजह से यह दुर्घटना हुई. जानकारी के मुताबिक तार में अत्यधिक करंट प्रवाहित हो रहा था, जिसके कारण दोनों बंदरों की मौके पर ही झुलसकर मौत हो गई. घटना के तुरंत बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग को सूचना देकर लाइन कटवाई. ग्रामीणों ने बताया कि यह कोई पहली घटना नहीं है. पहले भी कई पक्षी और जानवर हाई वोल्टेज तार की चपेट में आकर जान गंवा चुके हैं. इस घटना के बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग से मांग की है कि हाई टेंशन तारों को गांव की आबादी से हटाया जाए या तारों पर सुरक्षा कवच लगाया जाए ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके. यह हादसा न सिर्फ वन्यजीवों के लिए खतरा है, बल्कि ग्रामीणों के लिए भी जानलेवा साबित हो सकता है. ग्रामीणों ने विभाग से जल्द कार्रवाई की मांग की है.

रसोइयां दीदीयों को दिया गया पीएम पोषण योजना पर प्रशिक्षण

दुमकाः मसलिया प्रखंड अंतर्गत संकुल संसाधन केंद्र पिंडारी में रविवार को प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत रसोइयां दीदीयों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण संकुल संसाधन सेवी किशोर कुमार दे ने दिया।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य रसोइयां दीदीयों को स्वच्छता, गुणवत्तापूर्ण भोजन निर्माण, पोषण तत्वों की जानकारी,झ मीनू तालिका का पालन, पोषण वाटिका की आवश्यकता और इको क्लब की गतिविधियों से अवगत कराना था। प्रशिक्षण में बताया गया कि बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है, ताकि बच्चों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़े।

सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने चुटियारो पंचायत के सरौनी में लगाया चौपाल

समस्याएं सुन कार्रवाई का दिया भरोसा

संवाददाता सहबाज़ खान

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने रविवार को सदर प्रखंड के चुटियारो पंचायत अंतर्गत सरौनी गांव का दौरा कर ग्रामीणों के बीच चौपाल का आयोजन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए और अपनी समस्याओं को खुलकर रखा।चौपाल में सबसे बड़ी समस्या गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाले केसुरा से सरौनी तक के जर्जर सड़क और जलजमाव की रही। ग्रामीणों ने बताया की सड़क पर गड्ढे व कीचड़ के कारण आवागमन में भारी तकलीफ होती है, विशेषकर बरसात के मौसम में स्थिति और भी बदतर हो जाती है।विद्यार्थियों, मरीजों और किसानों को आवागमन में भारी दिक्कत होता है विधायक प्रदीप प्रसाद ने ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही संबंधित विभागीय पदाधिकारी से दूरभाष पर बात कर समस्या से अवगत कराया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया की प्राथमिकता के आधार पर सड़क मरम्मत, जल निकासी और स्थायी समाधान की दिशा में तुरंत कार्य प्रारंभ किया जाए। विधायक ने कहा कि जनता की समस्या का समाधान उनकी पहली प्राथमिकता है विधायक ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया की विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा की क्षेत्र में जो भी अधूरे कार्य हैं, उन्हें पूरा करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष रामचन्द्र कुशवाहा, भाजपा नेता एवं पूर्व जिप सदस्य कौलेश्वर रजक, रामअवतार शर्मा, बिरजू रवि, मुखिया प्रतिनिधि सुरेश रजक, पंचायत समिति सदस्य सतीश दास, प्रभु राम, सोनेलाल ठाकुर, अर्जून केसरी, शंकर सिन्हा, उपेन्द्र सिन्हा, अर्जुन रविदास, विपिन सिंह, प्रेम कुमार, सुबाश कुमार, मनोज यादव, सुरेश कुशवाहा, अमृत पासवान, राजू प्रसाद समेत पंचायत के कई जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब किया जब्त

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। हज़ारीबाग जिले के प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चुगलामो से बरकट्ठा पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब जब्त किया है। बरकट्ठा थाना प्रभारी गौतम उरांव ने शनिवार 12 जुलाई की शाम को मिली सूचना पर कार्रवाई किया। पुलिस ने ग्राम चुगलामो निवासी भोला प्रसाद पिता श्याम सुंदर चौधरी के चाउमीन सेंटर एवं उसके सटे घर में छापामारी किया। पुलिस ने छापामारी के क्रम में चाउमीन सेंटर से STERLING RESERVE B7 375 एमएल का 20 पीस अंग्रेजी शराब, ROYAL STAG 375 एमएल का 05 पीस अंग्रेजी शराब तथा BAD MONKEY बोतल बियर 650 एमएल का 12 पीस तथा भोला प्रसाद के घर से BAD MONKEY बोतल बियर 650 एमएल का 11 पेटी बियर प्रत्येक पेटी में 12-12 पीस बियर को बरामद किया गया है।जिसे पुलिस ने जप्त कर अपने साथ थाना लाया है।इस बाबत बरकट्ठा थाना में कांड संख्या 74/25 धारा 274, 275, 292 बीएनएस एवं 47(ए) उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है।पुलिस के द्वारा छापामारी की भनक लगते ही कारोबारी भागने में सफल हो गया।

सभी विद्यालयों के शिक्षक ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाए- बीईईओ

देवगढ़ विद्यालय में एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव प्रखंड में मां के नाम एक पेड़ लगाने कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। प्रखंड के 125 विद्यालयों में लगभग 17000 बच्चों के द्वारा मां के नाम एक पेड़ लगाया जाएगा।इस बाबत प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी जवाहर प्रसाद ने सभी विद्यालयों को विशेष रूप से कार्यक्रम चलाने को कहा है। ताकि पर्यावरण की संरक्षण को मजबूती मिल सके। कार्यक्रम का शुभारंभ आंगो पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय देवगढ़ में एक पेड़ मां के नाम का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक उमेश कुमार महतो एवं संचालन सहायक अध्यापक शमशेर आलम के द्वारा किया गया। जिसमें शिक्षको एवं बच्चों के द्वारा पौधे लगाए गए। बताते चले की विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान की शुरुआत कि इसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है।इस अभियान के तहत स्कूलों को 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य मिला है। बड़कागांव प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी जवाहर प्रसाद ने प्रखंड के शिक्षकों से कहा कि अपने-अपने विद्यालय के पोषक क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाए और उन्हें सुरक्षित करें।प्रखंड के कई विद्यालयों में चाहरदीवारी हो गई है।वैसे विद्यालय इस पर और विशेष ध्यान देकर पौधे लगाएं।देवगढ़ स्कूल में पौध रोपण के मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से विद्यालय के प्रधानाध्यापक उमेश कुमार महतो , सहायक अध्यापक शमशेर आलम , कर्पूरी ठाकुर , अरविंद सिंह , सुधू गंझू , सुधीर मिंज , बिनेश्वर प्रसाद विनायक के साथ-साथ विद्यालय के तमाम रसोईया एवं छात्र/छात्राएं शामिल थे।

बरकट्ठा बाजार रोड़ की स्थिति बद से बद्तर , लोगों में आक्रोश

चलकुशा व जयनगर प्रखंड को जोड़ती है ये मुख्य सड़क

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड मुख्यालय की आधी से ज्यादा आबादी वाले इलाकों और चलकुशा व जयनगर प्रखंड को जोड़ने वाली मुख्य सड़क बरकट्ठा बाजार रोड़ की स्थिति नारकीय हो गई है। बरकट्ठा की लाइफ लाइन कहे जाने वाली सड़क की स्थिति आज बद से बद्तर हो चुकी है। जिसपर जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारियों की उदासीनता लोगों के लिए परेशानी की सबब बन कर रह गई है। जानकारी हो कि बरकट्ठा बाजार रोड़ में काली मंदिर के समीप भीड़भाड़ वाले स्थान पर जर्जर सड़क पर बने गढ्ढे में जलजमाव व कीचड़ से लोगों का जीना दुश्वार हो गया है।उक्त मार्ग से प्रतिदिन हजारों की संख्या में छोटी बड़ी वाहनों का आवागमन होता है। जिसमें आए दिन तीन पहिया यात्री गाड़ी और मोटर साइकिल सवार अनियंत्रित होकर गिर जाते हैं।जानलेवा हो चुकी गढ्ढे में जलजमाव वाले स्थान पर अब तक दर्जनों लोग गिरकर गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं।स्थानीय दुकानदार सुनील कुमार मोदी, बिट्टू मोदी, मोनू मंडल ने बताया कि गढ्ढे नुमा स्थान पर जलजमाव व कीचड़ से काफी बदबू आने लगी है।जिससे बरसात के समय यहां से गुजरने वाले लोगों को हो रही फजीहत के साथ साथ स्थानीय लोगों में बीमारी फैलने की संभावना है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस जगह से बरकट्ठा विधायक, प्रखंड प्रमुख,उपप्रमुख,मुखिया गण,बीस सूत्री अध्यक्ष,प्रखंड के पदाधिकारियों का प्रतिदिन आना जाना होता है बावजूद इस ओर किसी ने अबतक कोई ध्यान नहीं दिया है। जिससे स्थानीय दुकानदारों के साथ साथ दूर दराज से बरकट्ठा आने वाले लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त है।

चक्रधरपुर में मोबाइल दुकान में सेंधमारी

छत काटकर चोरों ने उड़ाए ढाई लाख के मोबाइल

चक्रधरपुर : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर शहर में एक बार फिर चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। शहर के एनएच 75ई मुख्य सड़क किनारे स्थित एक मोबाइल दुकान को चोरों ने निशाना बनाते हुए करीब ढाई लाख रुपए मूल्य के मोबाइल फोन चुरा लिए हैं। यह घटना बीती रात की बताई जा रही है।

छत काट कर दुकान में घुसा चोर

चोरों ने पलक सलूजा की दुकान की छत का काटकर अंदर प्रवेश किया। वारदात को अंजाम देने से पहले चोरों ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे के तार काट दिए, ताकि उनकी पहचान न हो सके। हालांकि, दुकान के बाहर लगे कैमरे ने पूरी घटना को कैद कर लिया है। फुटेज में चोरों की गतिविधियों को साफ तौर पर देखा जा सकता है।

ढाई लाख के 10 मोबाइल ले गए चोर

जानकारी के अनुसार, चोरों ने दुकान से डमी मोबाइल फोन को बाहर फेंक दिया और असली 8 से 10 महंगे स्मार्टफोन लेकर फरार हो गए। अनुमान है कि चोरी गए मोबाइल की कीमत करीब ढाई लाख रुपए के आसपास है।

घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी अवधेश कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू कर दी है। दुकान के मालिक और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगालने शुरू कर दिए हैं।

इसी तरह ज्वैलरी दुकान में हुई थी चोरी

चक्रधरपुर में यह कोई पहली वारदात नहीं है। कुछ ही दिन पहले गुदड़ी बाजार स्थित एक सोने-चांदी की दुकान में भी इसी तरह की चोरी की गई थी। उस मामले में भी चोरों ने दुकान की छत का छत काटकर अंदर प्रवेश किया था और जेवरात चुराए थे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उस मामले में एक नाबालिग सहित दो महिला चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बड़कागांव दैनिक बाजार में कचरे का अंबार, बदबू से लोग है परेशान

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।बड़कागांव दैनिक बाजार में चैती दुर्गा मंदिर के पीछे हरिजन मोहल्ला गली में बाजार के ठीक सामने पिछले 10 दिनों से सड़े गले सब्जियों के कचरे का ढेर पड़ा है, जो बदबू मार रहा है, जिसकी बदबू से आसपास के सब्जी विक्रेता, दुकानदार एवं आने जाने वाले राहगीर परेशान है. ज्ञात हो की दैनिक बाजार बड़कागांव में बाजार की साफ-सफाई का जिम्मा सुरेंद्र महतो को दिया गया है ,जिसे दैनिक बाजार में सफाई के बदले सभी विक्रेता से मासुल के रूप में वसूली करने की इजाजत बाजर कमेटी के द्वारा दी गई है l परंतु सब्जी विक्रेताओं का शिकायत है कि सुरेंद्र महतो दैनिक बाजार की साफ-सफाई ठीक से नहीं करते हैं , उन्हें कई बार कहा गया कि यह कचरा उठाइए लेकिन वो नहीं उठा रहे हैं। जिससे कचरा का ढेर बढ़ता जा रहा है और बदबू मार रहा है l सब्जी विक्रेताओ ने बाजार कमेटी से आग्रह किया कि कचरे को जल्द साफ कराया जाए.

दिहाड़ी के बाद पगार मिली तो नोट पर लिखा था 'मनोरंजन बैंक आफ इंडिया'

खूंटीः मजदूरी करने के बाद मेहनताना मिलना किसी भी मजदूर के लिए सबसे सुखद क्षण होता है, लेकिन जब वही मेहनताना नकली निकले, वह भी 'मनोरंजन बैंक ऑफ इंडिया' के नाम से, तो यह न सिर्फ धोखा होता है, बल्कि मेहनतकश लोगों के आत्मसम्मान के साथ भी खिलवाड़ है.

ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला झारखंड की राजधानी रांची से करीब 25 किलोमीटर दूर खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड क्षेत्र के ऐरमेरे गांव से सामने आया है, जहां मजदूरों को उनके काम के बदले नकली नोट दिए गए। इन नोटों पर "मनोरंजन बैंक ऑफ इंडिया" और "लॉट्स ऑफ फन" जैसे शब्द लिखे हुए थे.

ग्राम प्रधान का आरोप

ग्राम प्रधान बेर्नाड आइंड ने आरोप लगाया है कि वन विभाग की ओर से गांव में 25,000 पौधे लगाने का कार्य चल रहा है, जिसके लिए मजदूरों को गड्ढे खोदने का काम दिया गया था. मजदूरी के भुगतान के लिए वन विभाग के गार्ड राहुल महतो ने रविवार की शाम नकली नोटों का एक बंडल ग्राम प्रधान को थमा दिया और मजदूरों में बांटने को कहा.

चेपाखुर्द में विस्थापित ग्रामीणों की हुई बैठक

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव उत्क्रमित मध्य विद्यालय चेपाखुर्द में समस्त ग्रामीण एकजुट होकर एक बैठक किया जिसका अध्यक्षता इलियास अंसारी संचालन दिनेश महतो ने किया. चेपाखुर्द को सभी ग्रामीणों को एक स्थान पर विस्थापित करने हेतु सभी ग्रामीणों द्वारा सर्व समिति द्वारा निर्णय लिया गया की उपयुक्त हजारीबाग ,महाप्रबंधक एनटीपीसी को एक आवेदन दिया जाएगा जिससे चेपाखुर्द में रहने वालों ग्रामीणों को उनके पूर्णवास से संबंधित विषयों को बताया जाएगा. एनटीपीसी एवं उनके सहयोगी कंपनियों द्वारा बिना ग्रामीणों के सहमति के उत्खनन करने में भारी विस्फोट के कारण मंदिर, मस्जिद एवं मंडप, इमामबाड़ा एवं घरों में दरार पड़ जा रहा है. जिससे भविष्य में जान माल का काफी नुकसान होगा. एनटीपीसी द्वारा अधिकृत जमीन जो प्रखंड कटकमदाग ग्राम ढेंगुरा हजारीबाग में स्थित है वहां चेपाखुर्द को पुनर्वास किया जाए बैठक में मुख्य रूप से चेतलाल महतो, सहादेव यादव, नवलेश यादव, मोहम्मद सद्दाम, मोहम्मद आजाद ,मोहम्मद बशीर, जगदीश महतो, भीखन यादव, सुरेश करमाली, तुलसी यादव, मोहम्मद बशीर, अंसारी मोहम्मद, मोहम्मद आजाद आलम ,युगेश्वर साव, महेंद्र राम, झमन यादव, रणधीर साव,प्रेम साव,सुरेन्द्र राम,अजय यादव सुधीर साव,मोहम्मद सज्जाद,मुर्शीद आलम राजकिशोर यादव मोहम्मद दिलजान एंव सैकड़ों ग्रामीण लोग उपस्थित थे.

शराब के नशे में दोस्तों ने ही युवक को चट्टान से फेंका, गंभीर रूप से घायल

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : शराब के नशे में धुत चार दोस्तों ने मिलकर अपने ही एक दोस्त को चट्टान से नीचे फेंक दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान पांडेपुर -निमीटांडी गांव निवासी हजरत अंसारी के पुत्र मकबूल अंसारी (26) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मकबूल अपने चार दोस्तों के साथ रविवार को पार्टी मनाने के लिये रेहला थाना क्षेत्र के भोलाटांड़ गांव नदी किनारे गया। जहां एक ऊंचे चट्टान पर बैठकर सभी ने जमकर शराब पी। इसी दौरान किसी बात को लेकर मकबूल अंसारी से चारों का विवाद हो गया। गुस्से व शराब के नशे में चारों ने मिलकर मकबूल को चट्टान से नीचे फेंक दिया। जिससे मकबूल घायल हो गया। घायल मकबूल को चारों नीचे आकर भी पीटने लगे। शोरगुल सुनकर स्थानीय लोग जमा हुये और घटना की सूचना रेहला पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और घायल मकबूल को विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया। जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने आरोपी चारों दोस्तों को भी हिरासत में ले लिया है। जिसमें पांडेपुर -निमीटांडी गांव का आनंद शर्मा व गुलाम हुसैन का नाम शामिल है।

कुत्ते के बच्चे को बचाया, खुद नाले में फंसा बुजुर्ग, 3 घंटे बाद निकाला

गिरिडीहः गिरिडीह के आजाद नगर में एक बुजुर्ग व्यक्ति रोहित तुरी ने कुत्ते के बच्चे को बचाने के लिए नाले में उतरकर मानवता की मिसाल पेश की। कुत्ते के बच्चे की चीख सुनकर रोहित तुरी नाले में उतर गए। उन्होंने कुत्ते के बच्चे को सफलतापूर्वक बाहर निकाल दिया। लेकिन बच्चे को बचाने के दौरान रोहित खुद नाले में बने स्लैब में फंस गए। उनका आधा शरीर नाले में और आधा बाहर था। स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। सब्बल और अन्य उपकरणों से बचाने का प्रयास किया गया। आखिरकार ड्रिल मशीन से स्लैब को काटना पड़ा। करीब तीन घंटे की मेहनत के बाद रोहित को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस घटना ने शहर में चर्चा का विषय बन गई है।

संक्षिप्त खबरें

होटल आदित्य में सावन ग्लोरी का धमाल

संवाददाता रांची: सावन महीने की रिमझिम फुहारों के साथ जब माहौल में हरियाली और उल्लास घुलने लगता है, तो महिलाओं के बीच इसका उत्साह दोगुना हो जाता है। इसी भाव को संजोते हुए राजधानी रांची में इस बार एक खास आयोजन होने जा रहा है। स्टोरी लाइन इंडिया और आर्टिस्टिक एलायंस के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 13 जुलाई को बरियातू स्थित होटल आदित्य में "सावन मिलन महोत्सव" आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए मौज-मस्ती, नाच-गाना, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, गेम्स और लंच की भी विशेष व्यवस्था भी की गई है। आयोजन को लेकर आयोजकों ने बताया कि यह एक ऐसा मंच था, जहां सैकड़ों महिलाओं ने अपनी दिनचर्या और जिम्मेदारियों से अलग कुछ पल सिर्फ खुद के लिए जिया। स्टोरी लाइन इंडिया की फाउंडर साधना कुमार ने कहा कि हमारा उद्देश्य यही है कि महिलाएं खुद के लिए जीना सीखें, सावन के इस खूबसूरत मौके को खुलकर सेलिब्रेट करें। उन्होंने यह भी बताया कि कार्यक्रम के दौरान सावन ग्लोरी अवार्ड के माध्यम से प्रतिभागियों को सम्मानित गया। वहीं, आर्टिस्टिक एलायंस की संस्थापक स्वपना चटर्जी ने कहा, "जैसे मोर बरसात में अपने पंख फैलाकर नाचने लगता है, वैसे ही महिलाएं भी थोड़े से मौके में पूरी दुनिया को जी लेना चाहती हैं। इस कार्यक्रम के जरिए हम सबको एक ऐसा मंच देंगे, जहां वे पूरी आज़ादी से खुशियां मना सकें। इस अवसर पर मुख्य रूप से समाजिक कार्यकर्ता आशुतोष द्विवेद्वी, अवधेश ठाकुर, वसीम आलम, साबिर हसन , कुमार साहब, सिंधु बाला, आदित्य कुमार, आशीष रौशन आदि उपस्थित थे।

बीसीआई टाइटेनियम की बैठक में एक माह के व्यवसाय की हुई समीक्षा

संवाददाता रांची: बिजनेस क्रिएशन ऑफ इंडिया (बीसीआइ) टाइटेनियम रांची की बैठक रविवार को स्थानीय होटल में हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए बीसीआइ प्लेटिनम के अध्यक्ष हिमानी गुप्ता ने कहा कि बीसीआई टाइटेनियम के सदस्यों ने बीते महीने उल्लेखनीय व्यापारिक लेन-देन किए गए। इसके माध्यम से आपसी सहयोग और विश्वास को मजबूती मिली है। कई सदस्यों ने यह भी बताया कि बीसीआई मंच के कारण उन्हें नए क्लाइंट्स और बिजनेस लीड्स प्राप्त हुए हैं। बैठक में सभी सदस्यों ने पिछले एक माह के व्यापारिक प्रदर्शन की समीक्षा प्रस्तुत की और व्यापार बढ़ाने को लेकर अनुभव साझा किए। मेंटर किशोर मंत्री ने कहा कि एक दूसरे का व्यापार को आगे बढ़ाने में बीसीआइ टाइटेनियम के सदस्य मेहनत कर रहे हैं। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से सभी सदस्यों का कारोबार में ग्रोथ नजर आ रहा है। ऐसे ही एक दूसरे का सहयोग करेंगे, तो अपने व्यापार एवं संस्था का उंचाई पर ले जा सकते हैं। मिलने जुलने से ही व्यापार को बढ़ावा मिलता है। ऑफलाइन बिजनेस को बढ़ावा मिल रहा है। कंज्यूमर इसका लाभ उठा रहे हैं। इस अवसर पर निदेशक धीरज ग्रोवर, रमेश कुमार, अजय कुमार, बीसीआइ टाइटेनिमय की उपाध्यक्ष डॉ शिप्रा साह, सचिव अनूज अग्रवाल, अजय अग्रवाल, रीता पाठक, शिल्पा केजरीवाल, सुबोध कुमार, प्रियंका शास्त्री, निधि सिंघानिया समेत अन्य सदस्य मौजूद थे।

सूफी पंचायत में निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

संवाददाता रांची: समाजिक संस्था सूफी पंचायत अंतर्गत रविवार को इदरीसीय तंजीम उर्दू मध्य विद्यालय हिंदपीढ़ी रांची में पंचायत के अध्यक्ष मनव्वर हुसैन भुट्टू, सचिव अनवर हुसैन, वार्ड 23 के के पार्षद उम्मीदवार खालिद उमर, साजिद उमर के सहयोग से निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रांची के सुप्रसिद्ध जनरल फिजिशियन डॉक्टर सैयद इकबाल हुसैन, डेंटल विशेषज्ञ डॉक्टर आसिफ इकबाल द्वारा निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं निशुल्क दवाई का वितरण किया गया। वहीं डा. सैयद इकबाल हुसैन ने कहा कि इस तरह का शिविर हर महीने अलग अलग जगहों पर लगाकर गरीबों का उत्थान करना है। डॉक्टर सैयद इकबाल हुसैन द्वारा संचालित इन्वेस्टीगेशन हाउस ऑफ पैथोलॉजी(सिकंड स्ट्रीट हिंदपीढ़ी रांची) में हर तरह के जांच पर बीस से चालीस प्रतिशत की छूट है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की जरूरत है। आज के शिविर में लगभग सैकड़ों से ज्यादा लोगों का जांच कर दवाई दी गयी। शिविर में बीपी, शुगर, ईएसआर, हिमोग्लोबिन, इसी एंड डीसी आदि जांच निशुल्क किया गया। डॉक्टर सैयद इकबाल ने कहा कि ज्यादातर मरीज सीजनल ही हैं। वहीं सूफी पंचायत के ओहदेदारों ने बताया कि हमारा पंचायत के द्वारा बीच बीच में सामाजिक कार्य हेतु कभी मेडिकल कैंप, सफाई कैंप, सामाजिक जागरूकता कैंप, वोटर जागरूकता कैंप करती आ रही हैं।

श्री श्री विश्वविद्यालय में विशेष कार्यक्रम

43 शैक्षणिक संस्थानों के 170 छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने लिया भाग

संवाददाता रांची: ओडिशा के कटक स्थित श्री श्री विश्वविद्यालय द्वारा प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने और जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक अभिनव पहल की गई। विश्वविद्यालय के रोवर एवं रेंजर यूनिट द्वारा ओडिशा स्टेट भारत स्काउट्स एंड गाइड्स तथा सात्त्विक सोल फाउंडेशन, भुवनेश्वर के सहयोग से शुक्रवार को एक सेमिनार सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में राज्य के 43 शैक्षणिक संस्थानों से आए 170 से अधिक छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम युवाओं, शिक्षाविदों और पर्यावरण प्रेमियों को एक मंच पर लाकर पर्यावरण अनुकूल सोच और कार्यवाही को प्रेरित करने का माध्यम बना। इसका मुख्य उद्देश्य था - समाज से प्लास्टिक प्रदूषण को कम कर एक सुंदर और प्राकृतिक पृथ्वी का निर्माण करना।

दिवसव्यापी इस कार्यक्रम का उद्घाटन ओडिशा राज्य भारत स्काउट्स और गाइड्स की संयुक्त राज्य सचिव (प्रशासन एवं प्रशिक्षण) एवं राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती अनामिका दास ने किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में युवाओं और शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) की प्राप्ति के लिए इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। 'द क्लाइमेट मैन ऑफ ओडिशा' तथा सात्त्विक सोल फाउंडेशन के निदेशक श्री सत्यव्रत सामल ने यह बताया किस प्रकार सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग को रोका जा सकता है और छात्र किस तरह इस आंदोलन का नेतृत्व कर सकते हैं। श्री श्री विश्वविद्यालय के कार्मिक निदेशक स्वामी सत्यचैतन्य जी ने माइक्रोप्लास्टिक के स्वास्थ्य और पर्यावरणीय प्रभाव पर जागरूकता फैलाते हुए महत्वपूर्ण तथ्यों को सामने रखा। छात्र कल्याण विभाग के डीन प्रो. जयप्रकाश भट्ट ने प्लास्टिक के दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रभाव पर प्रकाश डाला। कृषि संकाय के सहायक प्राध्यापक एवं रोवर स्काउट लीडर डॉ. संदीप राउत ने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में युवाओं की SDGs में भागीदारी को रेखांकित किया। नर्सिंग संकाय की डीन प्रो. जइता मंडल ने प्लास्टिक प्रदूषण के स्वास्थ्य पर प्रभाव को उदाहरणों सहित सरल और प्रभावशाली ढंग से समझाया।

समापन सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया, साथ ही राज्य पुरस्कार प्राप्त रोवर-रेंजर सदस्यों को प्रशस्ति-पत्र दिए गए और आयोजन समिति के सदस्यों को आभार स्वरूप सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में डॉ. लोपामुद्रा जेना, डॉ. कल्याणी प्रधान, डॉ. चिन्मयी महापात्र, डॉ. आर्यगौतम पंडा, डॉ. बुलबुल बबलिना, डॉ. उदित मिश्रा, डॉ. देबांजना साहा, कौशिक और सचिदानंद प्रमुख थे ।

रेंजर लीडर सुमन सरिता महापात्र ने आभार ज्ञापन करते हुए सभी प्रतिभागियों, सहयोगियों और आयोजकों को धन्यवाद दिया। 170 से अधिक प्रतिभागियों की यह सामूहिक सहभागिता एक प्लास्टिक-मुक्त और हरित पृथ्वी की दिशा में एक सशक्त कदम सिद्ध हुई। अंततः, श्री श्री विश्वविद्यालय के रोवर और रेंजर यूनिट की ओर से सभी प्रतिभागियों को फलदार पौधे के बीज और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

भारतीय तटरक्षक बल में करियर अवसरों के लिए 14 जुलाई को रांची में चार जगहों पर होगा कार्यक्रम : सेठ

रांची: केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रांची के चार जगहों पर 14 जुलाई को भारतीय तटरक्षक बल में करियर अवसरों के लिए कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

मंत्री सेठ ने रविवार को यहां एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह आह्वान है कि देश के अधिक से अधिक युवा देश की सुरक्षा में अपनी भागीदारी निभाएं। इस परिप्रेक्ष्य में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मार्गदर्शन में रक्षा मंत्रालय देश के विभिन्न हिस्सों में जागरूकता अभियान चला रहा है। इसी उद्देश्य से रांची में भारतीय तटरक्षक बल के जरिये एक ऐसे अभियान की शुरुआत की जा रही है, जो पहले कभी नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि 14 जुलाई को रामटहल चौधरी विद्यालय ओरमांझी में 10:00 बजे ,एसएस मेमोरियल कॉलेज कांके 12:00 बजे, लाला लाजपत राय स्कूल पुनदाग 1:00 बजे, गोसनर कॉलेज क्लब रोड में 2:00, बजे से संगोष्ठी आयोजित की गई है 1 उन्होंने बताया कि भारतीय तटरक्षक बल की ओर से देश के युवा विद्यार्थियों को आकर्षित करने के लिए एक जागरूकता एवं भर्ती अभियान चलाया जा रहा है, जो रांची के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित किया जाएगा। यह अभियान रांची में पहली बार शुरू हुआ है, जो 20 जुलाई, 2025 तक आयोजित होगा। यह बल रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

उन्होंने कहा कि यह बल भारत के समुद्री हितों की रक्षा, समुद्री कानूनों का प्रवर्तन, तटीय सुरक्षा, खोज एवं बचाव कार्य, समुद्री पर्यावरण का संरक्षण करता है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच भारतीय तटरक्षक बल को एक आकर्षक करियर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना है।

जियो-बीपी ने मनाया पांचवां स्थापना दिवस

संवाददाता रांची: जियो-बीपी ने पांचवां स्थापना दिवस रांची के स्थानीय होटल में अपने ग्राहकों के संग मनाया। कार्यक्रम में परिवहन और व्यावसायिक समुदाय से जुड़े अनेक प्रतिष्ठित ग्राहक शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य जियो-बीपी के फ्लीट मैनेजमेंट प्रोग्राम की सफलता और विकास को साझा करना था, जिससे अब तक 2.5 लाख से अधिक ग्राहक और देशभर में 13 लाख से अधिक ट्रक लाभान्वित हो चुके हैं। यह केवल ईंधन खरीदने का माध्यम नहीं, बल्कि पूरी फ्लीट को स्मार्ट तरीके से प्रबंधित करने वाला एक व्यापक प्लेटफ़ॉर्म है। इस प्रोग्राम के तहत ग्राहकों को जियो-बीपी की एक्टिव टेक्नोलॉजी प्रीमियम डीजल पर बाजार दरों पर 2.10 प्रति लीटर तक की छूट भी मिलती है। इस अवसर पर जियो-बीपी के झारखंड स्टेट हेड सुरजीत आचार्य ने जियो-बीपी के देशभर में संचालित अपने 2,067 मोबिलिटी स्टेशनों की उपलब्धि साझा की। उन्होंने कहा कि पूरे झारखंड में जियो-बीपी के 55 पेट्रोल पंप है। अलगे तीन वर्षों में जियो-बीपी के नेटवर्क को बढ़ाते हुए 120 से अधिक मोबिलिटी स्टेशन खोले जायेंगे। ग्राहकों को रिलायंस ट्रांसकनेक्ट प्रोग्राम में शामिल होने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर झारखंड चैंबर के पूर्व अध्यक्ष किशोर मंत्री, झारखंड बस एसोसिएशन के अध्यक्ष सच्चिदानंद सिंह, सुशील केडिया, सुशांत सिंह, अरूण बुधिया, जियो-बीपी के सीनियर मैनेजर पीयूष रवि, सेल्स एवं ऑपरेशंस मैनेजर नितिन गुप्ता, विनय सिंह समेत अन्य लोग मौजूद थे।

सेवा, सुरक्षा और संस्कार दुर्गावाहिनी का है मुख्य आधारः डॉ. शोभा

रांची: विश्व हिंदू परिषद महिला इकाई की क्षेत्रीय मातृशक्ति प्रमुख डॉ. शोभा रानी दीदी ने कहा कि सेवा, सुरक्षा और संस्कार दुर्गावाहिनी का मुख्य आधार है। डॉ. शोभा रांची के एयरपोर्ट रोड स्थित एक होटल में विश्व हिंदू परिषद महिला इकाई की एक दिवसीय प्रांत स्तरीय वार्षिक बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि सेवा,सुरक्षा और संस्कार दूर्गावाहिनी का मुख्य आधार है। उन्होंने कहा कि दुर्गा वाहिनी एवं मातृशक्ति की धर्म को बचाकर सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका हैं। संगठन की स्थापना निराशा जनक परिस्थियों में हुई थी। स्थापना का मुख्य उद्देश्य धर्म एवं संस्कृति की रक्षा,मठ मंदिरों की रक्षा करना। उन्होंने कहां कि श्रीराम मंदिर स्थापना के समय मातृ शक्ति एवं दुर्गा वाहिनी बहनों की भूमिका को देखते हुए साध्वी ऋतंभरा दीदी को संयोजिका बनाया गया था।

रेल प्रशासन द्वारा बाबा धाम यात्रा पर विशेष अलर्ट, श्रद्धालुओं की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

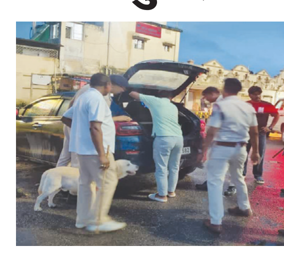

रांची: सावन का पवित्र महीना शुरू हो चुका है और देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है. हर साल की तरह इस बार भी देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों श्रद्धालु जल लेकर बाबा की नगरी पहुंच रहे हैं. इस धार्मिक उत्सव को देखते हुए केंद्र सरकार और रेलवे मंत्रालय ने सुरक्षा के मद्देनजर विशेष अलर्ट जारी किया है. खासकर रेलमार्ग से देवघर आने वाले यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए रेलवे प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं.

रेलवे सुरक्षा बल सतर्क, चप्पे-चप्पे पर निगरानी

दक्षिण-पूर्व रेलवे के रांची रेल मंडल समेत अन्य जोन से होकर देवघर की ओर जाने वाली ट्रेनों में अभूतपूर्व भीड़ देखी जा रही है. ऐसे में रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और स्थानीय रेल प्रशासन ने सुरक्षा मोर्चा संभाल लिया है. ट्रेनों में स्कॉट की टीम तैनात की गई है, जो लगातार निगरानी कर रही हैं. प्लेटफॉर्म, स्टेशन परिसर और ट्रेन डिब्बों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है. डॉग स्क्वायड की टीम भी लगातार स्टेशनों पर गस्त कर रही है.

कमांडेंट पवन कुमार का है भरोसा

रेलवे सुरक्षा बल, रांची मंडल के कमांडेंट पवन कुमार ने कहा, 'यह सिर्फ एक सावधानी नहीं, श्रद्धालुओं की सेवा है. हमारी पूरी टीम चौबीसों घंटे तैनात है. हर ट्रेन, हर स्टेशन और हर कोने पर हमारी निगरानी है. श्रद्धालु बेफिक्र होकर यात्रा करें, उनकी सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है'. कमांडेंट पवन कुमार ने बताया कि इस बार सावन के दौरान विशेष रणनीति के तहत कार्य किया जा रहा है. जिन स्टेशनों पर भीड़ अधिक होती है, वहां विशेष फोर्स तैनात की गई है. स्पेशल रेलवे टास्क फोर्स गठित की गई है, जो लगातार गश्त कर रही है.

देवघर और अन्य प्रमुख स्टेशनों पर शुद्ध पेयजल, मोबाइल मेडिकल यूनिट, अस्थायी शौचालय और विश्राम स्थल की व्यवस्था की गई है. रेलवे हेल्पलाइन नंबर और कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे सक्रिय हैं. बाबा धाम की यात्रा आस्था का पर्व है, जिसमें लाखों लोग भाग लेते हैं. रेलवे प्रशासन ने इस बार न सिर्फ सुरक्षा बल बढ़ाए हैं, बल्कि तकनीकी निगरानी और यात्री सुविधाओं पर भी खास ध्यान दिया है.

झारखंड में स्कूली बच्चों की साइकिल भी चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट : बाबूलाल

रांची: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड में स्कूली बच्चों की साइकिल भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयी है। मरांडी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि हेमंत सरकार में चौतरफा भ्रष्टाचार व्याप्त है। स्कूली छात्रों को दी जाने वाली साइकिल भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गईं। उन्होंने कहा कि कल्याण विभाग की ओर से सरकारी स्कूल के छात्र-छात्राओं को कबाड़ साइकिलें वितरित की जा रही हैं। साइकिलें या तो पहले से पंचर थीं, या उनके टायर-ट्यूब ही फटे हुए थे। कुछ के हैंडल ढीले तो कुछ की चेन जाम। मजबूरन बच्चे साइकिलें कंधे पर ढोते या हाथ में थामे पैदल लौटे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हो चुकी हैं कि हर बच्चों की योजनाएं तक इससे अछूती नहीं रही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को खराब हो चुकी सारी साइकिलें वापस लेकर बच्चों को अच्छी गुणवत्ता वाली साइकिल उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा रांची की बैठक

आंदोलनकारी अपनी पहचान व ताकत स्वयं बनेः पुष्कर महतो

संवाददाता रांची : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा रांची जिला संयोजक मंडल की बैठक का आयोजन आज डोरंडा ,झंडा चौक ,भवानीपुर स्थित केंद्रीय कार्यालय में हुई. बैठक में आंदोलनकारियों की सहायता एवं आश्रितों को सहयोग करने तथा 8 अगस्त 2025 को शहीद निर्मल महतो की पुण्यतिथि बोकारो चास स्थित गुलमोहर पैलेस में अधिवेशन के साथ मानने एवं 15 अगस्त को केंद्रीय कार्यालय में झंडा तोलन करने का निर्णय लिया गया. मौके पर मुख्य अतिथि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी अपनी पहचान एवं अपनी ताकत स्वयं बने जाति एवं धर्म की भावनाओं से ऊपर उठकर अपने बाल - बच्चों एवं परिवार के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष तेज करें.

केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी गुमराह नहीं गोल बंद होकर अपने मान - सम्मान की लड़ाई लड़े. आज आंदोलनकारियों के समक्ष पहचान की सबसे बड़ी समस्या है. राज्य सरकार सार्थक पहल करें और रोजी रोजगार नियोजन एवं सम्मान दे.

केंद्रीय उपाध्यक्ष डॉ रामनाथ मेहता ने कहा कि अबुआ सरकार में झारखंड अलग राज्य के मूल्य आज अधूरे हैं आंदोलनकारियों की स्थिति हाशिए पर है यह सबसे बड़ी विडंबना है.

केंद्रीय कोषाध्यक्ष सरोजिनी कच्छप ने कहा कि झारखंड आंदोलन में महिलाओं की भूमिका बहुत बड़ी संख्या में रही है लेकिन आधी आबादी को कम करके आका जाना गलत है.

रांची जिला संयोजिका पुष्पा बरदेवा ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी अपनी पहचान, स्वाभिमान, अस्तित्व और अस्मिता को मिटने ना दे. हम अपने अधिकारों की रक्षा के लिये लड़े थे और लड़ेंगे.

कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य जिला संयोजक सुजीत कुमार राम एवं संचालन धन्यवाद ज्ञापन संयोजक अमर भेंगरा ने की. बैठक में अमर कुमार महतो भागीरथ महतो दुख हरण महतो मनोज कुमार लकड़ा, राम सिंगार महतो, शिव कुमार दास सहित अन्य मौजूद थे.

राधाकृष्ण मंदिर में 3 हजार श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण

भजन- कीर्तन में खूब झूमे भक्त

रांची: श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में 218 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। आज का महाप्रसाद श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के सदस्य संजय अग्रवाल निशी अग्रवाल की शादी की 25 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य मे उनके एव उनके पुत्र आकर्ष अग्रवाल पुत्री सोनल अग्रवाल और उनके परिवार के सौजन्य से 151 किलो दूध का केसरिया खीर का महाप्रसाद श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया।

अन्नपूर्णा महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12:30 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, तत्पश्चात मंदिर परिसर में उपस्थित तीन हज़ार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। आज के महाप्रसाद में केसरिया खीर, आलू चिप्स का पैकेट का वितरण किया गया। तत्पश्चात भजन- संध्या के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायकों ने कृष्ण दरबार में मनमोहक भजनों से भक्तों को अमृत गंगा का रसपान कराते हुए खूब झुमाया। तथा श्री राधा कृष्ण के जयकारा एवं भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया तथा भक्तगण भक्ति रस में डूब गए। तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती की गई। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि संस्था द्वारा श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर मे अन्नपूर्णा महाप्रसाद एवं भजन संध्या में सुबह से ही श्रद्धालुओं का भीड़ लगा रहा। तथा भगवान श्री राधा कृष्ण मंदिर मे 7 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

इस अवसर पर-डुंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, शिवभगवान अग्रवाल, मधु जाजोदिया,पूरणमल सर्राफ,सुरेश चौधरी,विशाल जालान, अंजनी अग्रवाल, बिष्णु सोनी,बिजय कुमार अग्रवाल, हरीश सोनी, मुरली प्रसाद,चन्द्रदीप साहु, हरीश कुमार,परमेश्वर साहु,बसंत वर्मा, सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष उपस्थित थे।

जेसीआई रांची ने किया जेसी बैडमिंटन प्रीमियर लीग सीजन 2 का आयोजन

संवाददाता रांची: जेसीआई रांची ने रविवार 13 जुलाई को ठाकुर विश्वनाथ सहदेव इनडोर स्टेडियम, खेलगांव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, खेलगांव में आयोजित किया जेसी बैडमिंटन प्रीमियर लीग सीजन 2। इस बैडमिंटन प्रतियोगिता में कुल 12 टीम व कुल 60 लोगों ने हिस्सा लिया। इस एक दिवसीय आयोजन में सिंगल्स और डबल्स के कई बैडमिंटन मुकाबले हुए जिसमें सृजन हेतंसरिया की टीम म्यूचुअल स्मैशर्स ने प्रतियोगिता में जीत दर्ज की। डॉ संजय जैन को बेस्ट प्लेयर के खिताब से नवाजा गया। रनरअप प्लेयर रहे पंकज साबू व रनरअप टीम रही रोशन व जया मोदी की टीम सुपर शटलर। डबल्स गेम के विजेता रहे ऋषभ जालान व विभोर चौधरी की टीम। महिला सिंगलस गेम में प्रिशा जैन विजेता रही व मधु जालान रनरअप रही। इस कार्यक्रम का संचालन जेसी डॉ संजय जैन की अगुवाई में जेसी ऋषभ जैन, ऋषभ जालान, विभोर चौधरी व अग्निश मित्रा ने सफलता पूर्वक किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रतीक जैन, मोहित वर्मा, आनंद धानुका, विजय पटेल, सौरभ साबू, सिद्धार्थ जयसवाल, अभिषेक जालान, तरुण अग्रवाल, अभिषेक जैन, साकेत अग्रवाल, संकेत सरावगी व अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें...

माउंट कार्मेल स्कुल में खेले जा रहे फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ समापन

डॉन बॉस्को,एसडीए खूंटी,डब्ल्यू जॉन मल्टीपरपज स्कूल नगड़ी की टीमें रही विजयी

ओरमांझी(मोहसीन): माउंट कार्मेल स्कुल मैदान में खेले जा रहे सीआईएससीई अंडर14,17 और 19 जोन का फाइनल मैच रविवार को खेला गया। फाइनल मैच का उद्घाटन अतिथियों द्वारा खिलाडियों से परिचय प्राप्त किया गया.फुटबाल टूर्नामेंट के अंडर 14 बॉयज कैटेगरी के रोमांचक मैच में एसडीए खूंटी ने माउंट कार्मल स्कूल को 1-0 से हराया।वहीं अंडर19 बॉयज फाइनल सेंट जेवियर स्कूल डोरंडा और डॉन बॉस्को स्कूल कोकर के बीच खेला गया और इस मैच में डॉन बॉस्को ने सेंट जेवियर स्कूल को हराया। अंडर 17 कैटेगरी में डब्ल्यू जॉन मल्टीपरपज स्कूल नगड़ी ने सेंट जेवियर स्कूल को टाइ ब्रेकर में हराया। इस फुटबॉल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले विजेता एवं उपविजेता टीमों को आयोजन समिति द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया,प्रतियोगिता की सफल आयोजन के लिए फादर दीपक डायरेक्टर माउंट कार्मल स्कूल में आए हुए सभी खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर फादर फुलदेव सोरेंग प्रिंसिपल सेंट जेवियर स्कूल डोरंडा, फादर सुधीर कुजूर सुपीरियर सेंट जेवियर स्कूल डोरंडा,फादर कुलदीप लिंडा वाइस प्रिंसिपल सेंट जेवियर'एस स्कूल डोरंडा,राजेश रोहित केरकेट्टा बिपिन प्रवीण कुजूर,गौरव सेनगुप्ता सहीत अनेकों टीचर व फिजिकल टीचर्स मौजूद रहे।

बासुकीनाथ में श्रद्धालुओं के साथ बच्चों की भी सेहत का ख्याल, 1138 को दी गई पोलियो ड्रॉप

दुमका:राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2025 के तीसरे दिन अपराह्न 04 बजे तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेला क्षेत्र में संचालित 19 चिकित्सा शिविरों में कुल 8129 श्रद्धालुओं ने नि:शुल्क चिकित्सा सेवा प्राप्त की। सभी शिविरों में चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ एवं आवश्यक दवाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त, पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक 1138 बच्चों को ओपीवी (ओरल पोलियो वैक्सीन) की खुराक दी जा चुकी है। यह कार्य स्वास्थ्य विभाग की ओर से सतत रूप से जारी है, ताकि मेला क्षेत्र में आने वाले सभी बच्चों को आवश्यक प्रतिरक्षण उपलब्ध कराया जा सके।जिला प्रशासन श्रद्धालुओं की सेवा एवं स्वास्थ्य-सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। मेला अवधि तक सभी चिकित्सा शिविर प्रतिदिन सक्रिय रहेंगे एवं बासुकिनाथ आने वाले श्रद्धालुओं को आवश्यक सेवाएं प्रदान करते रहेंगे।

खुलेआम किया जा रहा नकली व फर्जी लांटरी का अवैध कारोबार

दुमकाः गोपीकांदर प्रखंड के खरौनी बाजार, कुशचिरा, दुर्गापुर और प्रखंड मुख्यालय गोपीकांदर में दिन के उजाले में लांटरी का अवैध कारोबार तेजी से पैर पसार रहा है। सूत्रों के अनुसार इस प्रतिबंधित लांटरी का कारोबार स्थानीय युवकों के अलावा पाकुड़िया, राजदहा, अमरापाड़ा और काठीकुंड क्षेत्रों के एजेंटो के द्वारा किया जा रहा है।इन एजेंटों द्वारा अवैध लांटरी लाकर प्रखंड क्षेत्र में बेचा जा रहा है। इन लोगों ने पूरे गोपीकांदर प्रखंड को अपनी गतिविधियों का केंद्र बना लिया है। सबसे बड़ी बात यह है कि प्रखंड प्रशासन इन पर कारवाई करने में पूरी तरह से नाकाम है। इस अवैध कारोबार ने कई गरीबो की मेहनत की कमाई छीन ली है। रातो रात करोड़पति बनने के लालच में गरीब अपनी मेहनत की कमाई अवैध लौटरी के पीछे गंवा रहे है, और यह धंधा दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। बावजूद इसके पुलिस प्रशासन इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारी या तो इस गोरखधंधे की जानकारी से अनजान है या तो फिर जानबूझकर इसे नजर अंदाज कर रहे हैं। ज्ञात हो कि कुछ महिने पहले दुमका के उपायुक्त को राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा ट्यूटर के माध्यम से जिले में चल रहे अवैध लांटरी को बंद कर कारवाई करने का निदेश दिया गया था, लेकिन प्रशासन इस पर नकेल कसने में विफल साबित हो रहा है। सवाल उठता है कि इस अवैध लांटरी के खिलाफ ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है। क्या यह केवल प्रशासन की लापरवाही है या फिर इसके पीछे कुछ बड़े नाम छिपे हैं। फर्जी लांटरी टिकट के इस अवैध कारोबार ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। जनता प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग कर रही है।

मयूरहंड बीडीओ के वाहन की टक्कर से बिटीएम मुकेश कुमार सिंह हुए घायल

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी (चतरा) मयूरहंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार के सरकारी चार पहिया वाहन ने शनिवार को एक कृषि विभाग के बिटीएम को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दुर्घटना में घायल व्यक्ति का दाहिना पैर टूट गया। इटखोरी अस्पताल से इलाज कर उसे बेहतर इलाज के लिए तुरंत हजारीबाग रेफर किया गया है। इटखोरी थाना क्षेत्र के पीतीज के रास्ते में हुई। जानकारी के अनुसार बीडीओ मनीष कुमार व बिटीएम मुकेश कुमार सिंह दोनों चतरा जिला मुख्यालय से अपना कार्य समाप्त कर वापस मयूरहंड मुख्यालय लौट रहे थे। इसी दौरान पीतीज के जंगल में उनका सरकारी चार पहिया वाहन अचानक अनियंत्रित हो गया। वाहन की गति और नियंत्रण खोने के कारण वह सड़क पर चल रहे कृषि विभाग के बिटीएम मुकेश कुमार सिंह को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कृषि विभाग के सदस्य मुकेश कुमार सिंह को गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर तत्काल अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। बीडीओ की मदद से अस्पताल में भर्ती, फिर हजारीबाग रेफर, दुर्घटना के तुरंत बाद, बीडीओ मनीष कुमार ने मानवीयता दिखाते हुए खुद ही घायल व्यक्ति की मदद की। उनकी सहायता से घायल व्यक्ति को आनन-फानन में इटखोरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों ने घायल को तत्काल प्राथमिक उपचार देना शुरू किया। हालाँकि, उनकी गंभीर स्थिति और दाहिने पैर में हुए जटिल फ्रैक्चर को देखते हुए, डॉक्टरों ने बिना किसी देरी के उन्हें हजारीबाग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बेहतर और विशेष इलाज के लिए रेफर कर दिया। मयूरहंड के बीडीओ मनीष कुमार ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि घटना में केवल एक व्यक्ति घायल हुआ है, बाकी को कोई हताहत नहीं हुआ।

गोढ़ाई पंचायत के फरार मुखिया गिरफ्तार, भेजा गया जेल, मुखिया का अधिकार हुआ सीज

मुखिया के खिलाफ थाना में बलात्कार, एससी-एसटी एक्ट व धमकी देने मामला है दर्ज

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः एक महिला से बलात्कार के आरोपी गोढ़ाई पंचायत के मुखिया विजय सिंह की गिरफ्तारी को लेकर शुक्रवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन समाहरणालय के समक्ष किया गया था। मुखिया पर लगे आप के मामले को लेकर अखिल भारतीय भुईयां समाज कल्याण समिति के बैनर तले जन आक्रोश रैली निकाल कर जोरदार प्रदर्शन किया गया था। रैली सदर प्रखंड सह अंचल कार्यालय से निकल कर पोस्ट ऑफिस, गुदरी बाजार, केशरी चौक, गंदौरी मंदिर, जतराहीबाग होते हुए समाहरणालय पहुंचा और समाहरणालय के पास विरोध प्रदर्शन किया गया था। उपस्थित पदाधिकारी एसडीओ जहुर आलम, डीएसपी मुख्यालय अमिता लकड़ा, सीओ अनिल कुमार, थाना प्रभारी विपिन कुमार पहुंच कर अविलंब आरोपी को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिये थे।

आंदोलन के बाद पुलिस कप्तान सुमीत कुमार अग्रवाल के द्वारा एक टीम का गठन किया गया और आश्वाशन के महज 48 घंटे में मुखिया विजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया।

मुखिया पर आरोप था कि प्रधानमंत्री आवास का झांसा देकर लंबे समय से महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगा था। 11 जून 2025 की रात उसके घर में जबरन घुस कर बलात्कार किया विरोध करने पर जाति सूचक शब्द का प्रयोग कर जान से मारने की धमकी मुखिया के द्वारा दी गई थी। इस संबंध में 15 जून को मुखिया के खिलाफ थाना कांड संख्या 212/25 के तहत बलत्कार, एससी-एसटी एक्ट व धमकी देने मामला दर्ज किया गया।

प्राथमिकी दर्ज हुए एक माह हो गया था लेकिन अब तक मुखिया की गिरफ्तारी नहीं होने से उनके समाज के लोगों में नाराजगी थी।

इस संदर्भ में गिरफ्तार मुखिया विजय सिंह ने बताया कि न्यायायल पर मुझे पूर्ण भरोसा है मुझ पर षड्यंत्र कर झूठे मुकदमे फसाया गया है। मुझे कानून पर पूरा भरोसा है मुखिया की गिरफ्तारी के साथ ही मुखिया के सारे अधिकारों को निरस्त करते हुए उप मुखिया को मुखिया का पदभार सौंप दिया गया है।

रैयत विस्थापित मोर्चा ने सात सूत्री मांगों को लेकर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

कोयलांचल संवाद संवाददाता

पिपरवार(चतरा) कोईलांचल क्षेत्र के रैयत विस्थापित मोर्चा के द्वारा सात सूत्री मांगों को लेकर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है। रविवार को बचरा स्थित मोर्चा के कार्यालय में मोर्चा के पिपरवार क्षेत्रीय सचिव रामचंद्र उरांव एवं रोहिणी ओसीपी शाखा अध्यक्ष शिवनारायण लोहरा ने प्रेसवार्ता कर बताया कि मोर्चा ने सात सूत्री मांगो को लेकर 30 जुन को राजधर साईडिंग को अनिश्चितकालीन के लिए बंद किया गया था।जिसके बाद प्रबधंन के साथ त्रिपक्षीय वार्ता हुई थी। जिसमें प्रबधंन द्वारा मांगों को पुरा करने का भरोसा दिया था।प्रबंधन के आश्वासन के बाद मोर्चा ने बंदी को स्थगित कर दिया था। लेकिन अभी तक प्रबंधन के द्वारा एक भी मांगों को पूरा नहीं किया गया है। जिससे मोर्चा के लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है।मोर्चा की मांगो में मुख्य रूप से रोजगार हेतु ट्रांसपोर्टिंग व लोडिंग कार्य विस्थापितों रैयतों द्वारा कराए जाने, राजधर साइडिंग के विस्थापितों की लंबित नौकरी,मुआवजा,भूखंड के बदले एक मुस्त भुगतान, भूखंड आवंटन,मकान मुआवजा,गांव में समुचित व्यवस्था,साइडिंग में सैंपलिंग कार्य में रोजगार,मुंशी, सुपरवाइजर,एक करोड़ तक का ठेका कार्य,रेलवे फाटक से लेकर सीआईएसएफ बैरक तक सड़क निर्माण प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र करने,साइडिंग से होने वाले प्रदूषण पर रोकथाम की सभी समुचित व्यवस्था करने सहित कुल सात सूत्री मांगे शामिल है। विस्थापित मोर्चा द्वारा चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द मोर्चा की मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा तो आने वाले दिनों में मोर्चा के द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

रामगढ़ के नलकारी नदी में पति-पत्नी गिरे, पति हुआ लापता, तलाश जारी

रामगढ़ः रामगढ़ जिले में नलकारी नदी को पार करते समय एक व्यक्ति तेज बहाव में बह गया। घटना में कलेश्वर करमाली और उनकी पत्नी सीता देवी शामिल थे। दोनों बलकूदरा मांझी टोला से काम करके अपने घर सौंदा डी जयनगर लौट रहे थे। नदी पार करते समय दोनों तेज बहाव की चपेट में आ गए। सीता देवी किसी तरह बच गईं, लेकिन कलेश्वर बह गए। सूचना मिलते ही भुरकुंडा थाना प्रभारी निर्भय गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोर बदरी राजवार को बुलाया गया है। वर्तमान में पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव कार्य जारी है। घटना की जानकारी फैलते ही सैकड़ों लोग मौके पर जमा हो गए हैं। अभी तक कलेश्वर का पता नहीं चल पाया है।

पिपरवार के न्यु बिजैन के विस्थापित ग्रामीणों ने अशोका प्रबंधन को सौंपा 22 सूत्री मांग पत्र

कोयलांचल संवाद संवाददाता

पिपरवार (चतरा) कोयलांचल क्षेत्र के पुर्नवास केंद्र न्यू बिजैन के विस्थापित ग्रामीणों ने रविवार को अशोका परियोजना पदाधिकारी जितेंद्र कुमार सिंह से मुलाकात कर उन्हें 22 सूत्री मांग पत्र सौंपा है।ग्रामीणों की मुख्य मांगों में ग्राम बिजैन के सत्यापित जमीन पर लंबित नौकरी और मुआवजा देने,पुर्नवास केंद्र में पार्क एवं स्टेडियम का निर्माण करने,पुर्नवास स्थल में स्थापित मंदिर एवं मेला टांड़ में भूमि समतलीकरण, सुंदरीकरण एवं चाहरदीवारी करने, पुर्नवास स्थल मे नियमित रूप से साफ सफाई एवं दवा का छिड़काव करने,खाली पड़े सभी जगह पर फलदार पौधा लगाने,प्लॉट के एवज में एकमूस्त राशि का भुगतान करने,मेलाटांड़ में मंच एवं भवन का निर्माण करने,पुर्नवास स्थल में सभी जर्जर पोल को बदलने व स्ट्रीट लाईट लगाने,पुर्नवास स्थल के तीन अलग-अलग जगह पर टावर लाइट लगाने,पुर्नवास स्थल के सार्वजनिक जगह पर सीसीएल द्वारा बोर्ड लगाने,सामुदायिक भवन एंव विवाह भवन बनाने,सिलाई सेन्टर एंव पुस्तक लाइब्रेरी की स्थापना करने,स्वास्थ्य चिकित्सा उप केंद्र स्थापित करने,पेयजल के लिए जल मीनार का निर्माण करने,बिजैन पुर्नवास स्थल से कल्याणपुर जाने के लिए सड़क का निर्माण करने, तीन मुख्य मार्ग का स्वागत द्वार बनाने,पुर्नवास स्थल में बनाए गए टू लेन रोड के बीच में डिवाइडर एवं बीच में पुल पुलिया का निर्माण करने,आंगनवाड़ी भवन का निर्माण करने,पुर्नवास स्थल के जर्जर सड़क नाला पुलिया की मरम्मति करने,सीसीएल द्वारा उपलब्ध कराए गए पूर्नवास स्थल में सड़क, नाला,बिजली,पानी आदि मूलभूत सुविधा बहाल करने,रैयतों के बचे हुए नौकरी,मुआवजा,पेड़ का मुआवजा आदि का भुगतान जल्द करने सहित अन्य मांगे शामिल है। विस्थापित ग्रामीणों ने प्रबंधन को चेतावनी दी है कि यदि मांगों को पूरा नहीं किया गया तो ग्रामीणों के द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।मांग पत्र सौपने वालों में मुख्य रूप से रंथु गंझु,राहुल राम,बाबूलाल राम,कुलदीप राम,पच्चु गंझु,सुरेंद्र राम,संतोष कुमार गंझु,अजीत कुमार मुंडा,चरका गंझु,राजू मुंडा, सोनू कुमार गुप्ता,संजय गंझु, देवनारायण राम सहित अन्य विस्थापित ग्रामीणों का नाम शामिल है।

चौपारण में युवा प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश सिंह ने मनाई शादी की सिल्वर जुबली

पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला समेत कई गणमान्य अतिथि हुए शामिल

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण(हजारीबाग) शनिवार का दिन चौपारण के लिए खास और भावनात्मक रहा,जब टीवीएस शोरूम परिसर में युवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुकेश सिंह ने अपने वैवाहिक जीवन के 25 गौरवपूर्ण वर्षों को अपनी धर्मपत्नी संग बेहद गरिमामय और उत्सवी अंदाज में मनाया। यह आयोजन न केवल उनके निजी जीवन की एक विशेष उपलब्धि का प्रतीक था, बल्कि सामाजिक समरसता, प्रेम और पारिवारिक मूल्यों की मिसाल भी बना।कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक और भावुक माहौल में हुई। मुकेश सिंह ने सबके समक्ष अपनी पत्नी को मंगलसूत्र पहनाया, फिर एक-दूसरे को अंगूठी पहनाकर जीवन के 25 वर्षों के विश्वास और प्रेम को पुनः संकल्पित किया।

इसके बाद जयमाला कार्यक्रम हुआ, जिसने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया और विवाह संस्था की गरिमा को एक जीवंत अनुभव में बदल दिया।सिल्वर जुबली समारोह में उपस्थित जनसमुदाय ने केक काटकर इस खुशी के अवसर को साझा किया। मुकेश सिंह और उनकी पत्नी को बधाइयों और आशीर्वादों से नवाजा गया। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख सामाजिक व राजनीतिक हस्तियों की उपस्थिति ने आयोजन को और भव्य बना दिया।मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड आंदोलनकारी नंदकिशोर सिंह और पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने समारोह की शोभा बढ़ाई। उन्होंने मुकेश सिंह को बधाई देते हुए पत्रकारिता और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। वहीं समाजसेवी राजेश सहाय ने मंच पर आकर युवाओं के साथ नृत्य कर उत्सव को संगीतमय और आनंदमय बना दिया।मुकेश सिंह ने इस मौके पर अपने पत्रकार साथियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया था। सभी पत्रकार साथियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने अध्यक्ष की पारिवारिक खुशी को साझा किया और उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर मुकेश सिंह के पिता ने भी पुत्रवधू को आशीर्वाद देते हुए दोनों परिवारों की ओर से आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन के अंत में पारंपरिक स्वादिष्ट व्यंजनों से सजे भव्य भोज का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और इस उत्सव को आत्मीयता के साथ मनाया।समारोह की हर एक झलक को कैमरे में कैद किया गया,वीडियो और फोटोग्राफी के माध्यम से इस ऐतिहासिक पल को स्मृति में संजोने की पूरी तैयारी की गई। यह आयोजन चौपारण के सामाजिक और पत्रकारिता क्षेत्र में लंबे समय तक याद किया जाएगा।

विधायक राजेश कच्छप ने अनगड़ा प्रखण्ड में अपने विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया

अनगड़ा के विकास व जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिनिधियों का होगा सराहनीय योगदान:राजेश कच्छप

नामकुम(मोहसीन): खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने रविवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र अनगड़ा प्रखंड के सेवा भाव से लोगों के हित के लिए निरंतर काम करने वाले तेज तर्रार लोगों की सूची बनाकर उन लोगों को विभिन्न विभागों का प्रतिनिधि नियुक्त किया है,इस तरह कई महीनो से विधायक प्रतिनिधि के पदों की अटकले खत्म हो गई, बड़ी गहन चिंतन के बाद प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है,इस नियुक्ति के संबंध में राजेश कच्छप ने कहा कि यह कदम क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए उठाया गया है,उन्होंने अनगड़ा प्रखण्ड में उनकी ओर से जनता के बीच समन्वय स्थापित करने और विकास कार्यों को गति देने की जिम्मेदारी सौंपी है।कच्छप ने यह भी विश्वास जताया कि अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे, जिससे क्षेत्र की जनता को बेहतर सुविधाएं और समाधान प्राप्त होंगे। इस नियुक्ति की घोषणा के बाद,स्थानीय लोगों और कार्यकर्ताओं ने इस कदम का स्वागत किया है,और उम्मीद जताई है कि यह क्षेत्र में विकास कार्यों को और तेज करेगा,प्रतिनिधियों में अजय करमाली खाद्य आपूर्ति विभाग,छोटेलाल महतो ऊर्जा विभाग,संजय नायक मत्स्य विभाग,जयपाल हजाम औद्योगिक विभाग, सुनिता देवी बाल महिला विकास विभाग,दुतीलाल बेदिया स्वस्थ्य विभाग सफिक अंसारी खनन विभाग नियुक्त किया गया है।मौके पर उपस्थित एतवा उरांव,राजेन्द्र मुण्डा,साकिर अंसारी,शिवदास गोस्वामी,राज पाडेय, एतवा बेदिया,अजय उरांव,सन्तोष राम, पंचू तिर्की, दिनेश चन्द्र प्रामाणिक, बबलू लकड़ा,अनिल टोप्पो,अमित उरांव,विनोद लकड़ा सहित अनेकों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक महिला की मौत, दो लोग घायल

दुमकाः जरमुंडी थाना क्षेत्र में रविवार को मूसलाधार बारिश के साथ हुए वज्रपात के चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई एवं दो घायल हो गए।मृतक महिला की पहचान रेखा देवी ग्राम बनवारा पंचायत बनवारा के रूप में हुई है। वहीं दो लोगों को इलाज के लिए फूलों झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका रेफर कर दिया गया।

इस्कॉन सेंटर दुमका में भक्ति वृक्ष कक्षा का शुभारंभ, कृष्ण भावनामृत के प्रति जागरूक करना है कक्षा का उद्देश्य

दुमकाः रविवार को इस्कॉन सेंटर राज पैलेस, गिधनी पहाड़ी रोड, शिव पहाड़, दुमका में भक्ति वृक्ष कक्षा का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का आरंभ मधुर भजनों के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके पश्चात सत्यवाक प्रभु ने इस विशेष कक्षा का महत्व विस्तार से बताया।सत्यवाक प्रभु ने समझाया कि भक्ति वृक्ष कक्षा का मुख्य उद्देश्य लोगों को कृष्ण भावनामृत के प्रति जागरूक करना है ताकि वे अपने जीवन को आनंदमय और उद्देश्यपूर्ण बना सकें। उन्होंने सुंदर उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार जब एक वृक्ष लगाया जाता है तो उसकी जड़ों को जल से सींचा जाता है, उसी प्रकार इस कक्षा में हम भगवान श्रीकृष्ण रूपी जड़ को सींचते हैं और भक्तगण उस जल के समान हैं। जब वृक्ष पुष्पित-पल्लवित होता है तो अंततः उसमें फल आते हैं और उस फल का रस ही शुद्ध कृष्ण भावनामृत है, जो शाश्वत और परम आनंददायक है।

श्रावणी मेला महोत्सव के तीसरे दिन केसरियामय हुआ बाबा बासुकिनाथ का फौजदारी दरबार

दुमकाः राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव के तीसरे दिन रविवार को बाबा बासुकिनाथ के फौजदारी दरबार में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। केसरिया वस्त्र धारण किए श्रद्धालुओं से पूरा बासुकिनाथ धाम केसरियामय नजर आ रहा है।प्रातः ढाई बजे बाबा मंदिर एवं अन्य मंदिरों का पट कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंदिर प्रशासन द्वारा वरीय पदाधिकारियों की मौजूदगी में खोला गया।प्रतिदिन की भांति रविवार को बाबा मंदिर के गर्भगृह की साफ सफाई होने के बाद स्थानीय नगर निवासियों सहित पंडा पुरोहितों ने कांचा जल के प्रथम पूजा में भाग लेकर बाबा बासुकिनाथ का जलार्पण किया।कांचा जल पूजा के बाद सरकारी पूजा सम्पन्न हुई। सरकारी पूजा के बाद मंदिर परिसर के बाहर कतार में खड़े श्रद्धालुओं ने मंदिर के गर्भगृह में सुलभ तरीके से प्रवेश किया ओर स्पर्श पूजा कर अपने परिजनों के सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा।श्रद्धालुओं के समवेत जयकारों से मंदिर परिसर समेत पूरा फौजदारी दरबार गूंज रहा है। बाबा बासुकिनाथ कै प्रांगण में श्रद्धालुओं द्वारा किए जा रहे आरती के स्वर लहरियों से सारा मंदिर परिसर में भक्ति की लहर बह रही है। कपूर, अगरबती के उठते सुवास से सारा माहौल आध्यात्मिक प्रतीत हो रहा है। शिवनगरी बासुकिनाथ का सम्पूर्ण मेला क्षेत्र कांवरियों से पट गया है। जिला प्रशासन के पदाधिकारियों द्वारा संपूर्ण मेला क्षेत्र पर सूक्ष्मता से नजर रखी जा रही है। सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में निगरानी के लिए साढ़े सात सौ सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है । इसके अतिरिक्त ए आई कैमरे ओर ड्रोन कैमरे से मेला क्षेत्र की निगरानी हो रही है। आगंतुक हजारों श्रद्धालुओं को सावन के महीने में कोई कष्ट ओर परेशानी नहीं हो इसका खास ख्याल रखा जा रहा है ।बासुकिनाथ श्रावणी मेला में ड्यूटी पर तैनात सभी सरकारी कर्मचारियों द्वारा आगंतुक श्रद्धालुओं से मित्रवत व्यवहार किया जा रहा है ।बासुकिनाथ के श्रावणी मेला में आगंतुक श्रद्धालुओं को प्रशासनिक स्तर पर सभी सुविधाएं प्रदान की जा रही है।

राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2025 के तीसरे दिन फौजदारी दरबार बासुकीनाथ में 44 हजार 897 श्रद्धालुओं में किया जलाभिषेक

दुमका:राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव के तीसरे दिन रविवार को देश विदेश से आए 44 हजार 897 श्रद्धालुओं ने फौजदारी दरबार बासुकिनाथ में बाबा बासुकीनाथ का जलाभिषेक किया। सावन के प्रत्येक दिन की भांति रविवार को भी मंदिर प्रशासन द्वारा प्रातः ढाई बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बाबा मंदिर सहित सभी मंदिरों का पट खोला गया।गर्भगृह की साफ सफाई के बाद स्थानीय पंडा पुरोहितों ने बाबा बासुकिनाथ को कांचा जल चढ़ाया। उसके बाद सरकारी पूजा नेम निष्ठा से सम्पन्न होने के बाद बाबा मंदिर का द्वार आगंतुक श्रद्धालुओं के पूजा अर्चना के लिए खोल दिया गया।आगंतुक हजारों श्रद्धालुओं ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कतार में लगकर सुगमता पूर्वक गर्भगृह में प्रवेश कर गंगाजल से बाबा बासुकिनाथ का जलाभिषेक किया। श्रद्धालुओं ने दिन भर श्रद्धा भक्ति से लाए कांवर जल को बाबा को समर्पित किया और बाबा से अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए आशीर्वाद मांगा। रविवार को शिवनगरी आगंतुक श्रद्धालुओं से गुलजार रही। दिन भर तपती धूप व उसके बाद हुई जोरो की बारिश से मौसम सुहावना हो गया। जिससे लोगों को सूरज की तपिश से छुटकारा मिला। रविवार को मंदिर कार्यालय से प्राप्त सूचना के अनुसार कुल 44 हजार 897 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया, जिसमें से कतार में लगकर 41 हजार 773 श्रद्धालुओं एवं 01 हजार 550 श्रद्धालुओं ने शीघ्रदर्शनम का कूपन लेकर जलाभिषेक किया। रविवार को मंदिर कार्यालय को कुल 04 लाख 69 हजार 11 रुपए की आमदनी हुई ।

संक्षिप्त खबरें...

पटना में दिनदहाड़े अब वकील की गोली मारकर हत्या

पटना. राजधानी पटना में अपराधियों के हौंसले बुलंद दिख रहे हैं। एक के बाद एक हत्याकांड को अंजाम दे रहे हैं। रविवार को पटना में दिनदहाड़े अपराधियों ने अधिवक्ता जितेन्द्र कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना सुल्तानगंज थाना इलाके की है। बताया जा रहा है कि जितेंद्र घर से निकले थे, इसी दौरान अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी। घायल अवस्था में पीएमसीएच में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से तीन खोखे बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि मृतक जितेंद्र का मोहमदपुर में आवास है। जितेन्द्र कुमार सिविल कोर्ट में वकालत करते थे। हालांकि अभी तक हत्या की वजह का खुलासा नहीं हो सका है। वहीं परिजनों का कहना है कि रोज की तरह वो घर से चाय पीने निकले थे। इसी दौरान उन्हें किसी ने गोली मार दी। आपको बता दें बड़े कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या के बाद से पटना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो थे।

बिहार में 14 साल के किशोर की रेतकर हत्या

समस्तीपुर. बिहार के समस्तीपुर में एक किशोर की निर्मम हत्या कर दी गयी। ताजपुर थाना क्षेत्र के मोरवा दक्षिणी पंचायत के खेदूंटांड़ पोखर के किनारे रविवार की सुबह उसकी लहूलुहान लाश पायी गई। लाश मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। बालक की बेरहमी से गला रेतकर हत्या की गई थी। उसका शव पोखर किनारे सीढ़ी के नीचे पड़ा था। स्थानीय सूचना पर ताजपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच छानबीन में जुट गई। मृतक बालक की पहचान सरायरंजन थाना क्षेत्र के नौआचक वार्ड दो निवासी अमरजीत राय के पुत्र प्रिंस कुमार (14) के रूप में की गई।

भागलपुर में संदिग्ध हालत में नवविवाहित की मौत

भागलपुर. भागलपुर में संदिग्ध हालत में नाबालिग नवविवाहित की मौत हो गई। कमरे में शव मिला है। पेट और गले पर गंभीर चोट के निशान हैं। तीन महीने पहले घर से भागकर अपने प्रेमी सत्यम कुमार(18) के साथ शादी की थी। पिता ने दहेज के लिए सास-ससुर, पति पर गला दबाकर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान परमानंद शर्मा के पुत्री पल्लवी कुमारी (16) के तौर पर हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना भवानीपुर थाना क्षेत्र के तेलडीहा गांव की है। पिता परमानंद शर्मा ने थाने में लिखित शिकायत दी है। उन्होंने कहा कि दामाद, सास-ससुर समेत ससुराल के 6 लोगों ने गला दबाकर मेरी बेटी को मार डाला। शादी के बाद से ही दहेज की डिमांड कर रहे थे। नहीं देने पर बेटी के साथ मारपीट करते थे। उसे प्रताड़ित किया जा रहा था।

पहले खाने से गुस्साए पिता ने बेटे को मार डाला

पटना. पटना के जक्कनपुर थाना क्षेत्र के करबिगहिया के पास एक होटल में पिता ने मासूम बेटे की हत्या कर दी है। मृत बच्चे की मां करुणा देवी ने बताया कि लखीसराय से रोजी रोजगार की तलाश में पटना आए थे। रोज प्लेटफॉर्म पर रहते थे। शनिवार के दिन में लगभग 4 बजे होटल में कमरा लिए। सोचा था कि रुम लेकर अब शांति से रहेंगे। पति के आने में देरी हुई तो दोनों बच्चों को पहले खिलाकर सुला दिया। रात में 10 बजे के करीब मेरे पति आए और इस बात से नाराज होकर बच्चे की पिटाई करने लगें। काफी बीच बचाव के बाद भी नहीं छोड़ा। पूरी तरह से वो नशे में थे। बच्चे को पीट पीटकर पिता ने मार डाला है। मृतक की पहचान शनि कुमार (6) के रूप में हुई है। आरोपी पिता घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गया है। पुलिस ने पत्नी के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

गोपालगंज में एक महीने के बच्चे को छोड़कर मां फरार

गोपालगंज. गोपालगंज में एक पिता को अपने बच्चे की गुमशुदगी की शिकायत करना भारी पड़ गया। मांझागढ़ थाना क्षेत्र के लहलादपुर गांव निवासी संतोष कुमार की पत्नी 6 महीने पहले एक माह के नवजात को छोड़कर चली गई थी। संतोष अकेले ही बच्चे की देखभाल कर रहे थे। शुक्रवार को जब वह मजदूरी से घर लौटे तो बच्चा गायब था। स्थानीय लोगों से जानकारी मिलने पर उन्होंने मांझागढ़ थाने में एक व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद थावे गोलंबर के पास 5-7 लोगों ने संतोष पर हमला कर दिया। थावे थाना पुलिस ने घायल संतोष को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस बच्चे की बरामदगी और हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

बुजुर्ग महिला से 3 लाख के जेवरात की ठगी

शेखपुरा. शेखपुरा में स्टेशन के पास प्रोफेसर कॉलोनी में बुजुर्ग महिला से ठगों ने जेवरात साफ करने के बहाने 3 लाख रुपए के गहने ठग लिए। घटना के समय पीड़िता घर में अकेली थीं। उनकी बहू स्वास्थ्य कर्मी और बेटा स्कूल शिक्षक अपनी-अपनी ड्यूटी पर गए हुए थे। ठगों ने नाटकीय अंदाज में महिला को सोने का कंगन साफ करने की जिद की। फिर उनके गले की चेन और अंगूठी भी उतरवा ली। जेवरात को एक बंद प्लास्टिक थैली में रखकर महिला को 15 मिनट बाद खोलने की सलाह दी और फरार हो गए।

चिराग पासवान को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला बेगूसराय से गिरफ्तार

पटना. मोदी सरकार में फूड प्रोसेसिंग मंत्री और लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला शख्स गिरफ्तार हो गया है। पुलिस ने बेगूसराय के तेघरा से उसे दबोचा। आरोपी की पहचान मोहम्मद मेराज, 21 वर्ष के रूप में की गयी है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है कि किसके इशारे पर उसने केंद्रीय मंत्री को धमकी दी थी। इसके पीछे और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पूछताछ में जिनका भी नाम सामने आएगा उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। पटना साइबर थाने में मामले की प्राथमिकी दर्ज की गयी है। गिरप्तारी के बाद समस्तीपुर पुलिस ने आरोपी को पटना पुलिस के हवाले कर दिया है। समस्तीपुर पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि केंद्रीय मंत्री को जान से मारने की धमकी सोशल मीडिया(इंस्टाग्राम) पर दी गयी थी। इसके लिए पटना साइबर थाने में एफआईआर दर्ज है। इसी वजह से समस्तीपुर में दिए आवेदन पर केस नहीं हुआ। छानबीन में पता चला कि साहिल शफीक नाम के एक यूजर ने धमकी पर कमेंट किया था। पहले उसे उठाया ट्रैक किया। वह समस्तीपुर का रहने वाला है। पूछताछ में उसने बताया कि धमकी का पोस्ट डालने वाला मोहम्मद मेराज है जो रोसड़ा का रहने वाला है। साहिल की निशानदेही पर उसे बेगूसराय के तेघड़ा से मेराज को गिरफ्तार कर लिया गया। अब उसे मानसिक रूप से बीमार बताया जा रहा है। आरोपी को पटना पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस पोस्ट के बारिकी से खंगाल रही है ताकि कुछ अधिक जानकारी मिले।मेराज की गिरफ्तारी में समस्तीपुर पुलिस की अहम भूमिका रही।

एमपी की लड़की से वैशाली में गंदा काम, एक डॉक्टर ने नौकरी के नाम पर बुलाकर... आरोपी गिरफ्तार

वैशाली. बिहार के वैशाली में मध्य प्रदेश की एक युवती के साथ गंदा काम किया गया। एक सरकारी डॉक्टर ने नौकरी के नाम पर बुलाकर रेप की कोशिश की। युवती ने भागकर अपनी जान बताई पर डॉक्टर ने उसके कपड़े फाड़ डाले। स्थानीय लोगों की शिकायत पर पहुंची पुलिस ने आरोपी डॉक्टर सुनील को गिरफ्तार कर लिया है। घटना लालगंज थाना इलाके की है। आरोपी डॉक्टर सुनील रेफरल अस्पताल में तैनात है। स्वास्थ्य विभाग में सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर डॉक्टर ने उसे मध्य प्रदेश से अस्पताल बुलाया था। शनिवार का रात ड्यूटी कमरे में लेजाकर उसने युवती को दबोच लिया और रेप करने की कोशिश की। युवती वहां से भागकर एक दुकानदार के पास पहुंची और आपबीती बताई। दुकानदार ने चादर देकर उसकी इज्जत बचाई क्योंकि उपर के कपड़े पुरी तरह से फाड़ दिए गए थे। दुकानदार ने बताया कि रात को सो रहा था तो लड़की दौड़कर आई और बोली- अंकल जी जान बचा लीजिए पूछने पर बताया कि डॉक्टर सुनील मेरे साथ गंदा काम कर रहा था। भागकर आई। उसके कपड़े फटे हुए है तो शरीर ढंकने के लिए चादर दिया।

बीएलओ फर्जी तरीके से भर रहे फॉर्म- तेजस्वी यादवः महागठबंधन ने चुनाव आयोग पर बोला हमला, कहा- बिना डॉक्यूमेंट के हो रहा वेरिफिकेशन

पटना. पटना में महागठबंधन की ओर से आज प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए। तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव आयोग ने दावा किया है कि 80 प्रतिशत से ज्यादा मतदाताओं का सत्यापन हो गया है, लेकिन अभी तक उनका खुद का सत्यापन नहीं हुआ है। नेता प्रतिपक्ष ने अटल पथ पर फॉर्म फेंका हुआ वीडियो भी दिखाया। तेजस्वी ने एक तस्वीर दिखाते हुए कहा कि देवघर में फॉर्म पर "जलेबिया बन रही हैं" यानी फॉर्म में गड़बड़ियां हो रही हैं। वहीं पटना के अटल पथ पर फॉर्म सड़कों पर फेंके जा रहे हैं और गाड़ियां उनके ऊपर से गुजर रही हैं। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि बीएलओ बिना मतदाताओं से पूछे ही फर्जी तरीके से फॉर्म भर रहे हैं, फिंगरप्रिंट भी खुद ही लगा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद चुनाव आयोग आधार और पैन कार्ड से सत्यापन को लेकर कोई अपडेट नहीं दे रहा है। आयोग यह भी नहीं बता रहा कि बिना दस्तावेज के कितने लोगों का सत्यापन किया गया है।

आयोग विपक्षी दलों के बीएलओ को सूचित नहीं कर रही है। अपलोडिंग के दौरान सर्वर फेल हो रहा है, पेपर्स जमा नहीं हो पा रहे हैं और बीएलओ को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तेजस्वी ने कहा कि "यह केवल आंकड़े पूरे करने का खेल है। DM और आयोग सिर्फ संख्या पूरी कर रहे हैं, यह सब ऑय वाश है। पीएम मोदी के निर्देश पर ये देखा जा रहा है कि किस बूथ पर कितने वोटर्स हैं। बिहार के लोग अलर्ट हैं, इस बार आर-पार होगा। यहां 90 प्रतिशत लोग पिछड़े वर्ग से हैं, इनकी रोटी छीनी जा सकती है, लेकिन वोट का अधिकार छाना नहीं जा सकता है।" अगर आयोग कह रही है कि 80 प्रतिशत डेटा अपलोड हो गया है, तो वह जिलावार, विधानसभा और ब्लॉकवार विवरण क्यों नहीं जारी कर रही है। तेजस्वी ने कहा कि मतदाताओं को यह भी पता नहीं चल रहा कि उनका फॉर्म सही जमा हुआ है या नहीं हुआ है। क्योंकि आयोग कोई विकल्प नहीं दे रहा है।

बिना ओटीपी के ही फॉर्म जमा

तेजस्वी ने आरोप लगाया कि बीएलओ कई जगहों पर एक बार भी नहीं पहुंचे हैं और बिना दस्तावेज, बिना अंगूठे और बिना ओटीपी के ही फॉर्म जमा कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने अब तक इस पर कोई स्पष्ट प्रेस रिलीज भी जारी नहीं की है।नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि "यह सब केवल टारगेट पूरा करने की कवायद है।" एक परसेंट हमारे वोटर्स छूट जाएं, वो वोट नहीं दे पाएं, तो करीब 790000 वोटर्स का वोट कट जाएंगा ।अगर एक परसेंट वोटर्स का भी बिहार में सत्यापन नहीं हुआ, तो करीब 3251 वोटर्स का हर एक विधानसभा में नाम कटेगा।तेजस्वी ने कहा कि 5000 वोटर्स से हारने वाला 52 सीट्स पिछली बार था।अगर 790000 वोटर्स को हर एक विधान सभा में देखें तो 3200 लोगों का वोट हर एक बूथ से कटेगा। ये वही लोग होंगे जो बिहार से बाहर जा चुके है। अमित शाह या मोदी के कहने पर वोटर्स का नाम तो नहीं काटा का रहा है।बिहार के वोटर में नेपाल और बांग्लादेश के लोग के होने के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा है कि क्या चुनाव आयोग की ओर से कुछ ऑफियल डेटा सामने आया है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने जब चुनाव आयोग को सजेशन दिया है। उसके बाद भी चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सब चीजों को क्लियर क्यों नहीं किया है। सीएम नीतीश बिल्कुल अचेत अवस्था में चले गए। मुकेश सहनी ने कहा है कि बिहार में फिजिकल तौर पर मौजूद नहीं है। उनका भी फॉर्म जमा हो रहा है। मेरा खुद पेपर जमा हो गया है। जब की मैं उस जगह फिजिकल मौजूद नहीं था। मैं देखना चाह रहा था कि किस तरह से फर्जीवाड़ा हो रहा है। जो मैंने किया वो सही नहीं है, लेकिन मैं जांच करना चाह रहा था।

एक परसेंट वोटर का भी नाम कटा तो 7.90 लाख मतदाता

तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि बिहार में 7 करोड़ 90 लाख मतदाता हैं। अगर एक फीसदी वोटर्स का भी नाम कट जाए तो सात लाख 90 हजार मतदाताओं का नाम कट जाएगा। यानी हर विधानसभा में 3 हजार 251 मतदाताओं का नाम कट जाएगा। उन्होने कहा कि 2020 में 35 सीटों पर जीत-हार का यह अंतर था। एक विधानसभा में औसतन 320 बूथ हैं। अगर एक बूथ पर 10 का नाम कटे तो 3200 मतदाताओं का नाम कटेगा। और यह बिहार के नतीजों पर अंतर डालेगा। तेजस्वी ने आरोप लगाया है कि आयोग हमारी शंकाओं का समाधान नहीं कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने लचीलापन कार्यशैली अपनाने को कहा लेकिन उस पर भी अमल नहीं किया गया। फॉर्म शहर-गांव में फेकें जा रहे हैं। लोगों की जानकारी के बगैर आधा-अधूरा फॉर्म अपलोड किए जा रहे हैं। पावती रसीद नहीं मिलने से नाम कटने पर मतदाता कोई दावा नहीं कर सकेंगे। वहीं इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने कहा कि चुनाव आयोग का रवैया लोकतंत्र विरोधी है और मतदाताओं के अधिकार छीनने की कोशिश की जा रही है। इससे पहले शनिवार को महागठबंधन की बैठक में ये निर्णय लिया गया था कि बिहार में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण के मसले पर गठबंधन के सभी घटक दलों के नेता गांव-गांव और बूथ स्तर पर जाकर लोगों को मतदाता सूची पुनरीक्षण की वास्तविकता से अवगत कराएंगे। साथ ही महागठबंधन कुछ और नए लोकलुभावन वादे घोषणा पत्र में शामिल कर सकता है। बैठक में महागठबंधन के नेताओं ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग का वह दावा गलत है, जिसमें 74 फीसदी फॉर्म जमा करने की बात कही जा रही है। महागठबंधन नेताओं का कहना था कि एनडीए सरकार डर गई है।

एक करोड़ युवाओं को जॉब देने का लक्ष्यः सीएम नीतीश कुमार बोले- कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय की होगी स्थापना

पटना. राज्य सरकार ने युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने की दिशा में ऐलान किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि उनकी सरकार की शुरू से ही यह सोच रही है कि अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिल सके। मुख्यमंत्री के मुताबिक, साल 2005 से 2020 के बीच राज्य के 8 लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई। वहीं, 2020 में सात निश्चय-2 के तहत 10 लाख सरकारी नौकरी और 10 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया था, जिसे बाद में बढ़ाकर अगस्त 2025 तक 12 लाख सरकारी नौकरी और 38 लाख रोजगार कर दिया गया। कुल 50 लाख नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया था।

10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी मिली

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक राज्य में 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और 39 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है। 50 लाख का लक्ष्य निश्चित रूप से पूरा कर लिया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि अगले पांच सालों (2025-2030) के लिए यह लक्ष्य दोगुना कर एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का तय किया गया है। इसके लिए निजी और औद्योगिक क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे। इस उद्देश्य के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन होगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सात निश्चय के तहत कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आने वाले समय में इस कार्यक्रम को विस्तारित किया जाएगा। इसके साथ ही बिहार में एक कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी, जिसका नाम भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर के नाम पर जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे युवाओं को कौशल विकास की नई दिशा मिलेगी।

बेगूसराय में शादी में गए कारोबारी की गोली मारकर हत्याः हिरासत में दो संदिग्ध

बेगूसराय. 23 साल के सत्यम कुमार उर्फ छोटू की पिटाई की गई, गला दबाने के बाद गर्दन में गोली मारकर गुरुवार की देर रात हत्या कर दी गई थी। लाश को सड़क किनारे गड्ढे में फेंक दिया गया था। वारदात के बाद युवक की मां का कहना है कि मेरा बेटा अपने दोस्त चंदन की शादी में गया था। पिता ने कहा कि जब देर शाम मैंने कॉल किया, तो बेटे ने कहा था कि दूल्हा की गाड़ी सजा रहा है, लेकिन कुछ घंटे के बाद जब देर रात मैंने कॉल किया तो उसका फोन स्विच ऑफ हो गया था। सुबह मेरे बेटे की हत्या की खबर मिली। वहीं, सत्यम जिस दोस्त चंदन की शादी में जाने की बात कहकर घर से निकला था, उसका कहना है कि मेरा सत्यम से कोई लेना-देना ही नहीं है। मैंने तो उसे शादी में आने का निमंत्रण नहीं दिया था, ऐसे में बारात जाने की बात गलत है। ऑफ द कैमरा उसका कहना है कि मैं तांती जाति का हूं और वह महतो है। हम दोनों में कोई दोस्ती नहीं थी, पहले से कोई संपर्क नहीं था। इसलिए उसे शादी में जाने के लिए निमंत्रण देने का कोई सवाल ही नहीं है।

नालंदा में 24 घंटे के अंदर तीसरा मर्डर, अब किसान को धारदार हथियार से काट डाला

नालंदा. बिहार में एक किसान को धारदार हथियार से काट डाला गया। नालंदा जिले में सरमेरा थाना क्षेत्र के चुहरचक गांव में शनिवार की देर रात एक किसान की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और कोहराम मच गया। बताया जाता है कि मृतक 58 वर्षीय किशोरी यादव, स्वर्गीय रामेश्वर यादव के पुत्र थे। वह खेत में पटवन (सिंचाई) करने के बाद खेत के बगल में सड़क किनारे सो रहे थे। उसी दौरान पांच की संख्या में आए बदमाशों ने उन पर हमला कर निर्मम तरीके से हत्या कर दी। नालंदा में 24 घंटे के अंदर हत्या की तीसरी वारदात हुई है।

मृतक के पुत्र ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उनका ननिहाल इसी गांव में है और वर्ष 2022 में गांव के ही सकलदीप यादव से उनका मामूली विवाद हुआ था। इस विवाद को लेकर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। तभी से किशोरी यादव पर दबाव बनाया जा रहा था कि वे केस वापस ले लें। ऐसा नहीं करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी जा रही थी। इससे पहले भी किशोरी यादव पर हमला किया गया था, जिसमें वे बाल-बाल बच गए थे।

परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस ने सकलदीप यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम और डॉग स्क्वायड को भी मौके पर बुलाया गया है। गौरतलब है कि नालंदा जिले में पिछले 24 घंटे के भीतर दो लोगों की गोली मारकर हत्या और एक किसान की धारदार हथियार से हत्या की घटनाएं हुई हैं। इन लगातार हो रही आपराधिक वारदातों से साफ जाहिर होता है कि अपराधियों के मन से कानून का भय समाप्त हो चुका है।

चाय-लिट्टी बनाते दिखे डॉ.एस.सिद्धार्थ : नवादा में शिक्षकों की समस्याएं सुनीं, मदरसे का दौरा किया

नवादा. नवादा के गोनौरी रामकली टीचर ट्रेनिंग कॉलेज में रविवार को डॉ.एस.सिद्धार्थ पहुंचे। यहां वे मंच पर नहीं बेंच पर बैठकर शिक्षकों की समस्याएं सुने। उनका ये अंदाज टीचर्स को बहुत पसंद आया। वहीं, उनका एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें वे नवादा से लौटते वक्त पहले लिट्टी बनाए, फिर दुकान में जाकर खुद चाय बनाते दिखे। बिना किसी लाव लश्कर के अचानक बख्तियारपुर फोर लेन स्थित माही टी स्टॉल पर ACS सिद्धार्थ पहुंचे, तो चाय दुकानदार उन्हें नहीं पहचान सका। बैठक के दौरान मगध क्षेत्र के कई शिक्षकों ने अपनी तबादले, संसाधनों और काम के बोझ को लेकर समस्याएं रखीं। डॉ. सिद्धार्थ ने हर बात ध्यान से सुनी और भरोसा दिलाया कि तबादला प्रक्रिया को पारदर्शी और जल्द पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर ऑनलाइन शिक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे शिक्षकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इससे डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

उर्दू स्कूल और मदरसे में बच्चों से मुलाकात

नवादा के रजहत गांव स्थित उर्दू विद्यालय का निरीक्षण करते समय डॉ. सिद्धार्थ ने कक्षाओं, बाथरूम और रसोईघर की स्थिति को व्यवस्थित पाया। इसके बाद पास के एक मदरसे में पहुंचे, जहां बच्चों को देख "सलाम वालेकुम" कहकर उनका अभिवादन किया। बच्चों ने भी मुस्कुराते हुए कहा-"वालेकुम सलाम"। पटना लौटते

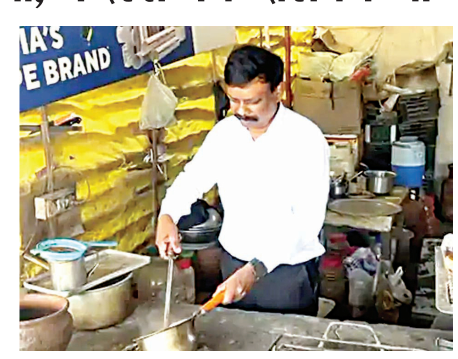

समय बख्तियारपुर के पास एक सड़क किनारे झोपड़ी की दुकान में वे रुके। वहां उन्होंने लिट्टी-चोखा और चाय का आनंद लिया। खास बात यह रही कि खुद चाय बनाने में हाथ बंटाते दिखे, और इस दौरान उनकी मुस्कुराहट और सहजता का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।स्थानीय लोगों ने इस पल को "दिल जीतने वाला" बताया और कहा- "ऐसे अफसर हमने पहले नहीं देखे।" डॉ. एस. सिद्धार्थ की यह नवादा यात्रा केवल एक निरीक्षण नहीं थी, यह एक जुड़ाव का अनुभव था। एक ओर जहां उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के संकेत दिए, वहीं दूसरी ओर सामान्य लोगों के बीच बैठकर, झोपड़ी में चाय पीकर, और बच्चों से मुस्कुराकर बात करके उन्होंने लोगों का दिल भी जीत लिया।

शादीशुदा गर्लफ्रेंड से मिलने पहुंचा प्रेमी, घरवालों ने करवाई शादीःलड़की बोली-7 साल से अफेयर

भागलपुर. भागलपुर में शादीशुदा प्रेमिका से रात में मिलने आना प्रेमी को भारी पड़ गया। परिवार वालों ने दोनों को साथ एक कमरे में पकड़ लिया और उनकी शादी करवा दी। मामला कजरैली गांव का है, जहां शनिवार रात शादी हुई। प्रेमिका मोनी कुमारी (21) ने बताया, 'प्रेमी मिथिलेश यादव (23) रात में मोबाइल फोन देने आया था। सुबह-सुबह जा रहा था तो मां ने पकड़ लिया, और हमारी शादी करवा दी।' इधर प्रेमी मिथिलेश मोनी को साथ रखने के लिए तैयार नहीं है। उसका कहना है कि मर जाऊंगा, लेकिन साथ लेकर नहीं ले जाऊंगा। लड़की ने ही फोन करके बुलाया था। जान-बूझकर मुझे फंसा दिया। घरवालों ने जबरदस्ती सिंदूर दिलवा दिया। वहीं माता-पिता का कहना है कि 6 साल पहले बेटी की शादी भी की, लेकिन वो ससुराल में रहना ही नहीं चाहती थी। पिता ने आरोप लगाया कि प्रेमी बेटी के ससुराल भी मिलने जाता था।

प्रेमिका मोनी ने बताया कि सात साल से हमारा अफेयर चल रहा था। मिथिलेश ने कई बार रिलेशन भी बनाया है। हमारी एक बेटी भी है। मुझे मिथिलेश के साथ ही रहना है।' मोनी की मां ने सीता देवी ने बताया, 'देर रात दोनों को खिड़की से कमरे में देखा। जिसके बाद बेटी को दरवाजा खोलने को कहा।

महागठबंधन में सीट बंटवारे पर पप्पू यादव का बड़ा बयान, लोकसभा में प्रदर्शन की याद दिला बोले- जिनकी जमानत जब्त..

पटना. बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां काफी बढ़ी हुई हैं। इस बीच महागठबंधन में शामिल घटक दलों के नेताओं के बीच बैठकों का दौर चल रहा है। चुनाव में रणनीतियों पर कई बार चर्चा भी हुई। हालांकि, इन बैठकों में महागठबंधन के अंदर सीट बंटवारे को लेकर अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है। हालांकि, अलग-अलग दल के नेता अपनी पार्टी के लिए सीटों को लेकर अपनी बात रखते आए हैं।

इस बीच अब पूर्णिया के सांसद और कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने

महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर एक नसीहत दी है। पप्पू यादव ने कहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 में विभिन्न दलों के प्रदर्शन के आधार पर सीटें दी जानी चाहिए। पप्पू यादव ने एक्स पर लिखा, ' INDIA गठबंधन में सीटों का बंटवारा पिछले लोकसभा चुनाव के आधार पर हो। मुझको मिलाकर कांग्रेस का स्ट्राइक रेट सबसे शानदार रहा था। वैसे दलों को सीट लेने से पहले सोचना चाहिए जिनका लोकसभा चुनाव में जमानत जब्त हो गया था!' हालांकि, पप्पू यादव की इस सलाह पर महागठबंधन में शामिल किसी दल या उसके नेता की तरफ से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यहां आपको बता दें कि पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने बिहार में 40 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। कांग्रेस के खाते में 9 सीटें आई थीं। वहीं बिहार का मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल ने 26 सीटों पर चुनाव लड़ा था और इनमें से चार सीटें उसकी झोली में गई थी। इस चुनाव में कांग्रेस का स्ट्राइक रेट राजद से काफी बेहतर था। सीपीआईएमएल ने इस चुनाव में दो सीटें जीती थीं। इस चुनाव में सीपीआईएमल के कई उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त हो गई थी। आपको बता दें कि भले ही अभी महागठबंधन में सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला तय नहीं हुआ है। लेकिन महागठबंधन में शामिल वीआईपी 60 सीटों की मांग कर रही है। कांग्रेस भी 70 की मांग पर डटी हुई है। इधर वाम दलों में सबसे प्रमुख भाकपा माले 19 के बदले इस बार 25 सीटों पर लड़ने की तैयारी में है।

वोटर लिस्ट में विदेशियों के नाम; डोर-टू-डोर अभियान में बांग्लादेश, म्यांमार,नेपाल के नागरिक मिले

पटना । बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले जारी मतदाता सत्यापन अभियान (एसआईआर) में बड़ा खुलासा हुआ है। निर्वाचन आयोग की ओर से कहा गया है कि बिहार के वोटर लिस्ट में बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों के नाम हैं जिनमें नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश के सिटीजन शामिल हैं। डोर टू डोर सत्यापन में यह भी पता चला है कि इन विदेशियों के पास वोटर कार्ड, आधार कार्ड और राशन कार्ड भी मौजूद है। निर्वाचन आयोग की ओर से कहा गया है कि फाइनल वोटर लिस्ट में इनका नाम नहीं होगा। एसआईआर का मकसद ही अवैध मतदाताओं को मतदाता सूची से

बाहर करना है। मतदाता सत्यापन के नाम पर जारी राजनीति के बीच यह तथ्य उजागर होने से सियासी हलके में खलबली मच गई है क्योंकि कांग्रेस समेत महागठबंधन के सभी दल इस अभियान का विरोध कर रहे हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक निर्वाचन आयोग ने कहा है कि 30 सितम्बर को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची से इन सबका नाम हटा दिया जाएगा। आयोग की ओर से यह भी कहा गया है कि पूरे देश में मतदाता सत्यापन चलाया जाएगा ताकि विदेशी घुसपैठियों को जिन्होंने गलत तरीके कार्ड हासिल कर वोटर बन गये हैं लिया है, मतदाता सूची से बाहर कर दिया जाएगा। इसके लिए उनके जन्म स्थान का सत्यापन कराया जाएगा।

निर्वाचन आयोग ने दावा किया है कि शनिवार तक बिहार में जारी एसआईआर के तहत 80.11 प्रतिशत मतदाताओं ने अपना फॉर्म जमा करा दिया है। निर्धारित समय सीमा(25 जुलाई) तक फार्म जमा लेने का काम पूरा कर लिया जाएगा। बिहार में इसी साल अक्टूबर-नवम्बर में विधानसभा चुनाव होने वाला है। इसके मद्देनजर देश के राजनैतिक गलियारे में मतदाता पुनरीक्षण का मामला हॉट टॉपिक बन गया है। विपक्षी दल इसे रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक गए। कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को कुछ इंस्ट्रक्शन देते हुए रोक लगाने से इनकार कर दिया।

अगले साल 2026 में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और वेस्ट बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसे देखते हुए एसआईआर अवैध(विदेशी) वोटरों के खिलाफ बड़ा और कारगर कदम सिद्ध होने वाला है।

बताते चलें कि बिहार में चल रहे मतदाता सत्यापन अभियान को रोकने के लिए 9 जुलाई को बिहार बंद किया गया जिसमें विपक्षी दलों के नेता और कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी पटना पहुंच गए और तेजस्वी यादव, मुकेश सहनी के साथ बंदी में शामिल हुए जबकि एनडीए सरकार शुरू से ही कह रही थी कि अवैध और विदेशी वोटरों को बाहर करने के लिए एसआईआर जरूरी है। वोटर लिस्ट में विदेशी वाली बात सामने आने के बाद एनडीए को बल मिला है तो इंडिया गठबंधन के लिए बुरी खबर है।

इंटरनेट की दुनिया में जापान की लंबी छलांग, पीटाबाइट स्पीड से डेटा ट्रांसफर

इंटरनेट की स्पीड की बात करते हैं, तो भारत में 100 एमबीपीएस या अधिकतम 1 गीगाबाइट पर सेकंड को सबसे तेज स्पीड मान लिया जाता है। जापान ने इस पैमाने को ध्वस्त कर दिया है। जापान ने हाल ही में 1 पेटाबाइट प्रति सेकंड की स्पीड से डेटा ट्रांसफर करने की एक ऐसी तकनीकी क्रांति को जन्म दिया है जो ना केवल अभूतपूर्व है बल्कि विज्ञान और शोध के क्षेत्र में एक चमत्कारिक घटना के रूप में देखी जा रही है। जापान की इस सफलता से इंटरनेट की दुनिया में एक नया कीर्तिमान बनने जा रहा है, जो सोच से भी ज्यादा है। यह उपलब्धि जापान के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (एनआईसीटी) ने सुमितोमो इलेक्ट्रिक और कई अंतरराष्ट्रीय शोध संस्थानों के साथ मिलकर हासिल की है। पारंपरिक ऑप्टिकल फाइबर में एक की जगह 19 कोर का प्रयोग करके 10,800 किलोमीटर की दूरी तक इंटरनेट के माध्यम से डेटा ट्रांसफर करके यह कीर्तिमान स्थापित किया गया है। नेटफ्लिक्स लाइब्रेरी, विकिपीडिया के करोड़ों पेज या 8के के वीडियो डेटा को एक सेकंड से भी कम समय में डाउनलोड किया जा सकता है। यह स्पीड, भारत की औसत इंटरनेट स्पीड से 1 करोड़ 60 लाख गुना ज्यादा है। अमेरिका से 35 लाख गुना तेज है। इसकी कल्पना मानव समाज ने अभी नहीं की थी। जो जापान ने करके बता दिया है। यह तकनीक की चरम सीमा है। वैश्विक स्तर पर इस उपलब्धि का प्रभाव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, मेडिकल साइंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष अनुसंधान एआई तकनिकी जैसे क्षेत्र अब सभी सीमाओं से मुक्त हो जाएंगे। रीयल टाइम क्लाउड प्रोसेसिंग, होलोग्राफिक कम्युनिकेशन और ब्रेन-मशीन इंटरफेस जैसे भविष्य के अवसर वर्तमान के दरवाजे पर खड़े दिख रहे हैं।

मानव मस्तिष्क की सोच से भी कई गुना तेज गति से अब सिग्नल प्राप्त किए जा सकते हैं। कोड किए जा सकते हैं, डिकोड किए जा सकते हैं। जापान की इस सफलता ने डिजिटल दुनिया में एक नई क्रांति को जन्म दिया है। इस स्पीड के पीछे कई तरह की चुनौतियां हैं। अभी तक जो शोध और नवाचार हो रहे थे। जापान ने दिखा दिया है, तकनीक में कोई शॉर्टकट अथवा संपूर्णता नहीं होती है। जापान ने डिजिटल तकनीकी को लेकर सारी दुनिया के देशों को और वैज्ञानिकों को एक नई चुनौती दी है। कुछ महीने पहले चीन ने 10 जी की इंटरनेट सेवा का सफल परीक्षण किया था, तब इसे बहुत बड़ी सफलता माना जा रहा था, लेकिन जापान ने चीन से कई गुना अधिक सफलता अर्जित कर इंटरनेट की दुनियां में चीन को पछाड़ दिया है। जापान के इस मॉडल से कल्पनाओं का लोक बहुत बड़ा हो गया है। अभी बहुत कुछ सीखने की चुनौती सामने आ गई है। इंटरनेट की यह स्पीड मानव क्षमता की पराकाष्ठा है। यह सफलता बताती है, भविष्य उनका है, जो कल्पनाओं के आधार पर विज्ञान, नवाचार की सोच को संकल्प के साथ दोड़ना जानते हैं। फिलहाल, इस रेस में जापान सबसे आगे बढ गया है। जापान की इस सफलता से अब कंप्यूटर हार्डवेयर सॉफ्टवेयर तथा संचार माध्यमों को लेकर आमूल-चूल परिवर्तन करने होंगे। डिजिटल तकनीकी में भारी बदलाव आएंगे। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के सामने एक बड़ी चुनौती आ गई है। इस सफलता के बाद मानव सभ्यता तथा मानव क्षमता में बड़े परिवर्तन देखने को मिलेंगे। जापान ने जो सफलता अर्जित की है उसके कारण सभी क्षेत्रों में परिवर्तन देखने को मिलेगा। डिजिटल तकनीकी और सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से यह कहा जाता था कि पूरा विश्व एक गांव के रूप में बदल गया है। भविष्य में यदि यह भी कहा जाए कि सारा ब्रह्मांड एक विलेज में बदल गया है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। जापान की वर्तमान सफलता को देखते हुए, अब यह कहा जा सकता है कि मानव ने देवत्व की क्षमता को प्राप्त कर लिया है। मानव जो सोचता है उसे हासिल कर पाने में कोई बाधा नहीं रही। वहीं एक खतरा यह भी दिखने लगा है, जब-जब मानव के पास असीमित शक्तियां आ जाती हैं उनका सृजन के लिए काम और विध्वंस के लिए ज्यादा उपयोग होता है। यह अभी होता हुआ दिख रहा है। रूस और यूक्रेन, गाजा और इजरायल, ईरान और इजरायल के बीच जिस तरह के युद्ध लंबे समय से चल रहे हैं उसमें तकनीकी का जिस तरह से इस्तेमाल हो रहा है उसमें विध्वंस ज्यादा हो रहा है सृजन कम हो रहा है। डिजिटल तकनीकी और संचार माध्यमों की गतिशीलता हमारे मानव जीवन को बड़ी तेजी के साथ प्रभावित कर रही है। हमें कई तरह से शक्ति संपन्न बना रही है। इसके कारण महत्वाकांक्षा भी तेजी के साथ बढ़ रही है। यही आगे चलकर विध्वंस का कारण बनती है। तकनीकी की सफलता कहीं हमें पागलपन की ओर ना पहुंचा दे, इसके लिए सजग रहने की जरूरत है।

पंजाब में तेजी से बिगड़ रही कानून-व्यवस्था

पंजाब में तेजी से बिगड़ती कानून-व्यवस्था, महाराष्ट्र में उद्धव और राज ठाकरे का गठबंधन और बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण और उस पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर इस हफ्ते पंजाबी अखबारों ने अपनी राय प्रमुखता से रखी है। सूबे की कानून व्यवस्था पर चंडीगढ़ से प्रकाशित पंजाबी ट्रिब्यून अपने संपादकीय पंजाब में बढ़ता अपराध में लिखता है- अबोहर के व्यापारी संजय वर्मा की दिनदहाड़े हत्या और मोगा के एक क्लीनिक में अभिनेत्री तानिया के पिता की गोली मारकर हत्या ने एक तरह से यह उजागर कर दिया है कि किस तरह संगठित अपराध राज्य में आपराधिक गतिविधियों को आसानी से अंजाम दे रहा है। अखबार लिखता है शिक्षित युवाओं में बेरोज़गारी, नशे की लत व जल्दी पैसे कमाने का लालच कई पंजाबी युवाओं को अपराध की ओर धकेल रहा है। सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार और गैंगस्टरों का महिमामंडन आग में घी डालने का काम कर रहा है। पंजाब में आपराधिक-आतंकवादी गठजोड़ अब स्थानीय नहीं रहा; यह अंतर्राष्ट्रीय, तकनीकी रूप से सक्षम और वैचारिक रूप से अस्थिर हो गया है। यह संकट जितना लंबा चलेगा, पंजाब के भविष्य को पटरी पर लाना उतना ही मुश्किल होता जाएगा। जालंधर से प्रकाशित पंजाबी जागरण लिखता है- पंजाब पिछले कुछ समय से आपराधिक गतिविधियों में बढ़ोतरी के कारण सुर्खियों में है। अबोहर में हुई एक घटना ने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी है। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े एक समूह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के ज़रिए इस घटना की जिम्मेदारी ली है। ऐसा नहीं है कि राज्य में इस तरह की यह पहली घटना है। यह घटना आम बात है। अबोहर की घटना ने पंजाब में जबरन वसूली के बढ़ते मामलों पर भी प्रकाश डाला है। जालंधर से प्रकाशित अजीत लिखता है— आजकल पूरे राज्य में लूटपाट का बोलबाला है। अबोहर की घटना के बाद सरकार एक बार फिर विपक्षी दलों के निशाने पर आ गई है। विपक्ष खासकर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से विधानसभा में कानून व्यवस्था के मुद्दे पर विशेष बहस की मांग की है।

जालंधर से प्रकाशित रोजाना पंजाब टाइम्स लिखता है— वर्ष 2023-24 की रिपोर्टों के अनुसार, पंजाब मंप जबरन वसूली और धमकियों से जुड़े मामलों में वृद्धि देखी गई है। पंजाब पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, जून 2022 से फरवरी 2023 तक जबरन वसूली और धमकी के 278 मामले दर्ज किए गए, जो मार्च 2023 से दिसंबर 2023 तक बढ़कर 307 हो गए। यह वृद्धि समाज और पुलिस प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती पेश कर रही है। अखबार लिखता है, सिद्धू मूसेवाला की हत्या ने संगठित अपराध की गंभीरता को उजागर किया, लेकिन इसके ख़िलाफ़ कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई। जबरन वसूली की घटनाओं ने पंजाब के व्यापारियों और छोटे उद्योगपतियों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। कई व्यापारी और कलाकार धमकियों के कारण अपना व्यवसाय या पेशा छोड़ने की सोच रहे हैं। इसका राज्य की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। चंडीगढ़ से प्रकाशित रोजाना स्पोक्समैन लिखता है, इस साल अब तक चंडीगढ़ में हत्या के 15 मामले दर्ज किए गए हैं। आंकड़े बताते हैं कि तेजी से हो रहे शहरीकरण, अन्य कारकों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश और बिहार से पंजाब और चंडीगढ़ की ओर युवा पीढ़ी के बढ़ते पलायन के कारण भी गंभीर और घातक अपराधों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। जिन व्यवसायों में स्थानीय लोगों की विशेषज्ञता है, उनमें बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने जैसी मांगें राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर उठने लगी हैं। पंजाब और चंडीगढ़ को भी अब इस दिशा में कुछ सार्थक कदम उठाने की ज़रूरत है। बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण और इस बाबत सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों पर चंडीगढ़ से प्रकाशित पंजाबी ट्रिब्यून लिखता है- सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को जारी रखने की अनुमति दे दी है, लेकिन साथ ही उसने चुनाव आयोग से एक बहुत ही प्रासंगिक प्रश्न पूछा हैः अभी क्यों? अदालत ने यह बिल्कुल सही बात कही है कि विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले इस तरह की कवायद से लोगों के मन में संदेह पैदा होना स्वाभाविक है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया है कि इस प्रक्रिया में आधार कार्ड पर विचार क्यों नहीं किया जा रहा है। उसका मानना है कि चुनाव अधिकारियों को आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड पर विचार करना चाहिए।

टैरिफ युद्ध अमेरिका पर ही भारी पड़ सकता है

प्रहलाद सबनानी

अमेरिका में श्री डानल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है। अमेरिका में विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार बार परिवर्तन कर तथा इन टैरिफ की दरों को लागू करने की तिथि में परिवर्तन कर ट्रम्प प्रशासन टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस सम्बंध में अब स्पष्टता का पूर्णतः अभाव दिखाई देने लगा है। अब तो विभिन्न देशों को ऐसा आभास होने लगा है कि अमेरिकी प्रशासन विभिन्न देशों पर टैरिफ की दरों के माध्यम से अपना दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है ताकि ये देश अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अमेरिकी शर्तों पर शीघ्रता के साथ सम्पन्न करें।

श्री ट्रम्प द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न किया जा रहा है। अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधि मंडल अमेरिका में गया था तथा निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहा एवं ऐसा कहा जा रहा है कि द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा रही है। हालांकि, इस बीच अमेरिका द्वारा कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया गया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। इस सम्बंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। इस सूची में भारत का नाम शामिल नहीं है।

पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था। जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी सम्पन्न किया जा चुका है। पूर्व में, ट्रम्प प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता सम्पन्न हो सका है। भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है परंतु इसकी अभी तक घोषणा नहीं की गई है। द्विपक्षीय समझौते के लिए शेष देशों पर दबाव बनाने की दृष्टि से ही इन देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों को एक बार पुनः बढ़ाये जाने का प्रस्ताव है और इन बढ़ी हुई दरों को 1 अगस्त 2025 से लागू करने की योजना बनाई गई है।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि सम्बंधी निर्णयों की आलोचना की है और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है। दरअसल, भारत इस समय विकास के उस चक्र में पहुंच गया है जहां पर भारत को अपना पूरा ध्यान आर्थिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। भारत को यदि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करना है तो आगे आने वाले लगभग 20 वर्षों तक लगातार लगभग 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखना अति आवश्यक है। इसलिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत अपने आर्थिक विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के रूस के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो अमेरिका से भी अपने सम्बन्धों को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है। भारत के इजराईल के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो ईरान के साथ भी भारत के व्यापारिक सम्बंध हैं। रूस एवं यूक्रेन युद्ध के बीच भी भारत ने दोनों देशों के साथ अपना संतुलित व्यवहार बनाए रखा है। इसी कड़ी में, चीन के साथ भी आवश्यकता अनुसार बातचीत का दौर जारी रखा जा रहा है, बावजूद इसके कि कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत के विरुद्ध कार्य करता हुआ दिखाई देता है।

अभी हाल ही में चीन ने भारत को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) की आपूर्ति पूर्णतः रोक दी है। साथ ही, मानसून का मौसम भारत में प्रारम्भ हो चुका है एवं भारत में कृषि क्षेत्र में गतिविधियां अपने चरम स्तर पर पहुंच गई हैं, ऐसे अत्यंत महत्वपूर्ण समय पर चीन द्वारा भारत को उर्वरकों की आपूर्ति पर परेशनियां खड़ी की जा रही हैं। चीन द्वारा समय समय पर भारत के लिए खड़ी की जा रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु भारत ने विश्व के पूर्वी देशों एवं विश्व के दक्षिणी भाग में स्थित देशों की ओर रूख किया है। अभी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने घाना, नामीबिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, त्रिनिदाद एवं टोबैगो जैसे देशों की यात्रा इस उद्देश्य से सम्पन्न की है ताकि दुर्लभ खनिज पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इन देशों में दुर्लभ खनिज पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। भारत में 140 करोड़ नागरिकों का विशाल बाजार उपलब्ध है, जिसे अमेरिका एवं चीन सहित विश्व का कोई भी देश नजर अन्दाज नहीं कर सकता है। यदि अमेरिका एवं चीन भारत के साथ अपने सम्बन्धों को किसी भी कारण से बिगाड़ने का प्रयास करते हैं तो लम्बी अवधि में इसका नुक्सान इन्हीं देशों को अधिक होने जा रहा है है क्योंकि ऐसी स्थिति में वे भारत के विशाल बाजार से वंचित हो जाने वाले हैं।

> “अभी हाल ही में चीन ने भारत को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) की आपूर्ति पूर्णतः रोक दी है। साथ ही, मानसून का मौसम भारत में प्रारम्भ हो चुका है एवं भारत में कृषि क्षेत्र में गतिविधियां अपने चरम स्तर पर पहुंच गई हैं, ऐसे अत्यंत महत्वपूर्ण समय पर चीन द्वारा भारत को उर्वरकों की आपूर्ति पर परेशनियां खड़ी की जा रही हैं। चीन द्वारा समय समय पर भारत के लिए खड़ी की जा रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु भारत ने विश्व के पूर्वी देशों एवं विश्व के दक्षिणी भाग में स्थित देशों की ओर रूख किया है। अभी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने घाना, नामीबिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, त्रिनिदाद एवं टोबैगो जैसे देशों की यात्रा इस उद्देश्य से सम्पन्न की है ताकि दुर्लभ खनिज पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।”

अधिकारों और गरिमा से लैस श्रमशक्ति का निर्माण

हिरण्मय पंड्या

भारत सरकार द्वारा हाल ही में स्वीकृत की गई बहुप्रतीक्षित रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना देश की श्रमशक्ति के लिए एक स्वागत योग्य राहत है। एक मजदूर संगठन (ट्रेड यूनियन) के तौर पर, हम इसे एक ऐसे दीर्घकालिक मांग के रूप में देखते हैं जोकि आखिरकार साकार हो रही है। यह एक ऐसी सक्रिय नीति है जो रोजगार सृजन, कौशल विकास और औपचारिकीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। हम इस अनूठी पहल की शुरुआत करने के लिए सरकार की सराहना करते हैं। इससे 3.5 करोड़ से अधिक श्रमिकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इन श्रमिकों में 1.9 करोड़ से अधिक पहली बार काम करने वाले श्रमिक भी शामिल हैं। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) इस योजना को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में श्रमिकों को प्राथमिकता देने की सरकार के इरादे की पुष्टि के रूप में देखता है।

ईएलआई योजना एक ऐसे व्यापक रोजगार सहायता ढांचे का हिस्सा है, जो पिछले वर्ष शुरू की गई सरकार की इंटर्नशिप एवं कौशल विकास योजनाओं जैसी मौजूदा पहलों का पूरक है। कुल मिलाकर इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विशेष रूप से नौकरी की सुलभता और सामाजिक सुरक्षा कवरेज के मामले में ऐतिहासिक रूप से पिछड़े श्रेणी 2 और श्रेणी 3 वाले शहरों के युवाओं के लिए रोजगार क्षमता को बेहतर बनाना, औपचारिक रोजगार की राह तैयार करना तथा श्रम सुरक्षा को मजबूत करना है। कर्मचारियों के खातों में सीधे योगदान देकर, यह योजना नियोक्ताओं के लिए औपचारिकीकरण की लागत को कम करती है और युवाओं व पहली बार काम करने वाले कर्मियों को औपचारिक श्रमशक्ति का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करती है। इससे पेंशन, स्वास्थ्य सेवा और अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा लाभों की सुलभता सुनिश्चित होती है। इसके अलावा, मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को अतिरिक्त सहायता प्रदान करके, यह योजना रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सभी इलाकों और समुदायों में समान आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का वादा भी करती है। यह योजना न केवल श्रमिकों के लिए एक नया अवसर पेश करती है, बल्कि सम्मानजनक, स्थिर और समावेशी रोजगार की दिशा में एक सार्थक बदलाव को भी दर्शाती है।

ईएलआई योजना का सबसे सराहनीय पहलू यह है कि यह औपचारिक रोजगार और वित्तीय साक्षरता से जुड़े 15,000 रुपये तक के प्रत्यक्ष प्रोत्साहन के जरिए नौकरियों में प्रवेश करने वाले नए लोगों को सशक्त बनाने पर केन्द्रित है। कई लोगों के लिए, यह अनौपचारिक से हटकर अधिकार-आधारित व गरिमापूर्ण रोजगार की दिशा में बढ़ते हुए अनुबंधों, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल पर सुरक्षा से लैस कामकाज के व्यवस्थित माहौल से उनका पहला परिचय है। बीएमएस लंबे समय से श्रमिकों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले ऐसे बदलावों की हिमायत करता रहा है। औपचारिकीकरण केवल वेतन-भुगतान से संबंधित अनुपालनों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह नियोक्ता-कर्मचारी के बीच के संबंधों की प्रकृति को भी मौलिक रूप से बदल देता है। सुरक्षा और सम्मान पाने वाले कर्मचारी अधिक योगदान देते हैं, लंबे समय तक टिके रहते हैं और भरोसे का निर्माण करते हैं। यह कर्मचारियों के लिए पेंशन, चिकित्सा संबंधी लाभ, भविष्य निधि से जुड़ी बचत और जरूरत पड़ने पर कानूनी सहायता की सुलभता सुनिश्चित करता है। यह योजना ट्रेड यूनियन के साथ सार्थक जुड़ाव, संस्थागत शिकायत निवारण और कार्यस्थल से जुड़े विवादों में कमी लाने की गुंजाइश बनाती है। इस दृष्टि से, ईएलआई योजना का आशय केवल रोजगार सृजन से ही नहींहै, बल्कि पारस्परिक सम्मान एवं साझा विकास पर आधारित एक अपेक्षाकृत अधिक न्यायसंगत एवं सहभागी कामकाज की दुनिया को आकार देने से भी है।

ईएलआई योजना की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह भारत के कौशल एवं रोज़गार के व्यापक ढांचे के अनुरूप ढली हुई है। इससे ऐसा रोजगार सुनिश्चित होता है जो टिकाऊ और सशक्त दोनों हो। वित्तीय साक्षरता, अप्रेन्टिसशिप कार्यक्रमों, आईटीआई सुधारों और भर्ती से जुड़े कौशल (प्लेसमेंट लिंक्ड स्किलिंग) को जोड़कर, यह योजना कौशल हासिल करने से लेकर गरिमापूर्ण काम पाने तक का एक स्पष्ट मार्ग प्रशस्त करती है। इसका ध्यान केवल नौकरी में प्रवेश तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आगे बढ़ने और करियर में प्रगति पर भी केन्द्रित है। इससे युवा श्रमिकों को औपचारिक श्रम बाजारों के साथ जुड़े रहने में मदद मिलती है। खासकर, महामारी के बाद की अनिश्चितताओं और तेजी से बदलते तकनीकी बदलावों की पृष्ठभूमि में। इससे दीर्घकालिक रोज़गार और विकास सुनिश्चित होता है।

ईएलआई योजना सही साधन प्रदान करती है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि यूनियन, राज्य और अन्य संगठनों जैसे सभी हितधारक इसके साथ किस प्रकार जुड़ते हैं। यह योजना ट्रेड यूनियनों को नए औपचारिक श्रमिकों के साथ जुड़ाव बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और अपने कार्यस्थलों को आकार देने में सार्थक रूप से भाग ले सकें। रोजगार सृजन के साथ-साथ कार्यस्थल पर मजबूत लोकतंत्र, बेहतर श्रम-प्रबंधन संवाद और समस्याओं के समाधान में सहयोगात्मक रवैये को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। भविष्य में, ईएलआई योजना भारत के विकास से जुड़े दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जैसे-जैसे हम विकसित भारत@2047 के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हमारा लक्ष्य विकास या औद्योगिक विस्तार से परे जाकर एक कुशल, संरक्षित, प्रेरित तथा अर्थव्यवस्था में औपचारिक रूप से समन्वित श्रमशक्ति का निर्माण करना होना चाहिए। ईएलआई योजना इसी दृष्टिकोण के अनुरूप है और यह एक ऐसे भविष्य की नींव रखती है जहां युवा सशक्त और औद्योगिक संबंध सहयोगात्मक हों। बीएमएस इस दूरदर्शी कदम की सराहना करता है और श्रमिकों एवं राष्ट्र की बेहतरी के लिए इसके प्रति अपना रचनात्मक समर्थन व्यक्त करता है।

> “ईएलआई योजना सही साधन प्रदान करती है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि यूनियन, राज्य और अन्य संगठनों जैसे सभी हितधारक इसके साथ किस प्रकार जुड़ते हैं। यह योजना ट्रेड यूनियनों को नए औपचारिक श्रमिकों के साथ जुड़ाव बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और अपने कार्यस्थलों को आकार देने में सार्थक रूप से भाग ले सकें। रोजगार सृजन के साथ-साथ कार्यस्थल पर मजबूत लोकतंत्र, बेहतर श्रम-प्रबंधन संवाद और समस्याओं के समाधान में सहयोगात्मक रवैये को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।”

कभी गुलजार रहता था सराज, बाढ़ की विभीषिका से वीरान हो गया आज

नरेंद्र भारती

कभी गुलजार रहता था सराज, बाढ़ की विभीषिका से वीरान हो गया आज। दर्दनाक मंजर है लोगों की आँखों में खौफ है क्यूंकि खौफनाक त्रासदी ने जो ज़ख्म दिए हैं ताउम्र रिसते रहेंगे। बहुत ही मार्मिक और रूह को हिलाने वाला दृश्य चारों तरफ नजर आता है पहाड़ जमीन पर उत्तर गए हैं। असहनीय दर्द है हर आँख आंसू बहा रही हैं क्यूंकि अपनों को खोने का दर्द अपने ही समझ सकते हैं। बाढ़ ने आशियानों का वजूद ही मिटा दिया है सब कुछ तबाह कर दिया है। ऊँचे पहाडों में रहने वाले भोले भाले लोगों पर दुखों का पहाड़ टूट पडा है पहाड़ जैसा हौसला रखने वाले लोगों को तोड़ कर रख दिया है पहाड़ जैसे दुःख से उभरने में बहुत समय लगेगा। चंद मिनटों में बाढ़ सब कुछ बहाकर ले गईं सिर्फ तन पर जो कपड़े पहने थे वहीं बचे हैं नंगे पाँव मीलों का रास्ते तय करके जान बची है बरसात से पूरा सराज वीरान हो चूका है चारों तरफ मलवा ही मलवा और विशालकाय चट्टानों के ढेर नजर आ रहे हैं। चारों तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है कीचड़ ही कीचड़ बिखरा हुआ है भयंकर बाढ़ का भयानक मंजर देखकर आत्मा सिहर उठती है। बाग बगीचे धराशयी हो गए आलीशान मकान ढह गए सपनों के महल टूट गए है। बाढ़ ने घरों को तिनका तिनका बिखेर दिया हैं इंटे पत्थर बिखरे हुए हैं घर का सारा सामान बाढ़ की भेंट चढ़ गया सोने चांदी के आभूषण बह गए नकद पैसा बह गया उम्र भर की जमा पूंजी बाढ़ बहा कर ले गईं है। बाढ़ ने सेकड़ों लोगों को पल भर में लील लिया। हर घर गांव में चीखो पुकार मची हुई है क्यूंकि बाढ़ में किसी ने अपना बेटा,किसी ने माँ बाप तो किसी ने बहन खोई है। सैकड़ो बच्चे अनाथ हो गए माता बहनों की मांग का सिंदूर मिट गया। सराज प्रकृति का स्वर्ग था कुदरत के कहर ने नरक बना दिया। सराज कभी खुशियों से गुलजार था बच्चों की किलकारियां गूंजती थी लेकिन अब सुनसान व वीरान हो चूका है और मलबे मे तब्दील हो चूका है अब श्मशान बन चूका है। दबे पाँव आई बाढ़ सब बहा कर ले गईं है छोटे छोटे बच्चे बिछड़ चुके हैं एक नौ महीने की नवजात निकिता जिन्दा बची है उसके परिवार के लोग बाढ़ की चपेट में आने से बेमौत मारे गए हैं।सराज का हर गाँव की गलियों का नामोनिशान मिट चूका है मकान जमीदोज हो चुके हैं चारों तरफ मलबा बिखरा हुआ है चारों तरफ चीत्कार मचा हुआ है लोग बदहवास हैं प्रत्येक गाँव गमगीन है हर आँख नम है,अपनों का गम है अपनों को खो चुके लोगों की आँखे पथरा गई हैं सराज के लोग 30 जून 2025 की डरावनी व स्याह रात कभी नहीं भूल पाएंगे ऐसी रात सदियों तक याद रहेगी बच्चे छीन लिए माँ बाप छीन लिए बेकसूर लोगों को चंद सेकेण्ड में सुला दिया ताउम्र अपनों की याद आती रहेगी भयानक बाढ़ से पूरी कायनात कांप उठी है गाँव के सैकड़ो लोगों का एक साथ काल का ग्रास बन जाना बहुत बड़ी त्रासदी है रोंगटे खड़े हो जाते है कैसे यह प्रलय हुआ होगा आसूंओं का सैलाब निर्बाध बह रहा है असहनीय व दर्दनाक पीड़ा से जूझ रहे हैं,राहत शिविरों में रातें काटने को मजबूर हैं एक एक रात काटना दुशवार हो गया है, आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं भूखे प्यासे लोग अपनों को ढूंढ रहे हैं रो-रो कर आँखो का पानी सूख चूका है आँखों में सूजन हो गई है दिन रात एक आशा है की क़ब उनके अपने मिल जाएँ जो मलबे में दफन हो चुके हैं मीलों दूर बह चुके हैं एक एक दिन युग लग रहा है। तबाही का ऐसा मंजर लाशों का अंबार लगा गया सैलाब में बह चुके लोगों के शव नहीं मिल रहे हैं जो मलवे में फंसे है या कहीं बह कर क्षत विक्षत हो चुके होंगे। जून में प्रकृति ने तबाही की ऐसी इबारत लिखी है की सब कुछ तबाह हो गया तहस नहस हो गया जीवन पटरी से उतर गया है।

श्रावण मास में जरूर लें ये 5 संकल्प

भगवान शिव कर देंगे जीवन का उद्धार

हिंदू धर्म में सावन माह और सोमवार का खास महत्तव है. मान्यता है कि सावन मास में संकल्प लेने से न सिर्फ मन को शांति मिलेगी, बल्कि आत्मिक विकास भी होता है. ऐसे कुल 5 संकल्प हैं जो बेहद खास माने जाते हैं. तो आइये जानते हैं उन पांचों संकल्प के बारे में...

सावन मास भगवान शिव को समर्पित खास महीना है. इस पूरे महीने में पूजा, व्रत और अभिषेक का बड़ा महत्व होता है. मान्यता है कि अगर इस शुभ समय में आप एक संकल्प लेकर नियमपूर्वक साधना करें तो न सिर्फ मन को शांति मिलेगी, बल्कि आत्मिक विकास भी होता है. आइए जानते हैं श्रावण के इस पवित्र महीने में कौन से 5 आसान लेकिन असरदार संकल्प लिए जा सकते हैं. साथ ही स्टोरी में ये भी जानेंगे कि सावन के सोमवार इतने अहम क्यों होते हैं. सबसे पहले जानते हैं पांच संकल्पों के बारे में

1. ब्रह्म मुहूर्त में जागकर साधना संकल्प लें

श्रावण मास के पहले दिन ब्रह्म मुहूर्त (सूर्योदय से 45 मिनट पूर्व) में उठें और संकल्प लें. संकल्प का मतलब किसी व्रत, साधना या सेवा का दृढ़ निश्चय लेना है. दाहिने हाथ में चावल और गंगाजल लेकर आंखें बंद करें. इस दौरान अंगूठा और तर्जनी उंगली मोड़ें रखें. भगवान शिव के मंत्र का जाप करें. महादेव को उनका प्रिय भोग लगाएं और व्रत-उपासना करें. अगर आपने एक बार ये संकल्प ले लिया तो उसे तोड़ें नहीं, बल्कि निरंतर करते रहें.

2. प्राणायाम/योग

प्रत्येक दिन कम से कम 45 मिनट तक प्राणायाम या सौम्य योगासन करें. इससे शरीर और मन दोनों की ऊर्जा शुद्ध होती है और ध्यान की गहराई बढ़ती है. यह अभ्यास विशेषकर ब्रह्म मुहूर्त में करना अत्यंत लाभकारी होता है.

3. ध्यान (ध्यान विधि)

साफ, शांत स्थान पर पीठ सीधी करके बैठें और आंखें बंद करें. "ॐ नमः शिवाय" या महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें और अपने श्वास पर ध्यान केंद्रित करें. आप 11, 21, 51 या 108 माला जप कर सकते हैं. इसे आप दिन या सप्ताह में भागों में भी पूरा कर सकते हैं.

4. सोमवार या पूरे मास उपवास रखें

उपवास शरीर और मन दोनों की शुद्धि का माध्यम है. आप केवल सोमवार को फलाहार व्रत रख सकते हैं. यदि आप पहली बार उपवास रख रहे हैं तो फलाहार (फल, दूध आदि) से शुरुआत करें. यह उपवास तप की भावना को जागृत करता है.

5. शिवलिंग अभिषेक करें

प्रत्येक दिन या कम से कम हर सोमवार शिवलिंग का अभिषेक करें. यदि आपके घर में शिवलिंग है और आप मंत्रों का उच्चारण जानते हैं तो यह काम घर पर भी कर सकते हैं. अन्यथा भगवान शिव के मंदिर जाकर करें. बेलपत्र, पुष्प, भोग आदि अर्पित करें. यदि संभव हो तो ब्रह्म मुहूर्त में रुद्राभिषेक करना सर्वश्रेष्ठ माना जाता है.

सावन के सोमवार का महत्व

अब जानते हैं कि सावन के सोमवार इतने महत्तवपूर्ण क्यों है. वैसे तो इस बार सावन में चार सोमवार पड़ने वाले हैं, जो बेहद ही महत्तवपूर्ण हैं. माना जाता है कि सावन के सोमवार को भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है. मान्यता है कि इस दिन किए गए व्रत, जाप और अभिषेक से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं. विशेष रूप से कुंवारी कन्याएं अच्छे जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए और विवाहित महिलाएं वैवाहिक सुख के लिए सावन के सोमवार को व्रत रखती हैं. यह दिन इच्छाओं की पूर्ति, मानसिक शांति और मोक्ष की ओर ले जाता है.

प्राचीन सिद्धपीठ 84 घंटा मंदिर

वर्ष 1911 में नेपाल नरेश ने चढ़ाया था अष्ट धातु का घंटा

सावन में चढ़ती हैं लाखों कांवड़

मुरादाबाद के किसरौल स्थित प्राचीन सिद्धपीठ चौरासी घंटा मंदिर में सावन मास के सोमवार और महाशिवरात्रि पर हजारों-लाखों कांवड़ चढ़ती है। इसके अलावा भक्त भी काफी संख्या में यहां जलाभिषेक करते हैं। वर्ष 1911 में यहां तत्कालीन नेपाल नरेश आए थे और उन्होंने मंदिर में अष्ट धातु का घंटा चढ़ाया था। 114 साल बाद भी यह घंटा मंदिर में टंगा है। वर्तमान में मंदिर परिसर में सैकड़ों घंटे टंगे हुए हैं।

महानगर के थाना नागफनी क्षेत्र के किसरौल में स्थित 84 घंटा मंदिर का इतिहास बहुत पुराना है। चौरासी घंटा मंदिर शिवलिंग स्वयंभू है। यह अपने आप उदित हुआ है। चौरासी लाख योनियों की पौराणिक मान्यता पर ही मंदिर का नाम चौरासी घंटा पड़ा। सरकारी आंकड़ों में यह मंदिर पांच हजार साल पुराना दर्ज है। लखनऊ की पुरातत्व विभाग की टीम ने इस मंदिर में लगे पीपल के पेड़ की छाल से जांच करके पता लगाया था कि यह पेड़ पांच हजार साल से अधिक पुराना है। एक किलोमीटर के दायरे में मंदिर में लगे पीपल की जड़े पहुंच चुकी हैं। जिसकी जड़ में दीपक जलाने से लोगों की मुरादें पूरी होती हैं। दूसरी ओर मंदिर में घंटा चढ़ाने की मान्यता भी है।

चौरासी घंटा मंदिर के मुख्य पुरोहित पंडित विष्णु दत्त ने बताया कि मंदिर में शिवलिंग के दर्शन करने के लिए वर्ष 1911 में तत्कालीन नेपाल नरेश आए थे और उन्होंने मंदिर में अष्ट धातु का घंटा चढ़ाया था। 114 साल बाद भी यह घंटा मंदिर में टंगा है। दूसरे घंटों से अलग इसका रंग ही देखकर पता चलता है कि यह पीतल का नहीं किसी अन्य धातु का है। मंदिर में आने वाले श्रद्धालु इस घंटे को जरूर बजाते हैं। मंदिर के भवन के पुराने स्वरूप में आज भी कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

सावन मास के प्रत्येक सोमवार पर व महाशिवरात्रि पर रात्रि तीन बजे खोल दिये जाते हैं मंदिर के कपाटः सावन मास के सभी सोमवार पर 84 घंटा मंदिर में लगभग हजारों-लाखों कांवड़ चढ़ती है व अंतिम सोमवार पर करीब एक लाख से अधिक कांवड़ चढ़ाई जाती हैं। वहीं महाशिवरात्रि पर भी यहां 50 हजार से अधिक कांवड़िये अपनी कांवड़ चढ़ाकर अपना संकल्प पूरा करतें हैं।

खेल की खबरें

गांगुली लाये भारतीय क्रिकेट में बदलाव

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ऐसे कप्तान रहे हैं जिन्होंने भारतीय क्रिकेट को बदलकर रख दिया। गांगुली ने ही टीम को आक्रामक बनाकर लड़ना सिखाया। इसी का परिणाम है कि अब टीम विदेशी धरती पर भी किसी भी प्रकार के हालात में निडर होकर खेलती है। गांगुली को जब साल 2000 में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। तब टीम फिक्सिंग के आरोपों से जूझ रही थी। 83 की विश्व विजेता होने के बावजूद कमजोर टीमों में गिनी जाती थी। विदेशों में जीत तो भारतीय टीम के लिए सपना हुआ करती थी। तभी गांगुली कप्तानी संभालते हैं और अपनी नेतृत्व क्षमता से भारतीय क्रिकेट का चेहरा ही बदल देते हैं। गांगुली को बंगाल टाइगर, दादा, प्रिंस ऑफ कोलकाता जैसे नामों से भी जाना जाता है।

गांगुली की सबसे बड़ी खूबी खिलाड़ियों की परख और उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराना थी। कप्तानी संभालने के बाद गांगुली ने उन खिलाड़ियों को अवसर दिया जिन्होंने आगे चलकर भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर पहुंचाया। इनमें स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह, मोहम्मद कैफ, हरभजन सिंह, जहीर खान, आशीष नेहरा, गौतम गंभीर, महेन्द्र सिंह धोनी और वीरेंद्र सहवाग जैसे नाम हैं। इन सभी को अवसर देने में गांगुली की अहम भूमिका थी।

गांगुली की कप्तानी में भारत ने निडर होक क्रिकेट खेलना शुरू किया। इस वजह से टीम को टेस्ट और एकदिवसीय दोनों ही प्रारुपों में बड़ी सफलता मिली

गांगुली की कप्तानी में भारत ने विदेश में जीतना सीखा। नेटवेस्ट ट्रॉफी 2002 के फाइनल में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को उसकी धरती पर हराया. भारत ने टेस्ट में विदेश में अपना प्रभाव जमाना और जीतना गांगुली के दौर में ही सीखा. गांगुली 2005 तक कप्तान रहे. पांच साल के अपने कार्यकाल में फिक्सिंग के आरोपों का सामना करने वाली टीम को उन्होंने दुनिया की मजबूत क्रिकेट टीम बना दिया। गांगुली ने धोनी को दिनेश कार्तिक पर प्राथमिकता दी थी। इसके बाद धोनी न सिर्फ भारत के सर्वश्रेष्ठ और सफलतम कप्तान बने।

इसके बाद गांगुली जब बीसीसीआई अध्यक्ष थे, तब विराट की जगह रोहित शर्मा को कप्तान बनाने का फैसला उन्होंने ही लिया था।

आईसीसी से 60 ओवरों के बाद गेंद बदलने की मांग उठी

इंग्लैंड की गेंद बनाने वाली कंपनी ड्यूक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से मांग की है कि टेस्ट क्रिकेट में 60 ओवर के बाद ही नई गेंद मिलनी चाहिये। अभी 80 ओवरों के बाद ही गेंद बदली जाती है। ड्यूक्स गेंद हाल ही में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आयोजित दो अलग-अलग टेस्ट सीरीज में शिकायत के बाद जांच के दायरे में आई है, जिसके बाद इस गेंद कंपनी ने सुझाव दिया है कि आईसीसी को वर्तमान 80 ओवर के स्थान पर 60 ओवर के बाद दूसरी नई गेंद लाने पर विचार करना चाहिए। भारत और इंग्लैंड की बीच जारी टेस्ट सीरीज में काफी एक्शन और बड़े स्कोर वाले मुकाबले देखने को मिले हैं। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी दूसरे टेस्ट में मिली जीत के बाद इस गेंद पर सवाल उठाये थे। शुभमन ने कहा था कि पिच से भी ज्यादा, गेंद नरम हो रही है और बहुत जल्दी खराब हो रही है जिससे खेलना कठिन हो रहा है। अगर आपको पता है कि किसी भी तरह की मदद के लिए सिर्फ 20 ओवर बचे हैं और फिर आपको बाकी दिन रक्षात्मक होकर बिताना है, सिर्फ यह सोचना है कि रन कैसे रोकें, तो खेल अपना महत्व खो देता है।

इस को लेकर ड्यूक्स कंपनी का कहना है कि गेंद की आलोचना करना चलन में आ गया है। कंपनी का कहना है कि जब भी गेंदबाजों को परेशानी आती है और विकेट नहीं मिलते तो वह गेंद को दोष देने लगते हैं। कप्तानों ने यह आदत बना ली है। कई बार गेंदबाज अंपायरों पर दबाव बनाने गेंद की शिकायत करते हैं। 1980 से ये नियम है कि 80 ओवर के बाद आपको नई गेंद फील्डिंग टीम के कप्तान के कहने पर मिल जाएगी।

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में लगातार गेंद बदलने की मांग होती रही है। इसी कारण ऋषभ पंत को आईसीसी ने फटकार लगायी थी। लीड्स में अंपायरों द्वारा गेंद बदलने के लिए टीम के अनुरोध को ठुकरा दिये जाने के बाद उन्होंने गुस्से में गेंद को पटक दिया था।

यहां तक कि मैच के आखिर दिन, भारत की ओर से गेंद बदलने का पहला अनुरोध 14वें ओवर में आया, जिसके बाद कई बार ऐसी अपील की गई। आखिरकार 28वें ओवर में अंपायरों ने नरम रुख अपनाया और गेंद बदली गई। इतना ही नहीं, गेंद बदलने के लिए इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट में अंपायरों से अनुरोध किया। इंग्लैंड ने 16वें ओवर से ही गेंद की स्थिति के बारे में अंपायरों से शिकायत करनी शुरू कर दी थी। चार असफल अनुरोधों के बाद 56वें ओवर में गेंद को बदला गया, जिसमें अधिकारियों ने उस गेंद को खेलने के लिए अनुपयुक्त करार दिया, जिसकी कोई निश्चित परिभाषा नहीं है।

उधर, वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज में भी ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने गेंद को लेकर शिकायत की थी। उन्होंने कहा था कि कभी भी 70 ओवर पुरानी इतनी नरम गेंद से उन्होंने गेंदबाजी नहीं की है। इंग्लैंड, आयरलैंड और वेस्टइंडीज में टेस्ट मैच ड्यूक्स से खेले जाते हैं। ये गेंद तेज गेंदबाजों के लिए फायदेमंद रही है। कंपनी का कहना है कि मैच सपाट पिचों पर मैच खेले गए हैं। इसी कारण गेंद खराब हुई है।

बल्लेबाज और खिलाड़ी जितने शक्तिशाली हैं, वे गेंद को इतनी जोर से मार रहे हैं कि वह इतनी तेजी से स्टैंड्स से टकराती है कि कभी-कभी इसका आकार बिगड़ जाता है। ऐसे मामलों में, अंपायर के पास आकार की जांच करने के लिए आईसीसी द्वारा दिया गया एक गेज होता है। ड्यूक्स गेंद को गेंदबाजों के अनुकूल माना जाता है और अब जब एक पारी में पांच या छह शतक बन रहे हैं, तब भी हर कोई गेंद को दोष दे रहा है।

खेल नीति में बदलाव से भारतीय फुटबॉल को मिलेंगी नई प्रतिभाएं : एआईएफएफ प्रमुख

भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) अध्यक्ष कल्याण चौबे ने विदेशों मे रहने वाले भारतीय मूल के खिलाड़ियों को देश की ओर से खेलने की अनुमति दिये जाने को एक सही कदम बताया है। चौबे ने कहा कि इससे भारतीय फुटबॉल टीम को लाभ होगा और उसे अच्छी प्रतिभाएं मिलेंगी। उन्होंने इसकी राह में आने वाली बाधाओं को भी दूर किये जाने की जरुरत बतायी है। गौरतलब है कि नई राष्ट्रीय खेल नीति को एक जुलाई को कैबिनेट की मंजूरी मिल गयी थी। इसके अब विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के खिलाड़ियों के पास देश से खेलने का अवसर हैं।

वहीं अब तक केवल भारतीय पासपोर्ट रखने वाले खिलाड़ी ही देश का प्रतिनिधित्व कर सकते थे। चौबे ने कहा, ''जब राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन की बात आती है तो खेल नीति में प्रवासी प्रतिभाओं तक अब हमारी पहुंच बनेगी। मुझे खुशी है कि नीति में इसका संदर्भ शामिल है।'' उन्होंने कहा, ''यह सकारात्मक बयान है। एआईएफएफ फीफा और सरकार के साथ मिलकर राष्ट्रीय टीम को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास करना जारी रखेगा।'' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के लोगों को टीम से जोड़ने की मांग उठी है। साथ ही कहा कि मलेशिया, हांगकांग, सहित कई देशों ने अपनी टीमों में दोहरी नागरिकता वाले खिलाड़ियों को शामिल किया है। वहीं साल 2008 में प्रवासियों को देश का प्रतिनिधित्व करने से रोक दिया गया था जिससे देश का मिलने वाली कई प्रतिभाएं उससे जुड़ नहीं पायीं। खेलो भारत नीति में कहा गया है कि खेल भारतीय प्रवासियों और देश के बीच संबंध बेहतर बनाने का जरिया बन सकता है।

ऋषभ की तुलना गिलक्रिस्ट से किया जाना सही नहीं : अश्विन

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की तुलना ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट से नहीं की जा सकती है। अश्विन ने कहा कि ये दोनो ही अलग-अलग तरह के खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि ऋषभ को अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहिये। उन्होंने कहा कि हालातों के अनुसार खेलने के कारण ये विकेटकीपर बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में भारत के सबसे भरोसेमंद मैच-विजेताओं में से एक के रूप में उभरा है। वह तब अच्छा प्रदर्शन करते हैं जब सबसे टीम को सबसे ज्यादा जरूरत होती है। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में शतक बनाने की उनकी क्षमता ने टीम को कई बार कठिन हालातों से उबरने और मैच को पलटने में कई बार मदद की है। इसके अलावा अश्विन ने ये भी कहा है कि इस क्रिकेटर की तुलना एडम गिलक्रिस्ट से नहीं होनी चाहिए।

ऋषभ ने लीड्स के हेडिंग्ले में दोनों पारियों में शतक लगाये और वह एंडी फ्लावर के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे विकेटकीपर बने थे। लीड्स में इतिहास रचने के बाद उन्होंने बर्मिंघम में दूसरी पारी में 58 गेंदों पर 65 रनों की तेज पारी खेली, जिससे भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचने में मदद मिली। वह सेना देशों (ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका) में 2000 रन बनाने वाले पहले एशिया विकेटकीपर हैंने। अश्विन ने कहा है कि इस क्रिकेटर को टीम को और भी ज्यादा देने के लिए टीम की जरूरतों के हिसाब से खेलना चाहिए।

अश्विन ने कहा, मैं ऋषभ को अपनी क्षमता हासिल करते देखना चाहता हूं। हम चाहते हैं कि वह हमारा मनोरंजन करे। वह ऐसा कर सकता है और जरूरत पड़ने पर संयम भी दिखा सकता है। वह अब कोई नया खिलाड़ी नहीं है। मैं उसे उसके मानकों पर खरा उतरना चाहता हूं। उसकी तुलना अक्सर तेज गति से बल्लेबाजी करने के लिए एडम गिलक्रिस्ट से होती है। हालांकि, अश्विन का कहना है कि ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। वह एडम गिलक्रिस्ट जैसा नहीं है, कई लोग उसकी तुलना गिलक्रिस्ट से करते हैं। उसका डिफेंस इतना अच्छा नहीं था। ऋषभ का डिफेंस बेहतरीन है। उसकी तुलना गिलक्रिस्ट से नहीं, बल्कि कुछ बेहतरीन बल्लेबाजों से की जानी चाहिए।

कोटा में ट्रक में घुसी मिनी बस, 4 की मौतः दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसा, ज्वेलर फैमिली इंदौर से सगाई फंक्शन से लौट रही थी

कोटाः सगाई फंक्शन से लौट रही मिनी बस (ट्रैवलर) आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। इस हादसे में 2 सगे ज्वेलर भाई, उनकी मां और बहनोई (बहन के पति) की मौत हो गई। परिवार के 10 अन्य लोग घायल हैं। इसमें से 7 की स्थिति गंभीर है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर दुर्घटना रविवार सुबह कोटा (ग्रामीण) के दीगोद उपखंड इलाके में सुबह करीब 5 बजे हुई। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया- शनिवार को करौली के सीताबाड़ी इलाके की रहने वाली ज्वेलर फैमिली इंदौर (मध्य प्रदेश) गई थी। इंदौर में लड़के का सगाई-गोदभराई कार्यक्रम था। शनिवार को ही रात के नौ बजे परिवार के सभी लोग मिनी बस से करौली के लिए चले थे। रविवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के चंबल पुल पर (बुढ़ादीत गांव) दुर्घटना हो गई। हादसा देखकर लगता है कि मिनी बस की स्पीड काफी तेज थी। आशंका जताई जा रही है कि मिनी बस के ड्राइवर को झपकी आने के कारण हादसा हुआ है। मिनी बस में सवार सुरेश सोनी (45), ब्रजेश सोनी (45), गीता सोनी (63) और अनिल सोनी (48) की मौत हो गई। अनिल और ब्रजेश सगे भाई थे। इनकी मां गीता थी। सुरेश, गीता के दामाद थे। अनिल और ब्रजेश ज्वेलर थे। सुरेश सरकारी टीचर थे। उनकी पोस्टिंग भरतपुर में थी।

सीएम सरमा को है अंदेशा, भूमिहीनों का दूरस्थ इलाकों में बसना कहीं कोई साजिश तो नहीं

गुवाहाटी,(ईएमएस)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक चौंकाने वाला बयान देते हुए अंदेशा जाहिर किया, कि राज्य में भूमिहीन और भूमि कटाव से प्रभावित लोग सुनियोजित तरीके से 200-300 किलोमीटर दूर ऐसे इलाकों में बस रहे हैं, जहां हिंदू या असमिया मुसलमान बहुसंख्यक हैं। ऐसे में यह एक साजिश हो सकती है।
मुख्यमंत्री सरमा का यह बयान ऐसे समय आया है जबकि राज्य सरकार ने धुबरी और गोलपारा जिलों में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण रोधी अभियान चलाकर आरक्षित वनों सहित करीब 4,500 बीघा भूमि को खाली कराया है। सीएम सरमा ने शनिवार को कहा था, कि इन अभियानों में जिन लोगों को हटाया गया, उनमें से अधिकांश बांग्ला भाषी मुसलमान थे। सरमा ने कहा, मुद्दा सिर्फ अतिक्रमण का नहीं है। असल सवाल यह है कि ये लोग इतने लंबे फासले तय करके क्यों उन क्षेत्रों में बस रहे हैं, जहां हिंदू या असमिया मुसलमान रहते हैं। क्या यह एक सुनियोजित कदम है, ताकि भविष्य में मूल निवासियों को अल्पसंख्यक बनाया जा सके?
मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि राज्य में लगभग 8 लाख बीघा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हुआ है, जिसमें वनों, नदी किनारों और सार्वजनिक जमीनों को भी कब्जा किया गया है। उन्होंने इस पर चिंता जताई कि यदि इसे समय रहते नहीं रोका गया, तो यह सामाजिक और सांस्कृतिक संतुलन के लिए खतरा बन सकता है। सीएम के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में यह बहस तेज हो गई है कि क्या वास्तव में यह बसावट एक संगठित साजिश है या केवल एक मानवीय संकट का परिणाम, जिसका समाधान समावेशी नीति और पुनर्वास के माध्यम से किया जाना चाहिए।

खून की जांच के लिए नैनो मशीन, खून यूरिन खाद्य पदार्थ और पानी की जांच

रायपुर (ईएमएस)। रवि शंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की रिसर्च टीम द्वारा एक ऐसी नैनो स्मार्ट मशीन बनाई गई है। जिसमें खून, यूरिन, खाद्य पदार्थ और पानी की जांच आसान तरीके से की जा सकेगी। इस मशीन का वजन सिर्फ 187 ग्राम है। इसकी लागत भी 5000 रूपये से कम है।
कम लागत की सटीक परिणाम देने वाली इस मशीन को अब गांव गांव में लगाया जा सकता है। इस मशीन को प्रोफेसर कमलेश कुमार और अरुण पटेल द्वारा तैयार किया गया है। गांव में अब आसानी से जांच हो सकेगी। इस मशीन में यूवी विजिबल स्पेक्ट्रोफोटो मीटर की तरह है। यह मशीन 50 किलो की होती है। अब मात्र 187 ग्राम की मशीन से खून पेशाब खाद्य पदार्थ पानी एवं प्रोटीन की जाँच और उसकी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

ईरान के रास्ते लाहौरी नमक की तस्करी, कांडला पोर्ट में 4 कंटेनर रोजाना की आवक

नई दिल्ली (ईएमएस)। पहलगाम के आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान का लाहौरी नमक अब ईरान के रास्ते तस्करी के माध्यम से भारत लाया जा रहा है। भारत सरकार ने पाकिस्तान से आयात पर रोक लगा रखी है। जिसके कारण अब तस्करी के माध्यम से आ रहा है। भारत में सेंधा नमक का उपयोग बड़े पैमाने पर उपवास और औषधि के रूप में किया जाता है। लाहौरी नमक अब ईरान के रास्ते से कांडला पोर्ट से होते हुए भारत पहुंच रहा है। रोजाना 4 से 5 कंटेनर भारत आ रहे हैं। पहलगाम की घटना के बाद जब आयात बंद कर दिया गया था। उसके बाद से नमक के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ गए थे। ईरान के रास्ते जो सेंधा नमक आ रहा है। वह 2600 रूपये से लेकर 3300 प्रति क्विंटल में बिक रहा है। तस्करी से नमक आने के कारण अब इसकी कीमतें बढ़ गई है। व्रत और उपवास में सेंधा नमक का सबसे ज्यादा उपयोग होता है। एक कंटेनर में 35 टन नमक आता है। कांडला पोर्ट में 140 टन सेंधा नमक रोजाना आ रहा है।

कोचिंग सेंटर कल्चर खतरनाक, यह बच्चों के विकास में रुकावट पैदा कर रहाः धनखड़

कोटा,(ईएमएस)। कोटा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटर कल्चर राष्ट्रीय एजुकेशन पॉलिसी के खिलाफ है। यह कल्चर खतरनाक है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को फॉलो नहीं कर रहे हैं। ये उच्च दबाव के क्षेत्र में है, जो बच्चों के विकास में रुकावट पैदा करते हैं। विशेषकर कोटा का युवा यहां के कोचिंग सेंटर की वजह से आगे देखने में असमर्थ है। मीडिया रिपोर्अ के मुताबिक रानपुर स्थित ट्रिपल आईटी के दीक्षांत समारोह में शनिवार को उपराष्ट्रपति ने कहा कि मैं आश्वस्त हूं कि यह हमेशा के लिए नहीं है। समय बदलेगा और बड़ी संख्या में लोगों के माइंडसेट को बदलने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान के शिक्षा मंत्री यहां मौजूद मैं कहना चाहूंगा कि स्कूल-कॉलेज में स्टूडेंट्स की संख्या ज्यादा बढ़े, ऐसी पॉलिसी पर विचार करना चाहिए। धनखड़ ने शिक्षा को फैक्ट्री की तरह संचालित करने की प्रवृत्ति का विरोध करते हुए कहा कि हमें इस असेंबली-लाइन संस्कृति को समाप्त करना होगा, क्योंकि यह हमारी शिक्षा के लिए खतरनाक है।

ओडिशा सेक्सुअल हैरेसमेंट केस, पीड़ित 95% झुलसीः वेंटिलेटर पर, सीएम बोले- जरूरत पड़ी तो एयरलिफ्ट भी करेंगे; एचओडी से परेशान होकर आग लगाई थी

भुवनेश्वरः ओडिशा के सीएम ने रविवार को भुवनेश्वर एम्स पहुंचकर आग लगाकर सुसाइड की कोशिश करने वाली फकीर मोहन कॉलेज की छात्रा से मुलाकात की। वो 90-95 फीसदी झुलसी है। वो आईसीयू वार्ड में वेंटिलेटर पर है। सीएम मोहन चरण माझी ने कहा- अगले 24 घंटे बहुत अहम हैं। दिल्ली एम्स के डॉक्टरों से भी मीटिंग की है। जरूरत पढ़ने पर छात्रा को एयरलिफ्ट किया जाएगा। इलाज का पूरा खर्चा सरकार उठाएगी। राष्ट्रीय महिला आयोग ने ओडिशा डीजीपी को मामले में खिलाफ सख्त एक्शन लेने का निर्देश दिया है। दरअसल, बीएड डिपार्टमेंट के एचओडी समीर कुमार साहू पर पीड़ित छात्रा समेत दूसरी छात्राओं के मानसिक और शारीरिक शोषण के आरोप हैं।
पुलिस ने साहू को गिरफ्तार किया है। वो छात्राओं से सेक्सुअल फेवर मांगता था। छात्रा आरोपी के खिलाफ कॉलेज प्रशासन के एक्शन नहीं लेने से नाराज थी। उसने खुद को आग लगाने से पहले कॉलेज प्रिंसिपल से भी चर्चा की थी।

मामले की जांच के लिए कमेटी गठित

ओडिशा के शिक्षा मंत्री सूर्यबंशी सूरज ने कहा- पीड़ित छात्रा के इलाज का पूरा खर्चा राज्य सरकार उठाएगी। मामले की जांच के लिए हाई लेवल कमेटी का गठन किया गया है। टीम बालासोर के लिए रवाना हुआ है। पीड़ित परिवार से भी मुलाकात की है। उन्होंने कहा कि आरोपी टीचर को गिरफ्तार किया गया। उसे आज कोर्ट में पेश किया गया है।

नवीन पटनायक बोले- शिकायत के बाद छात्रा को न्याय नहीं मिला

मामले पर ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने X पोस्ट में कहा- घटना से ये बात सामने आई है कि बार-बार शिकायत के बाद छात्रा को न्याय नहीं मिला। 1 जुलाई को पीड़ित ने सोशल मीडिया पर भी अपने शिकायत रखी थी, लेकिन एक्शन नहीं लिया गया। वो महीने से पीड़ित थी। कॉलेज प्रिंसिपल, केंद्रीय मंत्री, ओडिशा सीएम से शिकायत के बाद उसे न्याय नहीं मिला। राज्यपाल हरि बाबू कभमपति छात्रा को न्याय दिलाएं।

प्रिंसिपल से शिकायत की, कार्रवाई नहीं हुई

दरअसल, फकीर मोहन कॉलेज में बीएड सेकेंड ईयर की कुछ छात्राओं ने इंटीग्रेटेड बीएड डिपार्टमेंट के एचओडी समीर कुमार साहू के खिलाफ प्रिंसिपल से शिकायत की थी। कहा था कि एचओडी उनका मानसिक शोषण करता है। एक छात्रा ने यहां तक कहा कि एचओडी ने उससे फिजिकल होने को भी कहा था। एचओडी के खिलाफ पहले भी शिकायत की जा चुकी थी, लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया था।

प्रिंसिपल बोले- छात्रा मिलने आई, फिर उसने आग लगा ली

घटना पर कॉलेज प्रिंसिपल दिलीप कुमार घोष ने कहा- 30 जून को मेरे पास एचओडी समीर कुमार साहू के खिलाफ शिकायत आई थी। कुछ छात्राओं ने बताया कि समीर कुमार साहू उनका मानसिक उत्पीड़न कर रहा है। एक लड़की ने यहां तक कहा था कि गार्डन के पास शिक्षक ने शारीरिक संबंध बनाने की मांग की थी। उसी दिन छात्रों ने घेराव किया था और पुलिस को बुलाया गया था। प्रिंसिपल ने कहा कि छात्रों की मांग पर हमने इंटरनल कम्प्लेंट कमेटी बनाई थी। इसमें सीनियर महिला टीचर, प्रतिनिधि और कुछ बाहरी सदस्य थे। कमेटी ने 7 दिन में रिपोर्ट दी थी। हालांकि कुछ छात्र तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे थे। आज छात्रा मुझसे मिलने आई, मैंने 20 मिनट तक उसे समझाया, लेकिन वह कहने लगी कि अब और इंतजार नहीं कर सकती और यहां से चली गई। करीब 15-20 मिनट बाद पता चला कि उसने खुद को आग लगा ली है।

सरकार ने प्रिंसिपल को सस्पेंड किया

मामला सामने आने के बाद ओडिशा सरकार ने इस मामले में कॉलेज प्रशासन की गंभीर लापरवाही मानते हुए प्रिंसिपल घोष को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। सरकार के जारी आदेश में कहा गया है कि प्रिंसिपल घोष बिना अनुमति शहर नहीं छोड़ सकते हैं।

तमिलनाडु में मालगाड़ी पटरी से उतरी, 18 बोगियां जलीः 52 बोगियों में डीजल था, 40 अलग की गईं

तिरुवल्लूरः तमिलनाडु के तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन के पास मनाली से जोलारपेट होते हुए कर्नाटक जा रही एक डीजल मालगाड़ी पटरी से उतर गई। इसके बाद उसमें आग लग गई। शुरुआत में पांच बोगियों में आग लगी। बाद में यह 18 बोगियां आग की चपेट में आ गईं। घटना रविवार सुबह 5.30 बजे हुई। मालगाड़ी में 52 बोगियां थीं।
जिला कलेक्टर एम प्रताप ने बताया कि 40 बोगियों को जलती हुई ट्रेन से अलग कर लिया गया है। वहीं, रेलवे स्टेशन के आसपास रहने वाले लोगों को निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाया गया। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है।
फायर ब्रिगेड की कई टीमें बुलाई गईं। दोपहर तक मिली जानकारी के मुताबिक 10 गाड़ियों की मदद से आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। इधर, रेलवे और पुलिस घटना वाली जगह से 100 मीटर दूर पटरी पर मिली दरार की भी जांच कर रहे हैं।

रेलवे का बयान- तीसरे डिब्बे में सबसे पहले लगी थी आग

रेलवे ने एक बयान में बताया कि मालगाड़ी के तीसरे डिब्बे में आग लगने की खबर मिलते ही, लोको पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाए। तिरुवल्लूर के स्टेशन मास्टर ने ओवरहेड (ओएचई) बिजली आपूर्ति बंद रोक दी। हालांकि, जब तक ट्रेन रोकी गई, आग 19वें डिब्बे तक फैल गई थी।
इस हादसे के कारण चेन्नई को बैंगलोर, केरल और रेणुगुंटा/तिरुपति से जोड़ने वाले चेन्नई अरकोणम सेक्शन में रेल परिचालन स्थगित करना पड़ा। चेन्नई सेंट्रल से शुरू होने वाली या वहां तक जाने वाली 12 मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया गया, और कई अन्य ट्रेनों का या तो रूट बदल दिया गया या उन्हें बीच में ही रोक दिया गया।

आग की घटना से ट्रेनों के समय में हुआ बदलाव

ट्रेन हादसे के कारण डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल स्टेशन से रवाना होने वाली ट्रेनों सहित कई ट्रेनें रद्द कर दी गईं या प्रभावित हुईं। दक्षिण रेलवे ने एक बयान में कहा कि तिरुवल्लूर के पास आग लगने की घटना के कारण सुरक्षा उपाय के तौर पर ओवरहेड पावर बंद कर दिया गया है। इसके कारण ट्रेनों के समय में बदलाव किए गए हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे यात्रा से पहले लेटेस्ट अपडेट देख लें।

स्वच्छता सर्वेक्षण-2024, इंदौर समेत 15 शहर सुपर लीग में

नई दिल्लीः स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 में इंदौर, सूरत और नवी मुंबई जैसे 15 शहरों को 'स्वच्छता सुपर लीग' में रखा गया है। पहले इसमें दो साल टॉप-3 में रहे शहर शामिल होते थे, अब अवधि बढ़ाकर तीन साल कर दी गई है। इस लीग में शामिल शहरों की रैंकिंग नहीं होती, लेकिन इन्हें 12,500 अंकों की स्कीम के तहत अंक मिलेंगे। इससे अन्य शहरों को टॉप रैंक पाने का ज्यादा मौका मिलेगा। सर्वे कमेटी में शामिल सूत्रों का कहना है कि स्वच्छता में इस बार अहमदाबाद पहले नंबर पर रह सकता है। वहीं, भोपाल दूसरा और लखनऊ तीसरा स्थान हासिल कर सकता है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 17 जुलाई को स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार देंगी। आधिकारिक घोषणा वहीं होगी।
पिछले साल (2024) ही स्वच्छ सुपर लीग नाम की नई श्रेणी जोड़ी गई थी। इसमें दो साल से टॉप-3 में आने वाले शहरों को लिया गया था, लेकिन एक दिन पहले ही इसमें बदलाव कर अवधि 3 साल कर दी गई। पिछली बार लीग में सिर्फ 12 शहर थे, अब 15 हो गए हैं। इंदौर लगातार सात बार देश का नंबर-1 स्वच्छ शहर बन चुका है, लेकिन इस बार सूरत और नवी मुंबई के साथ रैंकिंग से बाहर रहेगा, क्योंकि स्वच्छता सुपर लीग में शामिल शहरों की रैंकिंग नहीं की जाती। लीग में वही शहर शामिल होते हैं, जो पिछले तीन वर्षों में टॉप-3 में रहे हैं। भले ही स्वच्छता में स्वच्छ सुपर लीग अलग श्रेणी बना दी गई है, लेकिन देश के सभी शहरों को सफाई व्यवस्था के आधार पर 12500 में से अंक दिए जाएंगे। दरअसल, हर साल अलग-अलग कैटेगरी (50 हजार से ज्यादा और 10 लाख से अधिक आबादी) में टॉप करने वाले कुछ शहर लगातार टॉप-3 में बने हुए थे। इससे अन्य शहरों के लिए मुकाबले की जगह सीमित रह जाती थी।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश- चेतावनी के बावजूद उड़ा ड्रीमलाइनरः विमान का संतुलन बताने वाला सेंसर फेल होने का अलर्ट था

सरकार बोली- अभी नतीजा न निकालें

नई दिल्लीः अहमदाबाद में 12 जून को एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के क्रैश होने शुरुआती जांच रिपोर्ट शुक्रवार रात करीब ढाई बजे जारी की गई। यह रिपोर्ट एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने जारी की है। भारत सरकार की यह संस्था हवाई हादसों की जांच करती है। एएआईबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि AI-171 कोड के साथ लंदन जाने वाले एअर इंडिया ड्रीमलाइनर ने पिछली उड़ान दिल्ली से अहमदाबाद के बीच भरी थी। उड़ान के ठीक बाद पायलट ने 'STAB POS XDCR' नाम का तकनीकी अलर्ट दर्ज कराया था। इस अलर्ट का मतलब है कि विमान का संतुलन बताने वाला सेंसर फेल हो सकता है। यह सेंसर बताता है कि विमान का हॉरिजेंटल स्टेबलाइजर (पिच बैलेंस बनाने वाला पिछला पंख) किस स्थिति में है। यदि यह डेटा सही न मिले, तो ऑटोपायलट, पिच कंट्रोल और स्टॉल प्रोटेक्शन जैसे अहम सिस्टम गलत कमांड दे लगते हैं। विशेषकर टेकऑफ और शुरुआती चढ़ाई जैसे क्रिटिकल फेज में यह गलती हो सकती है।

क्रिटिकल अलर्ट के एक घंटे बाद उड़ान भरने की इजाजत

पायलट ने सुबह 11:17 बजे यह अलर्ट दिया था और 12:40 बजे विमान को उड़ान की मंजूरी दे दी गई। यानी महज एक घंटे में गड़बड़ी दूर करने का दावा करके विमान को उड़ान के लिए क्लियर कर दिया गया। इसी विमान ने दोपहर 1:38 बजे अहमदाबाद से लंदन के लिए टेकऑफ किया और महज 30 सेकेंड बाद दोनों इंजन बंद होने से यह एयरपोर्ट के पास बने मेडिकल हॉस्टल बिल्जिंग पर क्रैश हो गया। हादसे में विमान 241 लोगों समेत कुल 260 लोग मारे गए थे। विमान में केवल एक यात्री जिंदा बचा था। हादसे की शुरुआती रिपोर्ट को लेकर सरकार ने कहा है कि इस पर स्टडी की जा रही है। इस पर अभी कोई निष्कर्ष न निकाला जाए।

टेकऑफ के 3 सेकंड में ही दोनों इंजन के फ्यूल स्विच बंद हुए

अहमदाबाद में क्रैश एअर इंडिया विमान के साथ आखिरी पलों में क्या हुआ था? एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने 15 पेज की शुरुआती रिपोर्ट में इसका उल्लेख किया है। इसके अनुसार दोनों पायलट अनुभवी और उड़ान के लिए फिट थे। विमान भी फिट था। कुछ समय पहले इंजन बदले थे। हालांकि, उड़ान भरने के 3 सेकंड में ही फ्यूल स्विच बंद हो गए। रिपोर्ट किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। लेकिन जांच की दिशा काफी हद तक स्पष्ट हो रही है। इंजन फ्यूल कट ऑफ होना असामान्य है। ऐसे में, तकनीकी या मानवीय चूक दोनों पर जांच बढ़ेगी।

भारतीय सेना के देशी श्वान में राजापलयाम और रामपुर हाउंड भी हुए शामिल

मेरठ,(ईएमएस)। अब भारत की पारंपरिक श्वान नस्लें फिर चर्चा में हैं। इनमें भी ऐसी नस्लें जो एक समय शाही परिवारों की सुरक्षा करती थी, अब देश की रक्षा और सुरक्षा में भारतीय सेना के फौजी श्वान दस्ते में शामिल होकर अपना गौरव वापस ले रही हैं। आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान देती भारतीय सेना की फोर्स मल्टीप्लायर, आरवीसी सेंटर एंड कालेज ने इस ओर कदम बढ़ाया है। मुधोल हाउंड और चिप्पीपराई जैसी भारतीय श्वान नस्लों के सफल प्रशिक्षण के बाद अब राजापलयाम और रामपुर हाउंड हो भी सेना में शामिल किया गया है। रामपुर हाउंड को नवाब अहमद अली खान बहादुर ने अफगान हाउंड और इंग्लिश ग्रेहाउंड के प्रजनन से स्वदेसी नस्ल तैयार कराई थी जिसे रामपुर हाउंड नाम दिया गया। नवाब अली ने जंगली पशुओं से सुरक्षा और शिकार के लिए शिकारी कुत्तों का दल तैयार किया था। केंद्र सरकार ने 2005 में रामपुर हाउंड पर डाक टिकट जारी किया था। मध्य प्रदेश पुलिस ने इस प्रजाति को अपने डाग स्क्वाड में शामिल किया है। देशी श्वानों की इन चारों प्रजातियों की खूबियां ही इन्हें फौजी श्वान बनने के लिए योग्य बनाती हैं। इनका दुबला-पतला शरीर लेकिन बेहद चुस्ती, फूर्ति और आक्रामकता इन्हें विदेशी श्वानों से पूरी तरह अलग करती हैं। इनमें सूंघने की शक्ति, खोजी प्रवृत्ति इन्हें गार्ड और असाल्ट दोनों श्रेणी में खास बनाती हैं।

अफ्रीकी देश से लिथियम आपूर्ति को लेकर एनएलसी इंडिया मिलाएगी रुसी कंपनी से हाथ

सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी एनएलसी इंडिया लिमिटेड अफ्रीका में स्थित एक लिथियम खदान से खनिज की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक रूसी सरकारी कंपनी के साथ उन्नत स्तर की बातचीत कर रही है। सूत्रों के अनुसार, एनएलसी इंडिया की बातचीत रूस की एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी से माली स्थित लिथियम ब्लॉक में हिस्सेदारी के लिए चल रही है। यह कदम उस समय उठाया जा रहा है जब भारत अपने स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए लिथियम जैसी महत्वपूर्ण धातुओं की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय प्रयास कर रहा है। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरियों की बढ़ती मांग के मद्देनज़र लिथियम की आवश्यकता तेजी से बढ़ रही है। एनएलसी इंडिया मुख्य रूप से कोयला और लिग्नाइट खनन तथा बिजली उत्पादन के क्षेत्र में कार्यरत है। कंपनी ने हाल के वर्षों में अक्षय ऊर्जा और कोयला खनन के क्षेत्र में भी देश और विदेश में अपने कदम बढ़ाए हैं। हाल ही में एनएलसी इंडिया को पांचवें चरण की खनिज नीलामी में दो महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉक प्राप्त हुए हैं। कंपनी ने छत्तीसगढ़ राज्य में फॉस्फोराइट और चूना पत्थर के दो ब्लॉक हासिल किए हैं। वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो, एनएलसी इंडिया ने मार्च 2025 में समाप्त तिमाही में अपने समेकित लाभ में चार गुना से अधिक की छलांग लगाई है। कंपनी ने इस तिमाही में 468.46 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 113.95 करोड़ था। एनएलसी इंडिया के इस रणनीतिक कदम से न केवल भारत की लिथियम आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी, बल्कि देश की स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं को भी गति मिलेगी।

योगी सरकार संवारेगी यूपी की विरासत! 11 ऐतिहासिक इमारतों का होगा कायाकल्प, पर्यटन केंद्र बनाने की तैयारी

उत्तर प्रदेश के महोबा में मौजूद पेशवा बाजीराव की प्रेमिका व पत्नी मस्तानी का महल, पहले स्वतंत्रता संग्राम का गवाह रहा लखनऊ का आलमबाग भवन, कोठी दर्शन विलास सहित कई धरोहर इमारतें अब निजी क्षेत्र के सहयोग से संवारी जाएंगी। प्रदेश के मशहूर विरासत स्थलों में से कई को होटल में भी बदला जाएगा। योगी सरकार प्रदेश के 11 विरासत भवनों और किलों को भव्य पर्यटन स्थलों में बदलेगी। इनमें से कई किले इतिहास में अपनी खास उपस्थिति रखते हैं तो कई अपने स्थापत्य के चलते दुनिया भर में जाने जाते हैं। योगी सरकार ने खंडहर में तब्दील हो रहे राज्य के ऐतिहासिक धरोहरों को नया जीवन देने के लिए प्रयास शुरू कर दिये हैं। इनके संरक्षण, मरम्मत, सजावट व देखरेख का काम निजी संस्थाओं को सौंपा जाएगा। निजी हाथों में जाने और सजने-संवरने के बाद इन स्थानों पर पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और रोजगार पैदा होगा।

पर्यटन विभाग प्रदेश के 11 पुराने किलों और भवनों को चमकाने की तैयारी में है। विभाग ने एजेंसियों के माध्यम से इसके लिए अनुरोध प्रस्ताव आमंत्रित किया है। ये काम निजी सार्वजनिक सहभागिता के तहत होगा, जहां एजेंसी इन जगहों को डिजाइन करेगी, बनाएगी, पैसे लगाएगी, चलाएगी और बाद में सरकार को सौंप देगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शुरू होने जा रही इस पहल से न सिर्फ इन विरासत किलों और भवनों का इतिहास बचेगा, बल्कि स्थानीय पर्यटन बढ़ेगा और हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी मिलेगा।
इन 11 विरासत स्थलों में ललितपुर का तालभेहट किला, बांदा का रनगढ़ और भुरागढ़ किला, गोण्डा की वजीरगंज बारादरी, लखनऊ का आलमबाग भवन, गुलिस्तान-ए-एरम और दर्शन विलास, कानपुर की टिकैत राय बारादरी, महोबा का मस्तानी महल और सेनापति महल, झांसी का तहरौली किला और मथुरा का सीताराम महल या कोटवान किला शामिल हैं।
ये सभी जगहें अपनी खास वास्तुकला और इतिहास की कहानियों के लिए मशहूर हैं। इनका पुनरुद्धार करके इन्हें होटल, सांस्कृतिक केंद्र या संग्रहालय में बदला जाएगा, ताकि पर्यटक यहां ठहर सकें और इतिहास को करीब से महसूस कर सकें। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में ये योजना खास तौर पर फायदेमंद होगी, जहां पर्यटन बढ़ने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।
पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इससे यूपी की सांस्कृतिक धरोहर को बचाने के साथ-साथ आधुनिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। पर्यटन विभाग के मुताबिक, ये परियोजना न सिर्फ इन पुरानी इमारतों को नया रूप देगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए रास्ते भी खोलेगी। हाल ही में अयोध्या, काशी, और मथुरा जैसे प्रमुख धार्मिक केंद्रों के साथ-साथ राज्य के अन्य प्राचीन मंदिरों और तीर्थ स्थलों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर लाने के लिए सरकार ने कई योजनाएं लागू की हैं। वर्ष 2024 में 65 करोड़ पर्यटकों ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थलों का दौरा किया, जो इस साल और भी बढ़ सकता है।

पाकिस्तान का परमाणु कार्यक्रम सिर्फ 'रक्षा और शांति' के लिए

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को जो नुकसान पहुंचाया वह किसी से छिपा नहीं है। दोनों न्यूक्लियर पावर देशों के बीच संघर्ष को लेकर पूरी दुनिया टेंशन में आ गई थी। अब पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने अपने परमाणु हथियारों को सिर्फ 'रक्षा और शांति' के लिए बताया है। पाकिस्तान परमाणु हथियार के नाम पर भारत को ब्लैकमेल करता है। वह हर बार ऐसा दिखाने की कोशिश करता था कि अगर भारत ने हमला किया तो वह सीधे परमाणु बम का इस्तेमाल करेगा, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर ने उसके न्यूक्लियर ब्लैकमेल की हवा निकाल दी है। शहबाज शरीफ ने कहा है कि पाकिस्तान का परमाणु कार्यक्रम सिर्फ 'रक्षा और शांति' के लिए है, किसी भी प्रकार की 'आक्रामकता' के लिए नहीं। यह बयान तब आया है जब भारत के ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान के 'परमाणु ब्लैकमेलिंग' को लेकर दुनिया भर में चिंता जताई जा रही थी। वहीं भारत

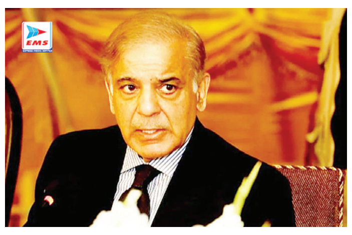

के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा था कि पाकिस्तान का कोई हमला कामयाब नहीं हुआ। अगर हुआ हो तो पाकिस्तान सबूत दिखाए। इस्लामाबाद में छात्रों से बातचीत करते हुए पीएम शहबाज शरीफ ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के भारत के साथ हुए संघर्ष को याद किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने पूरी ताकत से जवाब दिया, लेकिन हमारा परमाणु कार्यक्रम केवल राष्ट्रीय सुरक्षा और शांति के लिए है, हमलावर मंसूबों के लिए नहीं। बता दें पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की। भारत ने 7 मई को बहावलपुर सहित 9 आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए थे, जो जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों के गढ़ माने जाते हैं। इन हमलों के बाद पीएम मोदी ने अपने राष्ट्र के नाम पहले संबोधन में कहा था कि भारत अब किसी भी परमाणु धमकी को बर्दाश्त नहीं करेगा। आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई अब उसी भाषा में होगी, जो वे समझते हैं। इस बीच पाकिस्तान की सियासत को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी इस्तीफा दे सकते हैं या फिर सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर खुद राष्ट्रपति बनने की तैयारी कर रहे हैं। इन खबरों पर शहबाज ने कहा कि ये सारी बातें महज अफवाह हैं। न तो फील्ड मार्शल मुनीर का ऐसा कोई इरादा है और न ही राष्ट्रपति जरदारी इस्तीफा दे रहे हैं। हमारे रिश्ते आपसी सम्मान और पाकिस्तान की तरक्की पर आधारित हैं।

बोले शहबाज- मियां... वो तो बख्श दिया... हम तो भारत में परमाणु बम फोड़ने वाले थे

छात्रों के सामने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ खूब डींगे मारते दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि मियां हम तो परमाणु बम भारत पर फेंकने ही वाले थे, वो तो उनकी किस्मत अच्छी थी सो बच गए। शरीफ ने यह टिप्पणी इस्लामाबाद में पाकिस्तानी विद्यार्थियों के समूह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले दिनों भारत के साथ चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष को भी उन्होंने याद किया। शरीफ ने कहा कि भारतीय सैन्य हमलों में 55 पाकिस्तानी मारे गए। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान ने पूरी ताकत से जवाब दिया। परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना के बारे में पूछे जाने पर शरीफ ने जवाब दिया, 'पाकिस्तान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से शांतिपूर्ण उद्देश्यों और राष्ट्रीय रक्षा के लिए है, न कि हमले के लिए। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में 6 मई की देर रात पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचों को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था।पहलगाम की बैसरन घाटी में 5 सशस्त्र आतंकियों ने 26 पर्यटकों की निर्मम हत्या कर दी, जिसमें अधिकांश हिंदू पर्यटक थे। इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े द रेसिस्टेंस फ्रंट ने ली। आतंकियों ने हिंदू पुरुषों को निशाना बनाया, जिससे कई परिवार बिखर गए। इस घटना के बाद देश में आक्रोश फैल गया। भारत ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया, जिसे इस्लामाबाद ने खारिज किया। इसके जवाब में भारत ने 6-7 मई 2025 की रात ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसका नाम पीएम नरेंद्र मोदी ने उन विधवाओं के सम्मान में रखा, जिनके पति इस हमले में मारे गए।

न्यूयार्क दुनिया का सबसे महंगा शहर, 1.6 करोड़ सैलरी फिर भी परेशान

न्यूयार्क सिटी,(ईएमएस)। कहा जाता है कि जितना बड़ा शहर होगा उतना ही ज्यादा खर्चा होगा। इस बात को न्यूयॉर्क में रहने वाली भारतीय युवती मैत्री मंगल ने सच कर दी है। मैत्री ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि न्यूयॉर्क जैसे शहर में रहना कितना महंगा है। उनकी यह पोस्ट वायरल हो गई और हजारों लोगों ने इस पर कमेंट भी किए हैं। जानकारी के मुताबिक मैत्री मंगल भारतीय मूल की हैं और वह गूगल में काम करती हैं और उनका सैलरी पैकेज करीब 1.6 करोड़ रुपए है। उनका दावा है कि अगर आप बड़े शहर में रहते हैं तो 7 फिगर वाला पैकेज भी कम पड़ जाएगा। न्यूयॉर्क में पोडकॉस्ट के साथ मैत्री ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने गूगल कंपनी से मिलने वाली रकम और अमेरिका में अपने खर्चों के बारे में बताया कि किस तरह एक मोटी सैलरी भी यहां रहकर खर्चे पूरे करने के लिए काफी नहीं है। अगर आपको न्यूयॉर्क जैसे लग्जरी शहर में रहना है तो बहुत ज्यादा पैसा खर्च करने को तैयार रहना होगा। मैत्री ने खुलासा किया कि गूगल अमेरिका में रहने वाले अपने सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स को औसतन 1.6 करोड़ रुपये की सैलरी पैकेज देता है, लेकिन अमेरिका में रहना सस्ता नहीं है। उनके पैकेज को अगर महीने की सैलरी के हिसाब से देखा जाए तो यह करीब 13 लाख रुपए हर महीने होता है। उन्होंने बताया कि इतने पैसे मिलने के बावजूद उनका महीने का खर्चा मुश्किल से पूरा होता है। उन्होंने बताया कि न्यूयॉर्क दुनिया के सबसे महंगे शहरों में से एक है। मैत्री ने जिस अपार्टमेंट की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है, उसका किराया 2.5 लाख रुपए हर महीने है। हर महीने उनका करीब 5 हजार डॉलर यानी करीब 4.2 लाख रुपए सिर्फ जरूरत की चीजों पर ही खर्च होता है।

शांति पर संशयः हमास के 35 ठिकानों पर इजरायल ने किया हमला

गाजा(ईएमएस)। इजरायल का आरोप है कि हमास 'समझौते को जानबूझकर तोड़ रहा है और लचीलापन नहीं दिखा रहा। यह खबर ऐसे समय में आई है जब इजरायल ने 35 हमास ठिकानों को निशाना बनाया। कुल मिलाकर गाजा में संघर्ष विराम को लेकर चल रही बातचीत एक बार फिर अनिश्चितता में घिर गई है। शनिवार को हमास और इजरायल ने एक-दूसरे पर बातचीत में अड़चन डालने का आरोप लगाया। इस दौरान कतर में मध्यस्थता की कोशिशें जारी रहीं, जबकि इजरायली बंधकों के परिजन सरकार पर समझौता करने का दबाव बना रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एक फिलिस्तीनी सूत्र ने बताया कि इजरायल गाजा के कई हिस्सों में अपने सैनिक बनाए रखना चाहता है, जो 60 दिन के संघर्ष विराम में सबसे बड़ी बाधा बन गया है। बातचीत के बीच गाजा में बमबारी जारी रही। गाजा सिटी के निवासी बासम हमदान ने कहा, 'हम सो रहे थे कि अचानक धमाका हुआ... मां और तीन बच्चों के शव टुकड़ों में मिले।' दक्षिणी गाजा में घायलों को गधों पर लादकर या कंधों पर उठाकर अस्पताल लाया गया। इजरायली

सेना का कहना है कि उसने 48 घंटों में गाजा में 250 से ज्यादा 'आतंकी ठिकानों' पर हमला किया। वहीं, हमास-नियंत्रित स्वास्थ्य मंत्रालय का दावा है कि अब तक 57,882 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, इजरायल करीब 40 प्रतिशत गाजा क्षेत्र में सैन्य मौजूदगी बनाए रखना चाहता है, जिससे लाखों विस्थापित फिलिस्तीनी रफा के पास सीमित इलाके में फंसे रहेंगे। हमास का मानना है कि ये नक्शे गाजा पर दोबारा कब्जे को जायज ठहराने की कोशिश हैं। बातचीत में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के कतर पहुंचने तक विराम की बात कही गई है। इजरायली मीडिया के मुताबिक, रविवार को इजरायल नई योजनाएं पेश कर सकता है। 2023 और 2024 के दो संघर्षविरामों में 105 इजरायली बंधकों की रिहाई हुई थी। फिलहाल 49 बंधक अब भी हमास की कैद में हैं, जिनमें से 27 की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इजरायली वायुसेना ने गाजा के उत्तरी हिस्से में स्थित बैत हनून इलाके पर बीते एक घंटे में जबरदस्त हवाई हमले किए हैं। इजरायल डिफेंस फोर्स के अनुसार, इन हमलों में हमास के कम से कम 35 ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिनमें अंडरग्राउंड सुरंगें भी शामिल हैं। इजरायली सेना ने इन हवाई हमलों का वीडियो जारी करते हुए बताया कि यह कार्रवाई बैत हनून में हमास के खिलाफ तेज हुए सैन्य अभियानों का हिस्सा है। इलाके में मौजूद सुरंग नेटवर्क को ध्वस्त कर आतंकियों की गतिविधियों पर लगाम कसने की कोशिश की जा रही है।

ईरान में हमले के दौरान जेट में आई खराबी

पिछले महीने ईरान और इजराइल के बीच हुए 12 दिन के युद्ध के दौरान एक खतरनाक तकनीकी खामी ने इजराइली वायुसेना को पलभर के लिए संकट में डाल दिया था। चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, एक एफ-15 लड़ाकू विमान के फ्यूल टैंक में खराबी आ गई थी, जब वह पहले ही ईरान की सीमा में काफी अंदर पहुंच चुका था। इस स्थिति में विमान को मजबूरी में ईरान में आपात लैंडिंग करनी पड़ सकती थी। यह एक ऐसा कदम था जिसे इजरायल किसी भी कीमत पर टालना चाहता था। हालांकि मिशन के साथ कोई ईंधन भरने वाला विमान तैनात नहीं था, लेकिन तुरंत एक रीफ्यूलिंग प्लेन भेजने की योजना बनाई गई। साथ ही एक वैकल्पिक योजना भी तैयार की गई थी, जिसमें विमान को किसी पड़ोसी देश में इमरजेंसी लैंडिंग करानी थी ताकि ईरान में उतरने से बचा जा सके।

बांग्लादेश ने शेख हसीना के खिलाफ चली नई चाल, बेटी को डब्ल्यूएचओ ने भेज दिया छुट्टी पर

बांग्लादेश ने शेख हसीना के खिलाफ चली नई चाल, बेटी को डब्ल्यूएचओ ने भेज दिया छुट्टी पर लंदन(ईएमएस)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना भी मुश्किल में हैं। उन पर भी एक विशेष ट्रिब्यूनल ने गंभीर आरोप लगाते हुए शेख हसीना को 'मानवता के खिलाफ अपराध' के आरोपों में अभियुक्त घोषित कर दिया। बताया गया कि पिछले साल छात्र आंदोलन के दौरान सैकड़ों छात्रों की मौत के मामले में यह कदम उठाया गया। ट्रिब्यूनल ने हसीना के साथ पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान और पूर्व पुलिस प्रमुख चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून को भी आरोपी माना है। फिलहाल हसीना और खान दोनों भारत में निर्वासन में हैं और अदालत में पेश नहीं हुए।वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की डायरेक्टर साइमा वाजेद को अनिश्चितकालीन छुट्टी पर भेज दिया है। साइमा हसीना की बेटी हैं। यह फैसला ऐसे समय पर आया है जब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार उन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगा रही है। डब्ल्यूएचओ के डायरेक्टर जनरल टेड्रोस घेब्रेयेसस ने एक आधिकारिक ईमेल में जानकारी दी कि साइमा वाजेद तत्काल प्रभाव से छुट्टी पर जाएंगी। उनकी जगह अब डॉ कैथरीन बोहेमे डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया कार्यालय का कार्यभार संभालेंगी। साइमा को हटाने के पीछे मोहम्मद यूनुस सरकार को जिम्मेदार माना जा रहा है। क्योंकि बांग्लादेश की एंटी करप्शन कमीशन (एसीसी) ने ही साइमा पर कई गंभीर आरोप लगाए थे।

शिवमोग्गा जेल में छापे के दौरान कैदी ने निगल लिया मोबाइल, सर्जरी कर निकाला गया

शिवमोग्गा,(ईएमएस)। शिवमोग्गा केंद्रीय कारागार में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें छापेमारी के दौरान एक कैदी ने मोबाइल फोन निगल लिया। इस घटना ने जेल परिसर की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, जेल में अचानक हुई छापेमारी के दौरान दौलत उर्फ गुंडू (30 वर्ष) नामक एक कैदी, जो एक आपराधिक मामले में 10 साल की सजा काट रहा है, ने मोबाइल फोन को छिपाने के इरादे से उसे निगल लिया। इसके बाद उसने पेट में तेज दर्द की शिकायत की, जिसे गंभीरता से लेते हुए जेल प्रशासन ने उसे 24 जून को मैकगैन सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

एक्स-रे में खुलासा, ऑपरेशन कर निकाला गया मोबाइल

अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा किए गए एक्स-रे में साफ दिखाई दिया कि उसके पेट में मोबाइल फोन फंसा हुआ है। दो दिन बाद, 26 जून को सर्जनों ने सर्जरी कर सफलतापूर्वक फोन निकाल लिया। डॉक्टरों ने बताया कि निगला गया डिवाइस 'केचाओडा' ब्रांड का मोबाइल फोन था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कैदी ने पुलिस छापेमारी के दौरान पकड़े जाने के डर से मोबाइल निगल लिया था। इस घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि कड़ी निगरानी के बावजूद मोबाइल फोन जैसे प्रतिबंधित वस्तुएं जेल के भीतर कैसे पहुंच रही हैं? सूत्रों के अनुसार, कुछ जेल कर्मचारियों की मिलीभगत की भी आशंका जताई जा रही है। जेल अधीक्षक रंगनाथ पी. ने इस संबंध में तुंगानगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है और अब इस मामले की जांच पुलिस के साथ-साथ जेल विभाग द्वारा भी की जा रही है। हालांकि यह घटना 24 जून की है, लेकिन अब सार्वजनिक होने के बाद शिवमोग्गा सेंट्रल जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

अहमदाबाद विमान हादसे की शुरुआत रिपोर्ट की समीक्षा कर रही यूके की एएआईबी

लंदन,(ईएमएस)। ब्रिटेन की एयर एक्सीडेंट्स इन्वेस्टिगेशन ब्रांच ने रविवार को कहा कि वह हाल ही में अहमदाबाद विमान हादसे पर भारत की ओर से जारी शुरुआती रिपोर्ट की समीक्षा कर रही है। यह रिपोर्ट भारत की एएआईबी ने जारी की है, जो पिछले महीने टेक-ऑफ के कुछ ही देर बाद हुए क्रैश की शुरुआती जांच पर आधारित है। इस हादसे में 242 में से सिर्फ एक व्यक्ति की जान बच पाई थी, बाकी सभी यात्रियों और क्रू मेंबर्स की मौत हो गई थी। इस हादसे में 52 ब्रिटिश नागरिकों की भी मौत हुई थी, इसलिए यूके की एएआईबी भी इस जांच प्रक्रिया का हिस्सा है।

ब्रिटेन की एएआईबी ने भारत की शुरुआती जांच रिपोर्ट का स्वागत किया है। यह रिपोर्ट उस विमान हादसे से जुड़ी है जिसकी जांच भारत की एएआईबी कर रही है। यूके एएआईबी ने कहा है कि यह रिपोर्ट अब तक सामने आई तथ्यों का सार है। फिलहाल इस 15 पन्नों की रिपोर्ट का डिटेल में रिव्यू किया जा रहा है और भारत की एएआईबी के साथ लगातार संपर्क में है। ब्रिटेन की एएआईबी को इस जांच में 'एक्सपर्ट' का दर्जा दिया गया है। इंटरनेशनल प्रोटोकॉल्स के तहत जांच से जुड़ी कोई भी ऑफिशियल जानकारी सिर्फ भारतीय एजेंसियां ही जारी कर सकती हैं।

रिपोर्ट में पता चला है कि हादसे से कुछ सेकेंड पहले दोनों इंजनों के फ्यूल कंट्रोल स्विच "रन" पोजिशन से अचानक "कटऑफ" में चले गए थे और यह बदलाव एक सेकेंड के अंदर हुआ। इसके बाद प्लेन नीचे की और आया हो क्रैश हो गया। 12 जून को हुए एयर इंडिया हादसे में जिन ब्रिटिश परिवारों ने अपने करीबी खोए हैं, वे अब जांच प्रक्रिया में खुद के लिए एक्सपर्ट रिप्रेजेंटेशन की मांग कर रहे हैं। ये परिवार लंदन की लीगल फर्म से सलाह ले रहे हैं, जो 20 से ज्यादा परिवारों की तरफ से केस देख रही है। हादसे की शुरुआती जांच रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी एजेंसी एफएए ने एक स्पेशल बयान जारी किया था, जो सिर्फ सलाह के तौर पर था, जरूरी नहीं था। इसी वजह से एयर इंडिया ने जांच नहीं करवाई थी। इस पर परिवारों को चिंता है कि कहीं सुरक्षा मानकों में कोई ढिलाई तो नहीं बरती गई। अब जब जांच का फोकस एक खास पॉइंट पर है, तो 90 फीसदी थ्योरीज और स्पेकुलेशंस खत्म हो सकते हैं। इस हादसे में कुल 53 ब्रिटिश नागरिकों में से सिर्फ एक व्यक्ति बचा था जो कि चमत्कार था।

कनाडा में डॉग फैशन शो में एक महिला अपने कुत्ते को सजाकर पहुंची।

ढाई गुना महंगा हो जाएगा अमेरिका का वीजा, कानूनों के उल्लंघन पर किया जाएगा निर्वासन

वाशिंगटन(ईएमएस)।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई वाली रिपब्लिकन पार्टी की सरकार से अमेरिका का वीजा हासिल करना किसी टेढ़ी खीर से कम नहीं है। सप्ताह-दर- सप्ताह वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी प्रशासन से लेकर नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास की तरफ से मामले पर नई हिदायतें सामने आती रहती हैं। इसी क्रम में शनिवार को दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट की। जिसमें चेतावनी के साथ दोहराते हुए कहा कि अमेरिका का वीजा हासिल करने वाले लोगों की जांच लगातार जारी रहेगी। जिसके पीछे हमारा उद्देश्य वीजा धारकों द्वारा अमेरिका के कानूनों और आव्रजन नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करवाना है। लेकिन अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो हम उनके वीजा रद्द कर देंगे या उन्हें अमेरिका से निर्वासित कर देंगे। इसके अलावा अमेरिका वन बिग ब्यूटीफुल बिल के तहत अगले साल 2026 से गैर-अप्रवासी वीजा के लिए इंटीग्रिटी फी के नाम पर 250 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क वसूल करेगा। वर्तमान में भारतीय छात्रों के लिए अमेरिका का वीजा सबसे बड़ा आकर्षण है। बड़ी तादाद में उनके द्वारा एफ-1 और जे-1 वीजा के लिए आवेदन किया जाता है। इस साल भी ऐसी ही कवायद जारी है। ऐसे में वीजा नियमों में अमेरिका की लगातार बढ़ती सख्ती देश के छात्रों के लिए चिंता बढ़ाने वाली है। वहीं, दूसरी ओर अमेरिका में रहकर पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों की कुल संख्या 3 लाख से अधिक है। दुनिया के किसी अन्य देश की तुलना में अमेरिका में भारतीय छात्रों का यह सबसे बड़ा समूह है। जो हार्वर्ड, स्टेनफोर्ड, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) और येल जैसे प्रसिद्ध अमेरिकी विश्वविद्यालयों में शिक्षा ले रहे हैं। अमेरिका ने हालिया पास किए गए 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' के जरिए अगले साल 2026 से गैर-अप्रवासी वीजा के लिए 250 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क वसूलने का निर्णय लिया है। इससे सर्वाधिक प्रभावित होने वाले लोगों में छात्र, आईटी प्रोफेशनल्स और पर्यटक शामिल हैं। वीजा इंटीग्रिटी फी के जरिए अमेरिका द्वारा इस धनराशि को वीजा आवेदकों से लिया जाएगा। जो कि वापस यानी रिफंड नहीं की जाएगी। वीजा नियमों में सख्ती के पीछे ट्रंप प्रशासन की अवैध प्रवासियों को किसी भी सूरत में बाहर का रास्ता दिखाने की नीति का हिस्सा है। बीते समय में दुनिया के कई देशों के लोगों को अमेरिका से बाहर किया गया है। जो बिना किसी वैध वीजा के वहां प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे या पहले से अवैध ढंग से अमेरिका में रह रहे थे। गौरतलब है कि वीजा की अनवरत निगरानी की बात अमेरिकी प्रशासन पहले भी कह चुका है। लेकिन उनके भारत में मौजूद दूतावास का यह बयान एक ऐसे समय में सामने आया है। जब हाल ही में अमेरिकी प्रशासन ने गैर-प्रवासी 'एफ, एम और जे' वीजा आवेदकों से अपने सभी सोशल मीडिया खातों की प्राइवेसी (गोपनीयता) को पब्लिक (सार्वजनिक) करने का फरमान सुनाते हुए इसे वीजा जांच का अहम बिंदु बताया था।

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस के सभी कदमों का करते रहेंगे समर्थन, किम जोंग-उन ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से की मुलाकात

सोल,(ईएमएस)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात में यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध में रूस के सभी कदमों के समर्थन किया। मीडिया रिपोर्ट में कोरियन एजेंसी के हवाले से बताया गया है कि किम जोंग ने यह टिप्पणी शनिवार को लावरोव के साथ बैठक में की। इससे एक दिन पहले रूसी मंत्री अपने उत्तर कोरियाई समकक्ष के साथ दूसरे दौर की रणनीतिक वार्ता के लिए उत्तर कोरिया गए थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि किम और लावरोव ने पिछले साल जून में प्योंगयांग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ किम की शिखर वार्ता के दौरान हुए समझौतों के ईमानदारी से क्रियान्वयन पर चर्चा की थी। इसके अलावा, दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और विकसित करने के तरीकों पर भी चर्चा हुई। किम जोंग-उन ने कहा कि रूस और उत्तर कोरिया के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत, यूक्रेन संकट के मूल कारणों से निपटने के लिए रूसी नेतृत्व के सभी कदमों का बिना शर्त समर्थन और प्रोत्साहन करेगा। किम ने कहा कि दोनों देश अपने गठबंधन के स्तर के अनुरूप सभी रणनीतिक मुद्दों पर समान विचार साझा करते हैं और यह दोनों देशों के बीच स्थापित उच्च रणनीतिक स्तर को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक लावरोव ने कूटनीतिक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच रणनीतिक संचार की तारीफ की। इसके साथ ही रणनीतिक और सामरिक सहयोग को और मजबूत करने और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में ठोस कार्रवाई को तेज करने की अपनी मंशा व्यक्त की। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की मुलाकात में दोनों देशों ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का फैसला किया।

ट्रंप का टैरिफ बमः मैक्सिको समेत यूरोपियन यूनियन पर लगेगा 30 प्रतिशत शुल्क

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर टैरिफ का राग अलापा है। जबसे ट्रंप राष्ट्रपति बने हैं वे रात दिन सिर्फ टैरिफ के बारे में सोचते हैं। शनिवार को ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक लेटर पोस्ट किया। उसमें लिखा था कि मैक्सिको और यूरोपियन यूनियन से सामान के आयात पर 30 प्रतिशत का टैरिफ लगाया जाएगा। यह फैसला 1 अगस्त से प्रभावी होगा।

ट्रंप ने अमेरिका के दो सबसे बड़े ट्रेड पार्टनर्स पर टैरिफ लगाने का फैसला किया है। उन्होंने मैक्सिको के नेता को लिखे पत्र में माना है कि उनका देश अवैध प्रवासियों के प्रवाह को रोकने में मददगार साबित हुआ है। उन्होंने इस पत्र में यह भी कहा है कि देश ने उत्तरी अमेरिका को नार्को-तस्करी के मैदान बनने से नहीं रोका है। साथ ही अपने लेटर में यूरोपिय संघ के साथ व्यापार असंतुलन की बात भी उन्होंने कही है। तीन दिन पहले डोनाल्ड ट्रंप ने 7 देशों के प्रमुखों को लेटर भेजा था। ये सात देश अल्जीरिया, इराक, लिबिया, फिलिपिंस, श्रीलंका आदि थे। उन्होंने तब संतुलित और निष्पक्ष ट्रेड की बात कहते हुए 25 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने की बात कही थी। वहीं, बीते हफ्ते ट्रंप ने जापान, साउथ कोरिया, कनाडा और ब्राजील सहित कई देशों पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया था। यह टैरिफ कापर के लिए लगाया गया है। जापान और साउथ कोरिया पर कई सामानों के लिए 25 प्रतिशत की टैरिफ लगाने की भी चेतावनी दी गई है। अन्य देश जैसे इंडोनेशिया, बांग्लादेश, थाईलैंड, साउथ अफ्रीका और मलेशिया 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक के टैरिफ का सामना कर रहे हैं। बांग्लादेश और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर चल रही बातचीत बिना किसी नतीजे के बार फिर समाप्त हो गई है।

अमेरिका ने खालिस्तानियों पर कसा शिकंजा, एनआईए का मोस्ट वांटेड समेत 8 गिरफ्तार

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका की संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने खालिस्तानी आतंकियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लेते हुए 8 आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसमें एनआईए का मोस्ट वांटेड आतंकी पवित्तर सिंह बटाला का नाम भी है। जानकारी के मुताबिक एफबीआई ने एक गैंग से संबंधित अपहरण के मामले में यह कार्रवाई की है। भारतीय खुफिया एजेंसियों के मुताबिक गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी गैंगस्टर-आतंकवादी नेटवर्क से जुड़े हैं। बता दें कि पवित्तर सिंह बटाला पंजाब का एक गैंगस्टर है और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के इशारे पर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के निशाने पर है। एनआईए ने बटाला के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की है। सैन जोकिन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने शनिवार को एक बयान में कहा, 11 जुलाई 2025 को विभिन्न एजेंसियों ने एफबीआई की स्वात टीम के साथ मिलकर गैंग से संबंधित अपहरण के सिलसिले में दिलप्रीत सिंह, अर्शप्रीत सिंह, अमृतपाल सिंह, विशाल, पवित्तर सिंह, गुरताज सिंह, मनप्रीत रंधावा और सरबजीत सिंह को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान एफबीआई ने गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों के पास से 5 हैंडगन, एक असॉल्ट राइफल, सैकड़ों राउंड गोला-बारूद, मैगजीन और 15,000 अमेरिकी डॉलर से ज्यादा नकद बरामद किए हैं।

रिपोर्ट में खुलासाः रेत और धूल की वजह से हर साल होती है 70 लाख लोगों की मौत

न्यूयॉर्क(ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शनिवार को रेत और धूल के तूफानों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया और 2025 से 2034 तक को संयुक्त राष्ट्र दशक के रूप में नामित किया। महासभा के अध्यक्ष फिलेमॉन यांग ने कहा कि ये तूफान जलवायु परिवर्तन, भूमि क्षरण और गैर-स्थायी प्रथाओं के कारण तेजी से एक वैश्विक चुनौती बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन तूफानों से उत्पन्न कण हर साल 70 लाख समय से पहले मौतों का कारण बनते हैं। ये श्वसन और हृदय रोगों को बढ़ाते हैं। फसल उत्पादन को 25 प्रतिशत तक कम करते हैं, जिससे भुखमरी और पलायन की समस्याएं बढ़ जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) के अनुसार, रेत और धूल के तूफान 150 से अधिक देशों में लगभग 33 करोड़ लोगों को प्रभावित करते हैं। ये स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण पर गंभीर असर डाल रहे हैं। डब्ल्यूएमओ की प्रतिनिधि लॉरा पैटरसन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को बताया कि हर साल लगभग 2 अरब टन धूल निकलती है, जो मिस्र की 300 गीजा पिरामिडों के बराबर है। उन्होंने कहा कि दुनिया की 80 प्रतिशत से अधिक धूल उत्तरी अफ्रीका और मध्य पूर्व के रेगिस्तानों से आती है। यह सैकड़ों व हजारों किलोमीटर दूर तक महाद्वीपों और महासागरों को पार करते हुए फैलती है। पश्चिमी एशिया के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग की प्रमुख रोल दश्ती ने कहा, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में इन तूफानों से निपटने की वार्षिक लागत 150 अरब डॉलर है, जो सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2.5 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि इस वसंत में अरब क्षेत्र में तूफानों ने इराक में अस्पतालों को श्वसन रोगियों से भर दिया। कुवैत और ईरान में स्कूलों व कार्यालयों को बंद करने के लिए मजबूर किया। दश्ती ने जोर देकर कहा कि रेत और धूल के तूफानों को वैश्विक और राष्ट्रीय एजेंडा में शामिल करना जरूरी है। उन्होंने भूमि पुनर्स्थापन, सतत कृषि और एकीकृत प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों जैसे समाधानों को लागू करने के लिए सामूहिक इच्छाशक्ति और वित्त पोषण की आवश्यकता पर बल दिया।

पाकिस्तान ने लगाई थी युद्धविराम की गुहार, पीसीआई रिपोर्ट से हुआ खुलासा

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। भारत के साथ बीती मई में चार दिनों तक चले सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तानी सेना ने भारत के सामने युद्धविराम की गुहार लगाई थी। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। पाकिस्तान-चाइना इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट में बताया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए पाकिस्तान के डीजीएमओ ने ही अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क किया था। इस तरह इसने डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावे को खारिज कर दिया है। रिपोर्ट में पांच बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया है। जिसमें दावा किया गया है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रणनीति को ट्रंप के मध्यस्थता प्रयासों ने नुकसान पहुंचाया है। ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान से एक तरह व्यवहार किया और कश्मीर पर मध्यस्थता की पेशकश की। इस रुख ने क्षेत्रीय स्थिरता के रूप में चीन की भूमिका को बढ़ाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन दक्षिण एशिया में अमेरिकी प्रभुत्व बनाए रखने में विफल रहा।

राहुल ने तीसरे दिन मैच में हुए विवाद का कारण

लॉर्ड्स (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट के बल्लेबाज केएल राहुल ने इंग्लैंड के साथ यहां जारी तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन अंतिम ओवर में हुए विवाद को लेकर अपनी बात रखी है। राहुल ने उस ओवर में हुए विवाद को लेकर कहा कि हमारे आउट होने के बाद मेजबान टीम को दो ओवर खेलने थे क्योंकि दोनों टीमों के स्कोर बराबर थे। ऐसे भारतीय टीम गेंदबाजी को लेकर उत्साहित थी पर मेजबान इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों ने अलग-अलग बहाने कर समय बर्बाद करने का प्रयास किया। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली के समय बर्बाद करने के प्रयासों से कप्तान शुभमन गिल भी नाराज हुए। उन्होंने इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज पर कुछ कमेंट किया। ओवर की पांचवीं गेंद के बाद क्रॉली की ग्लव्स पर गेंद लगी और उन्होंने फिजियो को बुलाया। जिससे भारतीय टीम ने उन्हें ताने मार दिया। इसमें शुभकन सबसे आगे थे। राहुल ने कहा कि भारत दो ओवर फेंकना चाहता था और छह मिनट बचे होने के इसमें कोई परेशानी नहीं थी।

राहुल ने कहा कि टीम उत्साहित थी क्योंकि वे जानते हैं कि पूरे दिन मैदान में रहने के बाद देर से बल्लेबाजी करने के लिए आना कितना कठिन होता है। राहुल ने कहा, "हां, मेरा मतलब है, मैंने शुभमन को उत्साहित देखा है पर जाहिर है, हम 2 ओवर फेंकना चाहते थे। 6 मिनट बचे थे इसमें 2 ओवर

फेंकना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होता है। "

"इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों ने अंत में थोड़ा परेशान किया। वहीं हम उम्मीद कर रहे थे कि वहां एक विकेट ले सकते और दिन के अंत में एक विकेट हमारे लिए फायदेमंद रहता। इसलिए बल्लेबाजों का समय बर्बाद करना हमें खराब लगा। '

राहुल ने कहा कि टीम खेल की स्थिति को देखते अच्छी थी। तीन दिनों के बाद दोनों पक्षों के बीच कुछ भी जबरदस्त टक्कर थी।. "मुझे लगता है कि यमय बर्बाद किये बिना भी हम वैसे भी उत्साहित होते क्योंकि खेल की स्थिति यही है। अब चौथे दिन हमारा प्रशसा मेजबान टीम को ऑलआउट करना रहेगा। "

राहुल ने बताया ऋषभ के रन आउट होने का कारण

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल यहां लॉर्ड्स के मैदान पर शतक लगाने वाले बल्लेबाजों में जगह बनाने में सफल हुए पर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत रनआउट होने के कारण शतक नहीं लगा पाये। वहीं राहुल का कहना है कि लंच से पहले मैं अपना शतक पूरा करने के प्रयास में लगा था। इसी दौरान ऋषभ रन आउट हो गए।

ऋषभ जब उतरे थे तब भारतीय टीम ने 107 के स्कोर पर कप्तान शुभमन गिल के रूप में तीसरा विकेट खो दिया था। इसके बाद ऋषभ ने राहुल के साथ शतकीय साझेदारी कर टीम को संभाला। दोनों बल्लेबाज मैच के तीसरे दिन अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, मगर लंच से ठीक पहले राहुल 90s में पहुंच गए थे। ऐसे में वह ब्रेक होने से पहले अपना शतक पूरा करना चाहते थे। यह बात उन्होंने पंत को भी बताई थी। राहुल ने मैच के बाद कहा, "उससे कुछ ओवर पहले बातचीत हुई थी। मैंने उनसे कहा कि अगर हो सका तो लंच से पहले मैं अपना शतक पूरा कर लूंगा। और लंच से पहले बशीर के ओवर में कि मेरे लिए शतक बनाने का अच्छा मौका है पर गेंद सीधे फील्डर के हाथ में चली गई। राहुल ने आगे कहा, यह ऐसी गेंद थी जिस पर मैं चौका लगा सकता था। फिर ऋषभ बस स्ट्राइक रोटेट करना चाहते थे और देखना चाहते थे कि क्या वह मुझे वापस स्ट्राइक पर ला सकते हैं। इसी प्रयास वह वह रन के लिए दौड़ गये। यह हम दोनों के लिए निराशाजनक था।

बुमराह सबसे अधिक बार शून्य पर आउट होने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बने

\भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमाराह अब तक इंग्लैंड दौरे में रनों के मामले में असफल रहे हैं। बुमराह ने अभी तक इस दौरे में तीन बार बल्लेबाजी की है और तीनो में ही वह अपना खाता नहीं खोल पाये। इस प्रकार बुमराह ने इस सीरीज में शून्य पर आउट होने की हैट्रिक लगायी है। पिछली 7 पारियों में वह 6 बार 0 पर आउट हुए हैं। इसी के साथ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की अनचाही सूची में सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा को भी पछड़ दिया है। लॉर्ड्स टेस्ट में 0 पर आउट होने के बाद बुमराह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 35 वीं बार पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। वहीं सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा 34-34 बार अपना खाता नहीं खोल पाये हैं। सबसे ज्यादा बार 0 पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की सूची में बुमराह अब संयुक्त रूप से पांचवें पायदान पर हैं। उनके अलावा पूर्व कप्तान अनिल कुंबले भी 35 बार अपने करियर में 0 पर आउट हुए हैं। वहीं तेज गेंदबाज जहीर खान के नाम भारत के लिए सबसे ज्यादा बार 0 पर आउट होने का शर्मनाक रिकॉर्ड है, वह अपने करियर मं कुल 43 बार शून्य पर आउट हुए हैं। 0 पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की इस सूची में विराट कोहली का नाम हैरान कर देने वाला है। कोहली टॉप-5 में हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार 0 पर आउट होने वाले भारतीय खिलाड़ियों में जहीर खान- 43, विराट 38 और हरभन सिंह 37 व अनिल कुंबले 35 के अलावा बुमराह 35 व सचिन 34 और रोहित 34 बार खाता नहीं खोल पाये हैं।

अभी रिटायरमेंट लेने का कोई इरादा नहीं : नोवाक जोकोविच

लंदन (ईएमएस)। विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हार के बाद नोवाक जोकोविच ने अपने प्रशंसकों को यह साफ संदेश दिया है कि वह अभी रिटायरमेंट लेने का कोई इरादा नहीं रखते। शुक्रवार को सेंटर कोर्ट पर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर से सीधे सेटों में 6-3, 6-3, 6-4 से हार झेलने के बाद जोकोविच ने कहा कि यह उनका विंबलडन करियर खत्म करने वाला मैच नहीं था।

38 वर्षीय जोकोविच ने मैच के बाद कहा, "मैं आज अपना विंबलडन करियर खत्म करने की योजना नहीं बना रहा हूं। मैं निश्चित रूप से कम से कम एक बार और वापसी की योजना बना रहा हूं।" उनकी इस हार ने न सिर्फ रोजर फेडरर के आठ विंबलडन खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी करने बल्कि अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की उम्मीदों को भी तोड़ दिया। क्वार्टर फाइनल के दौरान चोटिल होने के बाद जोकोविच सेमीफाइनल में पूरी लय में नजर

नहीं आए। उन्होंने कहा कि वे अपनी चोट के बारे में विस्तार से बात नहीं करना चाहते, लेकिन प्रदर्शन से जरूर निराश हैं।

मैच के दौरान तीसरे सेट से पहले जोकोविच ने अपने बाएं पैर के ऊपरी हिस्से के उपचार के लिए ट्रेनर को बुलाया और इसके बाद शुरुआती तीन गेम जीतने में सफल रहे। हालांकि, वे असहज महसूस करते रहे और आखिरी सात गेम में से छह हार गए। उनके प्रतिद्वंद्वी सिनर ने भी माना कि तीसरे सेट में जोकोविच की तकलीफ साफ दिख रही थी और वे सहज नहीं थे। इस साल जोकोविच ने तीनों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया लेकिन फाइनल में नहीं पहुंच पाए।

9वीं बार दो टीमों ने बनाये बराबर रन

लॉर्ड्स (ईएमएस)। लॉर्ड्स में भारत और इंग्लैंड दोनो ने ही पहली पारी में बराबर-बराबर रन बनाये। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुएइंग्लैंड की टीम ने जो रूट के शतक से 387 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम की ओर से केएल राहुल ने शतक लगाया जिससे भारतीय टीम भी पहली पारी में 387 रन ही बना पायी। कामयाब रही। यह पहली घटना नहीं। क्रिकेट इतिहास पर नजर डालें तो ये नौवीं बार है जब पहली पारी में दोनों टीमों का स्कोर रहा बराबर रहा है। इससे पहले 8 बार दोनो ही टीमों ने बराबर रन बनाये हैं पर दो ही बार ऐसे में मैच का परिणाम निकला है। पहली बार ऐसा 1910 में दक्षिण अफ्रीका वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट मैच के दौरान हुआ था जब पहली पारी में दोनों टीमों ने बराबर रन बनाए थे। वहीं इस सूची में भारत का नाम पहले से शामिल है। कानपुर में 1958 में वेस्टइंडीज के खिलाफ और बर्मिंघम में 1986 में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के साथ पहले भी ऐसा हुआ है। हालांकि इन दोनों मुकाबलों का अंत ड्रॉ के साथ हुआ था।

बराबर स्कोर के बाद भी जिन दो टीमों जिन को जीत मिली है, वह वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड की है। न्यूजीलैड टीम ने यह जीत 2015 में हासिल की थी। वहीं 2003 में वेस्टइंडीज ने जीत हासिल की थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए उस मुकाबले में दोनों टीमों ने पहली पारी में 240-240 रन बनाए थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने मेजबानों को 417 रनों का लक्ष्य दिया था। यह आज भी टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ये हासिल किया हुआ सबसे बड़ा लक्ष्य है।

पहली पारी में दोनों टीमों के बराबर स्कोर और उनके मैच परिणाम

दक्षिण अफ्रीका बनाम इंग्लैंड, डरबन, 1910, ड्रॉ

भारत व वेस्टइंडीज, कानपुर, 1958, ड्रॉ

पाकिस्तान व न्यूजीलैंड, ऑकलैंड, 1973, ड्रॉ

वेस्टइंडीज व ऑस्ट्रेलिया, किंग्स्टन, 1973, ड्रॉ

इंग्लैंड व भारत, बर्मिंघम, 1986, ड्रॉ

वेस्टइंडीज व इंग्लैंड, सेंट जॉन्स, 1994, ड्रॉ

वेस्टइंडीज व ऑस्ट्रेलिया, सेंट जॉन्स, 2003, वेस्टइंडीज जीता

इंग्लैंड व न्यूजीलैंड, लीड्स, 2015, न्यूजीलैंड जीता

शास्त्री बोले, शुभमन, ऋषभ और गंभीर रणनीति पर बात कर रहे होंगे

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन कोच गौतम गंभीर लॉर्ड्स की बालकनी में कप्तान शुभमन गिल और उपकप्तान ऋषभ पंत के साथ मैच की रणनीति पर बात कर रहे होंगे। इस मैच में भारतीय टीम इंग्लैंड के पहली पारी के कुल 387 रनों का पीछा कर रहा थी। तभी गंभीर को टीम के इन प्रमुख खिलाड़ियों के साथ बात करते हुए देखा गया था। शास्त्री ने कमेंट्री के दौरान कहा, वे रणनीति पर बात कर रहे होंगे कि इस धीमी पिच पर, जब उन्हें मौका मिलेगा, तो वे किस तरह की फील्डिंग लगाएंगे। यह घटना तीसरे दिन के दूसरे सत्र के दौरान हुई। पहले कप्तान गिल और उपकप्तान ऋषभ आपस में बात कर रहे थे। इसके बाद गंभीर भी इसमें जुड़ गए। बीच में वह कुछ निर्देश भी देते हुए दिखाई दिए। कप्तान और उपकप्तान दोनों ही कोच की बातों से सहमत नजर आये। इस मैच में भारतीय टीम ने भारत ने पहली पारी में कुल 387 रन बनाए, जो इंग्लैंड के स्कोर के बराबर था। पंत ने तीसरे दिन 74 रन बनाये पर वह रन आाउट होने के कारण शतक नहीं लगा पाये। वहीं केएल राहुल ने शतक बनाया जबकि रविंद्र जडेजा ने लगातार तीसरा अर्धशतक लगाया, जिससे भारतीय टीम ने भी इंग्लैंड के 387 रनों की बराबरी की। इस मैच में राहुल और ऋषभ के बीच चौथे विकेट के लिए 141 रनों की साझेदारी हुई।

मिस्टीरियो और डोमिनिक मिस्टीरियो में जानिए कौन है ज्यादा अमीर

नई दिल्ली (ईएमएस)। डब्ल्यूडब्ल्यूई में मिस्टीरियो नाम एक ऐसा नाम है जिसे दुनियाभर के रेसलिंग फैंस अच्छी तरह पहचानते हैं। रे मिस्टीरियो को लूचा लिब्रे स्टाइल का सबसे बड़ा दिग्गज माना जाता है। अपने तीन दशक लंबे करियर में उन्होंने कई चैंपियनशिप्स जीती हैं और डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेम में भी जगह बनाई है। वहीं उनके बेटे डोमिनिक मिस्टीरियो ने हाल के वर्षों में डब्ल्यूडब्ल्यूई में धमाकेदार एंट्री कर अपने पिता की छाया से बाहर निकलकर अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, ऑन-स्क्रीन कहानी में दोनों के रिश्ते अब अच्छे नहीं हैं और पिता-बेटे दुश्मन की भूमिका में नजर आते हैं।

नेट वर्थ के मामले में दोनों के बीच फिलहाल बड़ा अंतर है। रिपोर्ट्र्स के अनुसार, रे मिस्टीरियो की कुल संपत्ति करीब 10 मिलियन डॉलर (लगभग 83 करोड़ रुपये) है। वहीं डोमिनिक की संपत्ति लगभग 2 मिलियन डॉलर (करीब 16 करोड़ रुपये) बताई जाती है। यह अंतर इसलिए भी स्वाभाविक है क्योंकि रे पिछले 30 सालों से रेसलिंग में सक्रिय हैं जबकि डोमिनिक को डब्ल्यूडब्ल्यूई में आए हुए महज पांच साल ही हुए हैं। बावजूद इसके, इतनी कम उम्र में 2 मिलियन डॉलर की संपत्ति बनाना डोमिनिक के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है।

डोमिनिक ने अपने करियर की शुरुआत पिता के साथ टैग टीम के रूप में की थी। बाद में उन्होंने जजमेंट डे नामक ग्रुप जॉइन कर लिया और रे से अलग हो गए। इस दौरान उन्होंने रेसलमेनिया 39 में अपने ही पिता के खिलाफ मुकाबला भी लड़ा, जिसने डब्ल्यूडब्ल्यूई फैंस के बीच काफी चर्चा बटोरी। वर्तमान में दोनों सुपरस्टार मंडे नाइट आरएडब्ल्यू का हिस्सा हैं और डोमिनिक को डब्ल्यूडब्ल्यूई का सबसे बड़ा हील (विलेन) माना जाता है। जहां रे मिस्टीरियो अपने करियर के अंतिम दौर में हैं, वहीं डोमिनिक तेजी से सफलता की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं। 2025 तक और उसके बाद ऐसा मुमकिन है कि डोमिनिक अपने पिता से भी ज्यादा कमाई करने लगें। रेसलिंग में उनकी तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और निरंतर सफलता इस बात का संकेत देती है कि भविष्य में डोमिनिक डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे अमीर और बड़े सुपरस्टार्स में शुमार हो सकते हैं।

14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, आईपीएल से लेकर इंग्लैंड में मचाई धूम

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईपीएल 2025 से भारतीय क्रिकेट को एक नया सितारा मिल गया है। बिहार के समस्तीपुर में जन्मे महज्ञ 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपनी धमाकेदार बल्लेबाज़ी से सबको चौंका दिया है। आईपीएल से लेकर इंग्लैंड दौरे तक उन्होंने अपनी प्रतिभा का ऐसा जलवा दिखाया कि विशेषज्ञ भी उनकी तुलना सचिन तेंदुलकर और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों से करने लगे हैं। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 2025 की नीलामी में 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। उन्होंने 14 साल और 23 दिन की उम्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में डेब्यू किया। पहले ही मैच में 20 गेंदों पर 34 रन ठोक दिए। आईपीएल-2025 में वैभव ने 7 मैच खेले और 36 की औसत से 252 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और

एक अर्धशतक निकला। उन्होंने 24 छक्के और 18 चौके जड़ते हुए दिखा दिया कि उम्र महज एक नंबर है। राजस्थान के बाद, वैभव को भारत की अंडर-19 टीम में इंग्लैंड दौरे के लिए चुना गया। वहां भी उन्होंने मौके को हाथ से जाने नहीं दिया। पांच यूथ वनडे में उन्होंने 48, 45, 86, 143 और 33 रन की पारियां खेलीं। सबसे खास पारी रही चौथे वनडे में 143 रन की। उन्होंने महज 52 गेंदों में शतक पूरा किया और 78 गेंदों पर 10 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 143 रन बनाए। इसी के साथ वैभव सूर्यवंशी यूथ वनडे में सबसे तेज शतक बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने नजमुल हसन शांतो का रिकॉर्ड तोड़ा। वैभव ने 14 साल और 100 दिन की उम्र में यह कारनामा किया। इस मैच में उन्होंने विहान मल्होत्रा (129) के साथ 219 रन की साझेदारी कर भारत को 55 रन से जीत दिलाई। वैभव के बारे में विशेषज्ञ कहते हैं कि उनमें सचिन तेंदुलकर की तकनीकी नजाकत और ब्रायन लारा जैसा अटैकिंग अंदाज नजर आता है। हालांकि कुछ कोच उन्हें पृथ्वी शॉ की गलतियों से सीखने की सलाह भी देते हैं। घरेलू क्रिकेट में भी वैभव ने रिकॉर्ड कायम किया। 13 साल 269 दिन की उम्र में लिस्ट-ए क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा भारतीय बने। बिहार की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में मध्य प्रदेश के खिलाफ डेब्यू किया। वह आधुनिक युग में प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी भी हैं।

लायन को तीसरे टेस्ट में नहीं मिली जगह , कैरियर समाप्त होने की आशंकाएं

जमैका (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में सबसे अनुभवी स्पिनर गेंदबाज नाथन लायन को अंतिम ग्याहर में शामिल नहीं किया जिससे सही हैरान हैं। लायन ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख स्पिनर हैं। टेस्ट में उनके नाम 500 से ज्यादा विकेट ले चुके हैं। 37 साल के लायन हर हाल में बल्लेबाजों पर भारी पड़ते हैं , इसके अलावा फिट भी हैं। इसके बाद भी उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से उनकी करियर को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ये भी माना जा रहा है कि वह संन्यास की ओर बढ़ रहे हैं। उनकी जगह युवा तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को टीम में शामिल किया गया। लायन को एक दशक बादद पहली बार है जब अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली है। नाथन लायन अंतिम ग्यारह से बाहर किया जाने से निराश हैं। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने इसका खुलासा किया। उन्होंने कहा, लायन को बाहर करने का फैसला कठिन पर पर हमें लेना पड़ा। वह निराश हैं क्योंकि वह हर मैच खेलना चाहता हैं। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है और उसे विश्वास है कि वह किसी भी हाल में प्रभावी हो सकता है। लेकिन वह एक टीम मैन भी है और टीम के लिए सही चीजों को समझते हैं।लायन के हाल के प्रदर्शन को देखें तो बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के 5 मैचों में उन्हें केवल 9 विकेट मिले थे।

लारा ने कहा रिकॉर्ड बनते ही हैं टूटने के लिए, बोले- लारा ने कहा कोशिश करनी चाहिए थी : मुल्डर

बुलावायो (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर ने खुलासा किया है कि महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने उनसे कहा था कि उन्हें उनके टेस्ट क्रिकेट के सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर के रिकॉर्ड को तोड़ने की कोशिश करनी चाहिए थी। जिम्बाब्वे के खिलाफ बुलावायो में खेले गए दूसरे टेस्ट में मुल्डर 367 रन बनाकर नाबाद थे, लेकिन उन्होंने लंच के समय टीम की पारी

घोषित कर दी। इस फैसले के चलते वे लारा के 400* रन के रिकॉर्ड से सिर्फ 33 रन पीछे रह गए।

मुल्डर ने उस समय कहा था कि लारा का रिकॉर्ड लारा के ही नाम रहना चाहिए। हालांकि अब उन्होंने बताया कि इस पर लारा की सोच अलग थी। मुल्डर ने कहा कि उन्होंने लारा से बात की और लारा ने कहा कि रिकॉर्ड बने ही टूटने के लिए होते हैं और उन्हें अपना नाम इतिहास में दर्ज कराने का मौका नहीं छोड़ना चाहिए था। मुल्डर के मुताबिक लारा ने उनसे कहा कि वे अपनी लीगेसी बना रहे हैं और ऐसे मौकों का पूरा फायदा उठाना चाहिए। मुल्डर ने यह भी माना कि यह सुनकर उन्हें अच्छा लगा और यह एक दिलचस्प नजरिया था, लेकिन उन्होंने दोहराया कि उन्हें लगता है कि उन्होंने खेल का सम्मान किया और सही फैसला किया। मुल्डर का 367* दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है और टेस्ट इतिहास में यह पांचवां सबसे बड़ा स्कोर है। मुल्डर ने यह भी बताया कि दक्षिण अफ्रीका के कोच शुक्री कॉनराड ने भी उनसे कहा था कि महान खिलाड़ियों का रिकॉर्ड उनके ही नाम रहना चाहिए। मुल्डर के दोहरे और तिहरे शतक की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने तीन दिन के भीतर यह टेस्ट पारी और 236 रन से जीत लिया था। इसी बीच वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल ने कहा था कि मुल्डर ने मौका गंवा दिया। गेल ने कहा कि ऐसे मौके जीवन में एक बार आते हैं और यदि उन्हें 400 तक पहुंचने का मौका मिलता तो वह कभी पारी घोषित नहीं करते। गेल के मुताबिक महान खिलाड़ी रिकॉर्ड के लिए जाने जाते हैं और ऐसे मौकों पर उन्हें पूरी तरह जाना चाहिए। मुल्डर की पारी और उसके बाद उनकी ईमानदारी से खेल के सम्मान का भाव क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है, जहां कुछ इसे खेल भावना का उदाहरण मान रहे हैं तो कुछ इसे ऐतिहासिक अवसर खो देने की गलती बता रहे हैं।

शेफाली के अर्धशतक के बाद भी भारतीय महिला टीम पांचवें टी20 में हारी, सीरीज 3-2 से जीती

लंदन (ईएमएस)। शेफाली वर्मा की अर्धशतकीय पारी के बाद भी भारतीय महिला क्रिकेट टीम मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच में हार गयी हालांकि ये सीरीज भारतीय टीम ने 3-2 से जीती। भारतीय टीम ने सीरीज के पहले दो और चौथा मैच जीता जबकि मेजबान टीम ने तीसरा और पांचवां मुकाबला अपने नाम किया। इसी के साथ ही हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड की धरती पर पहली बार 2 से अधिक मैचों की टी20 सीरीज जीतने में सफल रही है। अंतिम मुकाबले में मेजबान टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाये। इसके बाद मेजबान टीम ने ये लक्ष्य मैच की अंतिम गेंद पर हासिल कर लिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और जेमीमा रोड्रिग्स शुरुआत में ही आउट हो गयीं। इसेक बाद शेफाली ने 41 गेंदों पर 75 रनों रन बनाकर पारी को संभाला पर अन्य कोई बल्लेबाज टिक नहीं पायी। मेजबान टीम की ओर से 168 के टारगेट का पीछा करते हुए सोफिया डंकले ने 46 जबकि डेनिएल व्याट-हॉज ने 56 रन बनाये। इन दोनो ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी कर 101 रन बनाये। पहले 10 ओवर में ही इंग्लैंड ने तेजी से रन बना लिए पर बीच में विकेट गिरने से मैच रोमांचक हो गया।

रेसलर वेंडी के घर लगी आग से हुआ भारी नुकसान

सेन डियागो (ईएमएस)। डब्ल्यू डब्ल्यू ई की महिला रेसलर वेंडी रिक्टर को घर में आग लगने से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा है हालांकि राहत की बात ये रही कि वेंडी को कोई नुकसान नहीं हुआ। इस मुश्किल घड़ी में उन्हें रेसलिंग जगत से सहयोग जरुर मिला है।टोनी स्टॉर्म और मर्सिडीज मोने जैसी स्टार रेसलर्स ने भी वेंडी का सहयोग किया।

वेंडी इस साल रिंग में नहीं उतरीं पर उनके प्रशंसक आज भी उन्हें याद करते हैं। घर में आग लगने से उन्हें व्यक्तिगत रूप से काफी नुकसान उठाना पड़ा। इस खबर के फैलते ही, उनके प्रशंसकों और शुभचिंतकों ने उनकी सुरक्षा के लिए प्रार्थना करनी शुरू कर दी। राहत की बात यह है कि वेंडी इस हादसे में सुरक्षित और ठीक हैं। वहीं डेव डायनेस्टी ने बताया कि कॉलीफ्लावर एली क्लब वेंडी की मदद के लिए डोनेशन स्वीकार कर रहा है। इसमें प्रशंसक भी उनकी सहायता कर सकते हैं। हालांकि, अभी तक किसी गो फाउंडमी पेज के बनने की जानकारी नहीं मिली है। यह कठिन समय में रेसलिंग समुदाय की एकजुटता और एक-दूसरे के प्रति समर्थन को दिखाता है। वेंडी को महिला रेसलिंग में एक नई शुरुआत करने वाली रेसलन के तौर पर याद किया जाता है। द फैबुलस मूलाह के साथ उनकी प्रतिद्वंद्विता कौन भूल सकता है। 1984 में मैडिसन स्क्वायर गार्डन में हुआ उनका ये मुकाबला, जिसे ब्रॉल टू सेटल इट ऑल के नाम से जाना जाता है। महिला रेसलिंग के इतिहास में एक माइलस्टोन साबित हुआ। यह मुकाबला अमेरिका में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले महिला रेसलिंग मुकाबलों में से एक बन गया था।

पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार डायमंड लीग में नीरज और अरशद में होगी प्रतिस्पर्धा

सिलेसिया (ईएमएस)। भारत के नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम के बीच 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया में होने वाली डायमंड लीग (डीएल) में टक्कर होगी। पेरिस ओलंपिक के बाद ये दोनो के बीच पहला मुकाबला होगा और ऐसे में सभी की नजरें इस पर लगी रहेंगी। अरशद ने पेरिस में 92.97 मीटर के शानदार थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जबकि नीरज ने रजत पदक जीता था। नीरज टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता होने के साथ ही विश्व चैम्पियन भी हैं। चोपड़ा को हालांकि पेरिस में 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। विश्व एथलेटिक्स के एक बयान में कहा गया है कि चोपड़ा और नदीम सिलेसिया डायमंड लीग में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। सिलेशिया डायमंड लीग के आयोजकों ने भी नीरज और अरशद के बीच इस मुकाबले की पुष्टि करते हुए कहा कि यह नीरज के लिए पिछली कार का बदला लेने का अच्छा अवसर हो सकता है।आयोजकों ने प्रतिष्ठित डायमंड लीग स्पर्धा के प्रतिभागियों की घोषणा करते हुए कहा, 'पोलैंड के प्रशंसकों को नीरज और अरशद नदीम के मुकाबले का बेसब्री से इंतजार है।' आयोजकों ने कहा, 'अरशद यूरोपीय सर्किट में ज्यादा स्पर्धाओं में भाग नहीं लेते है ऐसे में उनके प्रदर्शन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। वह रज वहीं चोपड़ा हाल ही में 90 मीटर की बाधा पार करने वाले दुनिया के 26वें भाला फेंक खिलाड़ी बने हैं। चोपड़ा ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। सिलेशिया डायमंड लीग के आयोजकों ने कहा, 'इस सत्र में वह 90 मीटर से अधिक थ्रो करने वाले इतिहास के 26वें खिलाड़ी बन गए हैं। वह निश्चित रूप से इसे और बेहतर करना चाहेगे।' पुरुषों की भाला फेंक में मौजूदा विश्व चैंपियन और मौजूदा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता के बीच मुकाबला सिलेसिया डायमंड लीग के मुख्य आकर्षणों में से एक होने वाला है। चोपड़ा ने पेरिस खेलों के बाद कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिसमें चार डायमंड लीग मीट, पोलैंड के चोरजो और चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा में दो अन्य शीर्ष-श्रेणी की प्रतियोगिताएं भी शामिल है।

शुभमन पर आचारसंहिता उल्लंधन के लिए हो सकती है कार्रवाई

लॉर्ड्स ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल पर इंग्लैंड के लॉर्ड्स टेस्ट मैच के तीसरे दिन के अंतिम ओवर में बहस करने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) कार्रवाई कर सकती है। इस मैच में भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली पर समय बर्बाद करने का आरोप लगाया था। इसी को लेकर शुभमन गिल नाराज हो गये और उन्होंने मेजबान टीम के खिलाफ टिप्पणी करने के साथ ही इशारे भी किए। यही नहीं उनकी . क्रॉली और बेन डकेट के साथ बहस भी हो गयी, इसे आचार संहिता का उल्लंघन माना जा रहा है। इस मैच के तीसरे दिन अंतिम ओवर में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों के साथ शुभमन की बहस हो गयी। इस मैच में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को पहली पारी में 387 रनों पर समेट दिया। इसके बाद इंग्लैंड जब दूसरी पारी में खेलने उतरी तो क्रॉली समय बर्बाद करने में लग गए. जिसका भारतीय टीम ने विरोध किया। भारतीय टीम के बल्लेबाज केएल राहुल ने दिन के खेल के बाद कहा कहा कि हम 2 ओवर करना चाहते थे जिससे कि विकेट लिया जा सके। वहीं क्रॉली ने जसप्रीत बुमराह की गेंद पर दस्ताने उतार कर हाथ में चोट लगने की बात कहते हुए फीजियो को बुलाया। इसी को लेकर शुभमन ने टिप्पणी कर दी और इसके बाद दोनो ही पिच पर आमने-सामने आ गये। मामला बढ़ता देखकर अंपायरों को हस्तक्षेप करना पड़ा।

लंदन में विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में पोलैंड की इगा स्वीटेक जीत के बाद ट्रॉफी के साथ नजर आ रही।

सेंसेक्स की प्रमुख आठ कंपनियों का मार्केट कैप 2.07 लाख करोड़ घटा, शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 2.07 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल सबसे अधिक नुकसान में रहीं। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार पूंजीकरण 56,279.35 करोड़ रुपये घटकर 11,81,450.30 करोड़ रुपये रह गया। जून तिमाही के कमजोर नतीजों के कारण टीसीएस के शेयर में शुक्रवार को करीब 3.5 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन भी 54,483.62 करोड़ रुपये घटकर 10,95,887.62 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार पूंजीकरण में 44,048.2 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 20,22,901.67 करोड़ रुपये पर आ गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 18,818.86 करोड़ रुपये घटकर 6,62,564.94 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण भी 14,556.84 करोड़ रुपये घटकर 10,14,913.73 करोड़ रुपये पर आ गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के

बाजार मूल्यांकन में 11,954.25 करोड़ रुपये की कमी आई, जिससे इसका मूल्य 5,83,322.91 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में 4,370.71 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 15,20,969.01 करोड़ रुपये रह गया। वहीं भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 2,989.75 करोड़ रुपये घटकर 7,21,555.53 करोड़ रुपये पर पहुंचा। इस गिरावट के बीच, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस ने बढ़त दिखाई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 42,363.13 करोड़ रुपये बढ़कर 5,92,120.49 करोड़ रुपये हो गया, जिसके साथ उसके शेयर में लगभग 5 प्रतिशत की तेजी आई। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन भी 5,033.57 करोड़ रुपये बढ़कर 5,80,010.68 करोड़ रुपये पहुंच गया। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बनी हुई है, इसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान है।

व्यापार वार्ता, तिमाही नतीजे और मुद्रास्फीति आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

मुंबई (ईएमएस)। आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए अहम रहने वाला है, जिसमें निवेशकों की नजर कई बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता और प्रमुख मुद्रास्फीति आंकड़ों पर रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इन घटनाक्रमों के साथ-साथ वैश्विक संकेतक और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां बाजार की चाल को प्रभावित करेंगी। एक वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी के वरिष्ठ विश्लेषक के अनुसार भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर जारी अनिश्चितता के चलते निवेशक सतर्क हैं। जब तक इस वार्ता से कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आता, बाजार में सकारात्मक रुख बनना मुश्किल है। इसके अलावा कंपनियों के पहली तिमाही के वित्तीय नतीजे भी बाजार की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, विप्रो और जेएसडब्ल्य स्टील जैसी दिग्गज कंपनियों के नतीजे आएंगे। पिछले सप्ताह बाजार में गिरावट देखी गई, जो निराशाजनक नतीजों की शुरुआत और वैश्विक व्यापार शुल्क संबंधी चिंताओं के कारण हुई थी। बाजार के जानकारों ने कहा कि 14 जुलाई को जारी होने वाले थोक मूल्य सूचकांक और खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार के लिए निर्णायक रहेंगे। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर अमेरिकी मुद्रास्फीति और चीन के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। उनका कहना है कि तिमाही नतीजों के चलते कुछ शेयरों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

भारत में अब कई प्रीमियम और खास इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद भी बनने लगे

- डिक्सन टेक्नोलॉजीज यूरेका फोर्ब्स के साथ मिलकर भारत में ही बना रही रोबोट वैक्यूम क्लीनर

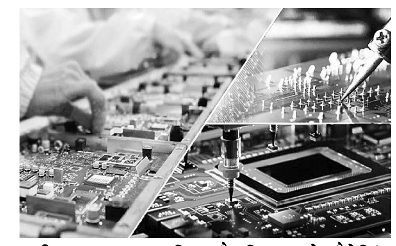

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में अब सिर्फ स्मार्टफोन या टीवी ही नहीं, बल्कि कई प्रीमियम और खास इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद भी बनने लगे हैं। इनमें रोबोट वैक्यूम क्लीनर, कॉफी मेकर, बिल्ट-इन रेफ्रिजरेटर और एयर फ्रायर जैसे उपकरण शामिल हैं, जो पहले पूरी तरह से विदेशों से मंगाए जाते थे। यह बदलाव सरकार की नई नीति, खासकर बीआईएस (ब्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड) के क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर (क्यूसीओ) के कारण आया है।

क्यूओसी का मकसद है कि भारत में बनने वाले इलेक्ट्रॉनिक सामानों की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर की हो, और विदेशी कंपनियों से आने वाले सामानों पर नियंत्रण लगाया जा सके। इन नियमों के चलते अब इन उत्पादों को भारत में बेचने से पहले बीआईएस से प्रमाणन लेना जरूरी हो गया है। इससे स्थानीय निर्माण को बढ़ावा मिल रहा है। इसी दिशा में डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने यूरेका फोर्ब्स के साथ मिलकर भारत में ही रोबोट वैक्यूम क्लीनर बनाना शुरू किया है। डिक्सन के मैनेजिंग डायरेक्टर का कहना है कि बीआईएस के नियमों से प्रीमियम ब्रांड भी अब छोटे बाजारों के बावजूद भारत में निर्माण पर विचार कर रहे हैं। यह कंपनियों के लिए एक अच्छा अवसर है। जर्मनी की कंपनी ने औरंगाबाद में बिल्ट-इन रेफ्रिजरेटर बनाने का प्लांट शुरू किया है, जबकि भारत में इसकी वार्षिक बिक्री केवल 14,000–15,000 यूनिट है। कंपनी को उम्मीद है कि अगले पांच साल में यह बाजार एक लाख यूनिट तक पहुंच जाएगा। देश की बड़ी घरेलू कंपनियां जैसे हैवेल्स और क्राम्पटन ग्रीव्स भी अब इम्पोर्ट घटाकर भारत में निर्माण को प्राथमिकता दे रही हैं। हालांकि हर एक कैटेगरी का बाजार अभी छोटा है, लेकिन कुल मिलाकर यह करीब 12,000–13,000 करोड़ का है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर की महिला बनी सीईओ, शेयरों में आया 5 फीसदी उछाल

-बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 932.42 अंक यानी 1.11 फीसदी के नुकसान में रहा। इस दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के मार्केट कैप में कुल 2.07 लाख करोड़ रुपए (2,07,501.58 करोड़) की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल को हुआ। शीर्ष 10 में से केवल बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई।

इस रुख के उलट हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 42,363.13 करोड़ रुपए बढ़कर 5,92,120.49 करोड़ पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के शेयर में शुक्रवार को करीब 5 फीसदी का उछाल आया। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने प्रिया नायर को कंपनी की पहली महिला सीईओ और एमडी नियुक्त करने की घोषणा की है। बजाज फाइनेंस की मूल्यांकन 5,033.57 करोड़ बढ़कर 5,80,010.68 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

पिछले हफ्ते टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस का मार्केट कैप 56,279.35 करोड़ से घटकर 11,81,450.30 करोड़ रुपए पर आ गया था। कंपनी के जून तिमाही के नतीजे निवेशकों को उत्साहित करने में विफल रहे। शुक्रवार को टीसीएस के शेयर में करीब 3.5 फीसदी की गिरावट आई। इस तरह भारती एयरटेल का मूल्यांकन 54,483.62 करोड़ रुपए से घटकर 10,95,887.62 करोड़ पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 44,048.2 करोड़ रुपए घटकर 20,22,901.67 करोड़ पर आ गई। इन्फोसिस के मूल्यांकन में 18,818.86 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 6,62,564.94 करोड़ रुपए रहा। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,556.84 करोड़ रुपए घटकर 10,14,913.73 करोड़ रुपए पर आ गया। एलआईसी का मूल्यांकन 11,954.25 करोड़ से घटकर 5,83,322.91 करोड़ रुपए पर आ गया। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में 4,370.71 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 15,20,969.01 करोड़ रही। इसी तरह एसबीआई की बाजार हैसियत 2,989.75 करोड़ रुपए घटकर 7,21,555.53 करोड़ रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर रही। उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

इलेक्ट्रॉनिक्स व दवा क्षेत्रों ने पीएलआई वितरण में मारी बाज़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 10,114 करोड़ रुपए का वितरण किया गया, जिसमें से 70 फीसदी से अधिक हिस्सा केवल दो क्षेत्रों, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्युटिकल्स को मिला। यह योजना 2021 में 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 14 प्रमुख क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को सबसे अधिक 5,732 करोड़ प्राप्त हुए, जबकि दवा क्षेत्र की कंपनियों को 2,328 करोड़ का प्रोत्साहन मिला। इससे इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती ताकत और निर्यात क्षमताओं को बल मिला है। 2023-24 में कुल पीएलआई वितरण 9,721 करोड़ था, जो इस वर्ष और अधिक बढ़ गया। अन्य क्षेत्रों को भी प्रोत्साहन दिया गया, जैसे दूरसंचार (840 करोड़), खाद्य प्रसंस्करण (448 करोड़), वाहन (322 करोड़), चिकित्सा उपकरण (77 करोड़), एसी-फ्रिज (210 करोड़), विशेष इस्पात (48 करोड़), कपड़ा (40 करोड़), ड्रोन (35 करोड़) और थोक दवा (22 करोड़)। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भी जोरदार वृद्धि देखी गई। 2021-22 में यह 15.7 अरब डॉलर था, जो 2024-25 में बढ़कर 38.58 अरब डॉलर हो गया यानी 32.46 फीसदी की सालाना वृद्धि दर।

अरुणाचल प्रदेश में 18,000 मेगावाट पनबिजली परियोजनाओं पर तेजी से काम

- 2,620 मेगावाट की पांच परियोजनाएं शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। अरुणाचल प्रदेश में कुल 18,000 मेगावाट की पनबिजली परियोजनाओं पर काम चल रहा है, जिसमें एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा। यह जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन परियोजनाओं में से 2,620 मेगावाट की पांच परियोजनाएं नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) को, 5,097 मेगावाट की पांच परियोजनाएं सतलज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएन) को और 3,800 मेगावाट की दो परियोजनाएं एनएचपीसी को आवंटित की गई हैं। मुख्यमंत्री खांडू ने कहा कि पहले ये परियोजनाएं निजी कंपनियों को दी गई थीं, लेकिन वे विभिन्न कारणों से शुरू नहीं हो सकीं। इसलिए राज्य सरकार ने सार्वजनिक उपक्रमों को इन्हें संभालने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने सभी परियोजनाओं की समीक्षा कर पुरानी योजनाएं रद्द कर दीं और केंद्र सरकार से कहा कि पनबिजली जैसे बड़े निवेश वाले क्षेत्र में केवल सरकार को ही पहल करनी चाहिए। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद एनएचपीसी, नीपको और एसजेवीएन के साथ बेसिन-आधारित समझौते किए। इनमें से लोअर सुबनसिरी परियोजना 2,000 मेगावाट क्षमता की है, जो अगले साल से बिजली उत्पादन शुरू कर देगी। इसके अलावा, 2,880 मेगावाट की दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना 2032 तक चालू होने की उम्मीद है, जिसमें देश का सबसे ऊंचा बांध भी शामिल होगा।

शहरों में सस्ते प्रोडक्ट्स की धूम, गांवों में ब्रांडेड कंपनियों का जलवा

मुंबई (ईएमएस)। भारत के एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) बाजार में शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार जहां शहरी उपभोक्ता महंगाई और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की वजह से बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स और डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स की ओर झुक रहे हैं, वहीं ग्रामीण भारत में पारंपरिक और भरोसेमंद ब्रांड्स जैसे नेस्ले, डाबर और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। ग्रामीण इलाकों में पहले बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स ज्यादा चलते थे, लेकिन अब बड़े ब्रांड्स ने मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और बेहतर पहुंच के जरिए अपनी पकड़ मजबूत की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में शहरी भारत में बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स की वॉल्यूम ग्रोथ 8.4 फीसदी रही, जबकि ग्रामीण भारत में यह केवल 2.3 फीसदी रही। वहीं लिस्टेड एफएमसीजी ब्रांड्स की वॉल्यूम ग्रोथ गांवों में 5.1 फीसदी रही, जो कि शहरों के 2.1 फीसदी के मुकाबले कहीं अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस ग्रोथ के पीछे अच्छा मानसून, सरकारी सहयोग और आय में सुधार प्रमुख कारण हैं। इसके विपरीत, शहरी उपभोक्ता महंगाई के दबाव के चलते छोटे पैक और किफायती विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। साथ ही, डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स जैसे स्लर्प फार्म भी शहरी बाजार में तेजी से जगह बना रहे हैं।

दैनिक पंचांग

14 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

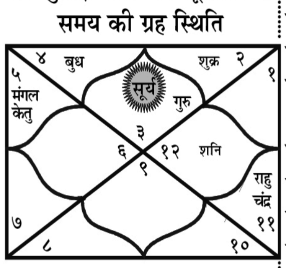

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.38 बजे से
चंद्र	कुंभ में	सिंह	07.54 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.06 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.16 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.31 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.47 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.52 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.39 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.11 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मेष	23.42 बजे से
		वृष	01.22 बजे से
		मिथुन	03.20 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 195 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 00.00 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 06.49 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 16.14 बजे को समाप्त। **करण** बव 12.34 बजे तदनन्तर बालव 00.00 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 40' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872405 **जूलियन दिन** 2460870.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 18 **विशेष** संकष्टी चतुर्थी, श्रावण सोमवार व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7345

बाएँ से दाएँ
1. निशा, रात (उर्दू-2)
4. ताला (अंग्रेजी-2)
6. दुलारा, लाडला-2
7. बढ़ावा, समर्थन-2
9. निवास, घर, नीड़-3
12. कमी-3
14. पनाह, आश्रय-3
16. अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17. सज्जनता, सभ्यता-4
18. गिरवी रखी वस्तु-3
20. एक राशि-3
22. दबाव (अंग्रेजी-3)
24. कुल, मुनाफा-2
26. उम्मीद, आशा-2
27. मादा का विलोम-2
28. आगमन-2

ऊपर से नीचे
1. मदिरा, मय-3
2. ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3. सम्मान, प्रसिद्धि-2
5. डोली उठाने वाले-3
6. वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8. अधिकार-2
10. सेनापति, कप्तान-2, 3
11. पति की मां-2
13. आत्मबलिदानी -5
14. कद काठी-3
15. रसद, किराणा-3
19. प्रत्येक-2
20. मैला, अस्वच्छ-3
21. मिट्टी, धूल-2
22. छापाखाना-2
23. जिव्हा, जीभ-3
25. सम्मान-2
26. फलों का राजा-2

शब्द पहेली - 7344 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6886

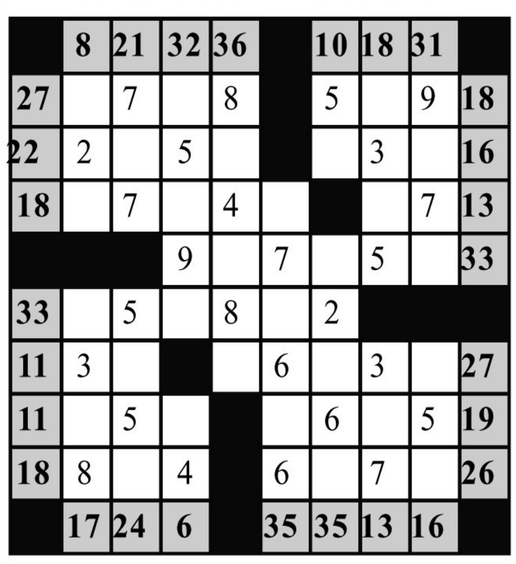

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 6885 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 5830

1	2		7		6	4
3	29	6	37	2	31	1
	3		1		2	
5	29	1	33		37	6
	1		5		4	
2	33	4	31	3	30	7
7	6		4		3	2

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5829 का हल

4	2	6	3	5	1	7
2	32	4	39	7	34	4
6	1	7	4	3	5	2
5	30	3	38	6	31	1
1	2	5	6	4	7	3
3	27	2	25	1	31	6
7	6	1	4	2	3	5

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1944 रूसी सेना ने विलना (लिथुआनिया) पर कब्जा किया.

1955 ब्रिटेन में रूथ एलिस को फांसी दी गई, उसके बाद किसी भी महिला को यह सजा नहीं दी गई.

1960 जॉन एफ केनेडी को डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमरीकी राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया.

1977 भारतरत्न पद्मभूषण आदि नागरिक सम्मान वापस ले लिए गए.

1992 वितजाक राबिन ने इजरायल के प्रधानमंत्री का पद संभाला.

2000 वियतनाम ने अमरीका से व्यापार समझौता किया.

2002 भारत ने नेट वैस्ट क्रिकेट ट्राफी जीती. लंदन में लॉर्ड्स के मैदान पर फाइनल में इंग्लैंड को हराया.

2002 जम्मू में कासिम नगर मजदूर बस्ती पर आतंकवादियों का बड़ा हमला, कम से कम 24 मरे, 31 घायल हुए.

गणित पहेली - 5190

55		10		25		8	=	30
28		24		50		42	=	12
15		30		50		35	=	60
20		20		10		10	=	20
=		=		=		=		
22		24		15		5	=	58 / 36

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5189

49	-	5	+	32	-	24	=	52
-		+		+		+		+
20	+	59	+	90	-	90	=	79
+		-		-		÷		-
50	÷	2	-	5	x	1	=	20
-		-		-		-		-
60	+	25	+	36	-	95	=	26
=		=		=		=		=
19	+	37	+	81	-	19	=	85 / 118

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 6877

म	अ	बे	ता	ब	ब	आ	खू	ग	ल	मु
रा	वि	ली	प्रे	क	न्या	स	न	ज	कां	ल
चु	मे	ष	दु	दी	छ	मि	ब	ब	वृ	जि
म	नौ	ब	न	नि	वा	स	हा	ल	ष	म
र्द	आ	मी	ल	म	या	न	गं	न	खु	च
य	ल	न	च	रा	क	ली	गा	ण	द	र
द	स	नी	ग	मे	न	र	में	बा	ग	स
क	सू	ऊ	ई	द	ली	क	फ	चो	र्ज	क
रा	म	र्य	ला	रा	म	की	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	वं	लि	जी	कुं	शा	म	प	द
आ	ई	ना	र्क	शी	क	र्त	य	दी	त	म

शब्दजाल में अमृता सिंह की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

बेताब, दुनिया, सनी, मर्द, खुदगर्ज, मुलजिम, खून बहा गंगा में, चमेली की शादी, सूर्यवंशी, आईना

शब्दजाल - 6876 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त खबरें

भाकपा माओवादी का नक्सली गिरफ्तार

लातेहारः लातेहार पुलिस ने लोहरदगा पुलिस के सहयोग से छापेमारी अभियान चलाकर पेशरार थाना क्षेत्र से माओवादी नक्सली जगन लोहरा को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सली माओवादी कमांडर नकुल यादव और छोटू खरवार का काफी विश्वसनीय सहयोगी था। रविवार को प्रेस वार्ता करते हुए डीएसपी भरत राम ने बताया कि लातेहार पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना पर पुलिस ने नक्सली जगन को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि नक्सली जगन लोहरा अपने गांव लोहरदगा जिले के पेशरार थाना क्षेत्र अंतर्गत करंज टोली आया हुआ है। सूचना के बाद थाना प्रभारी धीरज कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम गठित की गई और सीमा सुरक्षा बल की टीम तथा लोहरदगा पुलिस की टीम के साथ छापेमारी की गई। पुलिस ने इस दौरान नक्सली जगन को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि नक्सली जगन लोहरा पिछले कई वर्षों से भाकपा माओवादी नक्सली संगठन में सक्रिय था। यह कुख्यात नक्सली कमांडर नकुल यादव और छोटू खरवार के दस्ते में भी काम कर चुका है। पुलिस के साथ 2020 में हुई मुठभेड़ में भी यह शामिल था। इसके खिलाफ लातेहार जिले के छिपादोहर थाना क्षेत्र के अलावे अन्य सीमावर्ती थाना क्षेत्र में नक्सली हिंसा के मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार नक्सली से पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारी भी प्राप्त हुई है। जिसके आधार पर पुलिस आगे की कार्य योजना तैयार कर रही है।

अवैध विदेशी शराब के बड़े भंडार का भंडाफोड़

पलामूः पलामू जिले के नावाबाजार थाना क्षेत्र के ग्राम तमदागा में अवैध विदेशी शराब के बड़े भंडारण का भंडाफोड़ किया गया है। गुप्त सूचना पर पुलिस अधीक्षक पलामू के निर्देशानुसार नावाबाजार थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की। रविवार को जिले की एसपी रिष्मा रमेशन ने पूरी जानकारी दी। बताया कि गुप्त सूचना पर छापेमारी दल का गठन किया गया। 12 जुलाई को यह कार्रवाई की गई। तमदागा में संजय सिंह के नए पक्के मकान में छापा मारा गया। मौके पर एक व्यक्ति भागने की कोशिश कर रहा था जिसे पुलिस बल की सतर्कता से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम योगेन्द्र सिंह, पिता बिशुनधारी सिंह, ग्राम तमदागा बताया। घर की तलाशी लेने पर दो कमरों में भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद हुई, जिसके संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। आरोपित ने पूछताछ में यह भी स्वीकार किया कि वह इस अवैध कारोबार में मकान मालिक संजय सिंह, बिहार निवासी सोनू सिंह और अन्य के साथ संलिप्त है। वह वाहन के माध्यम से शराब की लोडिंग, अनलोडिंग एवं रेकी का काम करता था, जिसके बदले उसे पैसे मिलते थे। मौके से 180 एमएल की 10 हजार 320, 350 एमएल की सात हजार 200 एवं 750 एमएल की 240 बोतल बरामद की गई। कुल 17 हजार 770 बॉटल शराब बरामद हुई है। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित योगेन्द्र सिंह को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन का जत्था देवघर रवाना

जमशेदपुरः टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन, आरके सिंह फैंस क्लब एवं टाटा मोटर्स के कर्मचारियों का जत्था अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रविवार को देवों के देव महादेव को जलाभिषेक करने के लिए बाबाधाम देवघर रवाना हुआ। अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद एवं महामंत्री आरके सिंह गेरूआ वस्त्र धारण करण जत्थे का नेतृत्व करते हुए बस से बाबानगरी के लिए प्रस्थान किये। वहीं दर्जनों श्रद्धालु निजी वाहनों से भी बाबाधाम रवाना हुए। रविवार को सुबह 6 बजे सभी श्रद्धालु यूनियन कार्यालय में एकत्रित हुए। बोलबम के जयकारे लगाते हुए सभी एक साथ बाबाधाम के लिए रवाना हुये। अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद एवं महामंत्री आरके सिंह सबों को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए, यात्रा के दौरान आदर्श प्रस्तुत करने तथा जरूरतमंदों की सहायता करने की नसीहत दिये। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी यूनियन का जत्था तमाम तैयारियों के साथ बाबाधाम रवाना हुआ। खाने पीने के वस्तुएं, प्रयाप्त बोतलबंद जल, फल, राशन समेत तमाम जरूरी सामान, झंड़ा, बैनर, कारीगर, रसोईया सहायक आदि भी साथ ले गए। सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार को बाबाधाम से यात्रा कर सभी वापस जमशेदपुर लौटेंगे।

अमरनाथ यात्रा के लिए जत्था रवाना

रांचीः रविवार को रांची से शिव सेना परिवार के सदस्य पवित्र अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हो गए। शिव सेना परिवार के कार्यकारी अध्यक्ष नरेश पंडित ने अंगवस्त्र और चुनरी पहना कर उनको रवाना किया। इस मौके पर सुदीप उरांव, दीपक पोद्दार, हर्ष तिवारी आदि मौजूद थे।

लेजर शो

देवघर के शिवगंगा सरोवर में लेजर शो के माध्यम से दिखाया जा रहा है बाबा बैद्यनाथ मंदिर से जुड़ा इतिहास

देवघरः राजकीय श्रावणी मेला, 2025 कई मायनों में खास है। इस कड़ी में श्रद्धालुओं के भक्तिमय मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा लेजर शो का आयोजन मेला क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को बाबा धाम देवघर में एक बेहतर अनुभूति प्राप्त हो सके। आधुनिक तकनीकों के उपयोग के साथ मेले में श्रद्धालुओं की सुख-सुविधा का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा इस कड़ी में शिवगंगा सरोवर में वाटर प्रोजेक्टर की ओर से बाबा मंदिर से जुड़े इतिहास के साथ-साथ बाबा मंदिर, शिवलिंग की स्थापना और देवघर से जुड़े इतिहास को दर्शाया जा रहा है। इस औलोकीक लेजर शो का प्रसारण श्रद्धालुओं के लिए आकर्षक का केन्द्र बना हुआ है, जिसका आनंद संध्या बेला में देवघर आने वाले देवतुल्य श्रद्धालु ले रहे हैं।

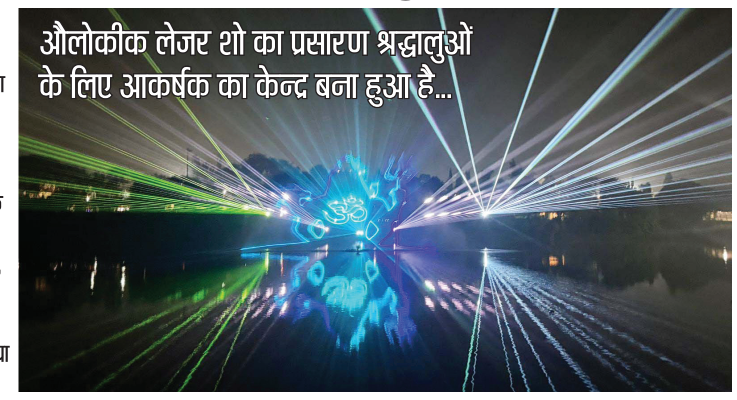

लातेहार का ललमटिया डैम सी श्रेणी का पर्यटन स्थल हुई घोषित, बढ़ी रोजगार की संभावनाएं

चरका डैम और कोमो-उदयपुरा के जंगल भी डी श्रेणी के पर्यटन स्थल घोषित

लातेहारः जिला मुख्यालय स्थित ललमटिया डैम को सरकार ने सी श्रेणी का पर्यटन स्थल घोषित कर दिया है. पर्यटन स्थल घोषित होने के बाद यहां पर्यटन के साथ-साथ रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ गई हैं. पूर्व डीसी अबु इमरान के द्वारा ललमटिया डैम के आसपास के इलाके में पर्यटन सुविधा बहाल कर छुपे हुए इस स्वर्ग को प्रकाश में लाया गया था. यह जिला मुख्यालय के पास एकमात्र बेहतरीन और आकर्षक स्थान है.

दरअसल, लातेहार जिला मुख्यालय के पास एक भी ऐसा स्थान नहीं था जहां लोग अपने परिवार के साथ जाकर घूम सकें. इस कमी को खत्म करने के लिए लातेहार के पूर्व डीसी अबु इमरान ने ललमटिया डैम को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना तैयार की थी और उस पर बेहतरीन ढंग से काम भी किया था. उनके कुशल नेतृत्व में ललमटिया डैम के आसपास के क्षेत्र को खूबसूरती के साथ निखारा गया था. जब तक आईएएस अधिकारी अबु इमरान लातेहार के डीसी के रूप में कार्यरत रहे,

तब तक यह स्थान पर्यटन के मामले में काफी चर्चित रहा.

अब बदहाल हुई व्यवस्थाः डीसी अबु इमरान के तबादले के बाद यहां की बदहाली आरंभ हो गई. प्रशासनिक उदासीनता का आलम यह रहा कि ललमटिया डैम से सुरक्षा कर्मियों को भी हटा लिया गया. धीरे-धीरे यहां लगाई गई सोलर लाइट और अन्य पर्यटन सुविधा से संबंधित वस्तुएं चोरी होने लगी. धीरे-धीरे यह पूरा इलाका बदहाल हो गया और पर्यटकों का आना-जाना भी बिल्कुल खत्म हो गया.

वहीं ललमटिया डैम के बगल में बनाए गए चिल्ड्रन पार्क से भी सारे सामानों की चोरी हो गई. अर्थात जिस स्थान पर पर्यटकों की भीड़ लगी रहती थी, वहां अब सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं है. इस कारण लोगों का आना-जाना भी बिल्कुल कम हो गया. स्थानीय लोगों की मानें तो पूर्व में जब यहां डीसी के रूप में अबु इमरान कार्यरत थे तो यहां चारों ओर चहल-पहल रहती थी. लेकिन अब यहां सन्नाटा पसरा रहता है. लोगों ने कहा कि यदि इस इलाके को फिर से विकसित किया जाएगा तो यहां फिर से पर्यटकों का आना-जाना आरंभ हो जाएगा. जिससे पर्यटन के साथ-साथ छोटे-मोटे रोजगार के साधन भी विकसित होंगे.

सी श्रेणी का पर्यटन स्थल हुआ घोषितः इधर, इस संबंध में लातेहार जिला पर्यटन पदाधिकारी संजीत कुमार ने बताया कि ललमटिया डैम को पर्यटन विभाग के द्वारा सी श्रेणी का पर्यटन स्थल घोषित कर दिया गया है. उन्होंने बताया कि सी श्रेणी का पर्यटन स्थल घोषित किए जाने के बाद यहां जिला स्तर से पर्यटन की सुविधा बहाल की जा सकेगी. उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि इस इलाके को और बेहतर बनाया जाए. उन्होंने बताया कि चरका डैम और कोमो-उदयपुरा के जंगल के इलाके को भी पर्यटन विभाग के द्वारा डी श्रेणी के पर्यटन स्थल घोषित किया गया है.

दक्षिण-पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी जिलों में 14 और 15 जुलाई से भारी बारिश होने की संभावना

रांचीः झारखंड के दक्षिण पूर्वी और उत्तर पश्चिमी जिलों में अगले एक- दो दिनों में भारी बारिश होने की आशंका है। यह जानकारी मौसम विभाग ने दी है। विभाग की ओर से 14 जुलाई को दक्षिण पूर्वी और उत्तरी हिस्सों एवं 15 जुलाई को उत्तर पश्चिमी तथा उत्तरी-मध्यवर्ती जिलों के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की आशंका है। साथ ही इन इलाकों में कहीं-कहीं आकाशीय बिजली गिरने की आशंका को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में पिछले 24 घण्टों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश गढवा जिले में 62.5 मिमी रिकॉर्ड की गई। वहीं , इस दौरान राज्य के जिन इलाकों में बारिश दर्ज की गई उनमें डाल्टनगंज 57.2, मंझारी 45.2, चक्रधरपुर 30, गढ़वा जिले का धुरकी 25.5, भवनाथपुर 25.1, खूंटी का अड़की में 25.1, चैनपुर 18.5, रामगढ में 14.6, बोकारो 14, नीमडीह 13.8 और बरकट्ठा में 12.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं रविवार को रांची और आसपास के इलाक़ों में सुबह से रुक-रुक कर बारिश होती रही। रांची में अधिकतम तापमान 29.9, जमशेदपुर में 33.6, डालटेनगंज में 30.8, बोकारो में 31.1 और चाईबासा में तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

कोडरमा में 9 महीने की गर्भवति महिला ने की आत्महत्या, दूसरे कमरे में सोता रहा पति

कोडरमाः अज्ञात कारणों के चलते एक गर्भवती महिला ने आत्महत्या कर ली. मामला तिलैया थाना क्षेत्र के देवी मंडप रोड का है. जहां मृतका की पहचान 24 वर्षीय शिवानी कुमारी के रूप में हुई है. मृतका देवी मंडप रोड स्थिति अपने पति सोनू कुमार के साथ किराए के मकान में रहती थी.

बेड पर पड़ा था शवः मृतका के पड़ोस में रहने वाले सपन कुमार ने बताया कि उन्हें शिवानी के घर से रोने की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद वे उसके मकान के अंदर गए, वहां जाने पर इन्होंने देखा कि शिवानी का शव बेड पर पड़ा हुआ था और जब उन्होंने इस संबंध में उसकी बहन से पूछताछ की तो उसने बताया कि शिवानी ने आत्महत्या कर ली है.

9 महीने की गर्भवती थी मृतकाः बहन ने आगे बताया कि वह 9 महीने की गर्भवती थी और उसकी इसी महीने डिलीवरी होने वाली थी. इधर मृतका के पड़ोसी ने बताया कि शिवानी की डिलीवरी के लिए उसकी एक बहन यहां आई हुई थी. उन्होंने बताया कि मृतका का, पति और बहन से किसी बात को लेकर दोपहर में झगड़ा हुआ था, जिसके बाद उसका पति दूसरे कमरे में चला और शिवानी भी दूसरे कमरे में चली गई.

मिस ग्रैंड इंडिया के फाइनल पहुंची झारखंड की प्रियांशु चौधरी

पिता चलाते हैं ऑटो, बेटी जयपुर में आयोजित प्रतियोगिता में करेगी प्रतिनिधित्व

बोकारोः अगर खुद में जुनून और हौसला बुलंद है तो कोई भी आपको ऊंचाइयां छूने से रोक नहीं सकता है. इसी जोश और जज्बे से लबरेज जिले के एक ऑटो चालक की बेटी इतिहास रचने के करीब है. इस ऊंचाई तक पहुंचने पर माता पिता को अपनी पुत्री की इस सफलता पर नाज है. बोकारो जिला के बेरमो प्रखंड अंतर्गत जारंगडीह स्थित सावित्री कॉलोनी निवासी नरेश प्रसाद चौधरी की पुत्री प्रियांशु चौधरी अपने जीवन का एक नया इतिहास गढ़ने जा रही है. प्रियांशु ने राजस्थान के जयपुर में आयोजित मिस ग्रैंड इंडिया प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व कर रही हैं. उनके पिता नरेश प्रसाद चौधरी मुख्य रूप से ऑटो चालक हैं.

तीन बहनों में सबसे बड़ी है प्रियांशुः प्रियांशु तीन बहनों में सबसे बड़ी हैं. उनकी दूसरी नंबर की बहन दीपांशु दिल्ली से स्नातक की पढ़ाई पूरी कर रांची में बतौर योग प्रशिक्षक और छोटी बहन ज्ञानशु एक निजी स्कूल में बारहवीं साइंस की छात्रा हैं. प्रियांशु के पिता नरेश प्रसाद चौधरी ने बताया कि बीते 4 जुलाई से राजस्थान के जयपुर में चल रहे मिस प्रतियोगिता का फाइनल 13 जुलाई को है. उन्हें विश्वास है कि उनकी बेटी यह खिताब अपने नाम करने में जरुर सफल होगी.

पहले भी नाम कर चुकी हैं खिताबः प्रियांशु के पिता ने कहा कि इससे पूर्व बीते वर्ष 2024 में प्रियांशु ने मिस इंडिया झारखंड का खिताब अपने नाम कर चुकी हैं. जबकि 2025 मिस यूनिवर्स झारखंड के टॉप फाइव में वह पहुंच चुकी हैं. उन्होंने बताया कि इससे पूर्व प्रियांशु मिस स्पॉटलेस फेस ऑफ इंडिया और नॉर्थ ईस्ट आइकॉन ऑफ इंडिया प्रतियोगिता की रनर अप रह चुकी हैं. प्रियांशु की मां वीणा देवी के अनुसार उन्हें गर्व है कि उनके तीनों पुत्री अपने क्षेत्र में बेहतर कर रही है. उन्होंने कहा कि अगर बड़ो का आशीर्वाद रहा तो प्रियांशु अपने लक्ष्य में अवश्य सफल होगी.

सावन महोत्सव में हरे रंग की साड़ी और हरी चूड़ियों के साथ महिलाओं ने किया सावन महीने का स्वागत

जमशेदपुरः सावन के महीने में मानगो के आशियाना अनंतारा सोसाइटी में रहने वाली महिलाओं के द्वारा सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। पूरा महोत्सव सावन के थीम में आयोजित हुआ । हरे रंग की साड़ी और हरे रंग की चूड़ियां पहनकर महिलाओं ने संगीत गाकर सावन महीने का स्वागत किया । कार्यक्रम में कई प्रकार के प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से मेहंदी लगाओ, चूड़ी पहनो, सावन के गीत, म्यूजिकल चेयर, के साथ-साथ शिव वंदना की प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता की जज पूनम सिंह को बनाया गया। मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता के मुख्य विजेता रही प्रियंका सिंह और उपविजेता रही चंचल कुमारी, चूड़ी पहनो प्रतियोगिता की विजेता रही सोना सिंह और उपविजेता रही पूजा सिंह, म्यूजिकल चेयर की विजेता रही ज्योति गुप्ता और उपविजेता रही अंजली गुप्ता, शिव वंदना की विजेता रही दीपा सिंह और उप विजेता रही हिना गुप्ता,सोना सिंह ड्रेस गेटअप के विजेता रही सुमन देवी, उपविजेता रही माधवी वर्मा ,और खुशबु सिंह। म्यूजिकल चेयर की विजेता पुनम सिंह और उपविजेता श्वेता सिन्हा बनी। खुशबू सिंह के द्वारा शिव वंदना किया गया। ओवरऑल विजेता बनी नेहा गुप्ता जिसे सभी महिलाओं ने मिलकर पुरस्कृत कर सावन क्वीन बनाया गया। दिन भर चले कार्यक्रम में सभी महिलाओं ने अंत में एक दूसरे के सुहाग और बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए शिव शंकर भगवान का गीत गाया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सोना सिंह, पूनम सिंह, दीपा सिंह, खुशबू सिंह, प्रियंका सिंह, पूजा सिंह, श्वेता सिंह, चंचल सिंह, नेहा गुप्ता, अंजलि गुप्ता, हिना गुप्ता, ज्योति गुप्ता, सुमन और माधवी वर्मा शामिल हुई।

जोशीली बहसों और विधेयक पारित होने के साथ यंग इंडियंस संसद का भव्य समापन, छात्र हुए सम्मानित

जमशेदपुरः केरला पब्लिक स्कूल, बर्मामाइंस में आयोजित यंग इंडियंस संसद (वाईआईपी) सिटी लेवल राउंड 2025 का समापन रविवार को जोश और उत्साह के साथ हुआ। यंग इंडियंस जमशेदपुर चेप्टर द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में शहर के विभिन्न स्कूलों से 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और संसदीय प्रणाली को जीवंत रूप में आत्मसात करते हुए नेतृत्व, नीति निर्माण और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दूसरे दिन का मुख्य आकर्षण रहा दो घंटे का मॉक पार्लियामेंट सत्र, जिसमें छात्र सांसदों ने निम्नलिखित मुद्दों पर गहन चर्चा की. झारखंड में महिला सशक्तिकरण, राज्य में पर्यटन का

विकास, स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियाँ और समाधान, छात्रों ने कुल चार विधेयकों का मसौदा तैयार किया, जिनमें से दो विधेयक बहुमत से पारित हुए। इससे छात्रों की शोध क्षमता, तार्किक सोच और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की समझ उजागर हुई। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 10 पुरस्कार वितरित किए गएः- डीबीएमएस कदमा हाई स्कूल को 4 पुरस्कार, केरल पब्लिक स्कूल, कदमा को 2 पुरस्कार, लोयोला स्कूल को 2 पुरस्कार, जुस्को स्कूल, कदमा को 2 पुरस्कार। पुरस्कार 'सर्वश्रेष्ठ वक्ता', 'सर्वश्रेष्ठ सांसद', 'सर्वश्रेष्ठ विधेयक' और 'सर्वश्रेष्ठ टीम समन्वय' जैसी श्रेणियों में दिए गए।

जमशेदपुर : महारक्तदान शिविर में 151 यूनिट रक्त संग्रह

पूर्व मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री हुए शामिल

पूर्वी सिंहभूमः रविवार को साकची के आमबगान स्थित बंगाल क्लब सभागार में आयोजित जमशेदपुर दुर्गा पूजा केंद्रीय समिति के एकदिवसीय महारक्तदान शिविर में रक्तदान का अद्भुत उत्साह देखने को मिला। सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक चले शिविर में कुल 151 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शहर के कोने-कोने से आए सैकड़ों रक्तदाताओं ने मानवता की सेवा में अपना योगदान दिया।

कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, सांसद विद्युत वरण महतो, पूर्व विधायक अरविंद सिंह एवं कुणाल षाड़ंगी, जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू, उपाध्यक्ष पंकज सिंहा, सदस्य डॉ परितोष सिंह व डॉ कविता परमार, महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष

कल्याणी शरण, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रामबाबू तिवारी, नंदजी प्रसाद, दिनेश कुमार, कुलवंत सिंह बंटी, शिवशंकर सिंह, आजसू जिलाध्यक्ष कन्हैया सिंह, कांग्रेस जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे, रविंद्र झा, विधायक प्रतिनिधि गुंजन यादव, सांसद प्रतिनिधि संजीव कुमार शंकर रेड्डी, भूतपूर्व सैनिक परिषद के प्रतिनिधि सहित कई लोग उपस्थित रहे।

शिविर में शहर की विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों के प्रतिनिधियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। समिति की ओर से सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में बंगाल क्लब, प्रतीक संघर्ष फाउंडेशन एवं जमशेदपुर ब्लड सेंटर का विशेष सहयोग रहा। समिति के अध्यक्ष अचिंतम गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, महासचिव आशुतोष सिंह, सचिव रामबाबू सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिवाकर सिंह, उपाध्यक्ष नीरज सिंह, धर्मेंद्र प्रसाद, अशोक सिन्हा, गौतम प्रसाद ने सभी रक्तदाताओं, समिति प्रतिनिधियों एवं शहरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों को जारी रखने का संकल्प दोहराया।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।